शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 132 | गुवाहाटी | शनिवार, 3 दिसंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एएसटीसी महानगर में अगले साल से चलाएगी सीएनजी बसें पेज 3

वायु सेना देश की पहली एंटी रेडिएशन मिसाइल रुद्रम के अधिग्रहण को तैयार पेज 4

भाजपा को जिताइए, रामपुर में बहेगी विकास की गंगा : योगी आदित्यनाथ पेज 5

युवा किसी का झंडा उठाकर न चले : बैंसला पेज 8

छत्तीसगढ़ के सीएम की डिप्टी सेक्रेटरी सौम्या गिरफ्तार

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लान्ड्रिंग मामले में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के डिप्टी सेक्रेटरी सौम्या चौरसिया को गिरफ्तार किया। बता दें कि सौम्या चौरसिया छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री कार्यालय में डिप्टी सेक्रेटरी हैं। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सौम्या चौरसिया की गिरफ्तारी के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें कोर्ट में पेश किया। प्रवर्तन निदेशालय ने सौम्या चौरसिया के लेकर 10 दिन की रिमांड मांगी है। बता दें कि प्रिवेंशन आफ मनी लांड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के मामले में सौम्या -शेष पृष्ठ दो पर

तीन मेट्रो शहरों में 16 जगह ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीमों ने शुक्रवार (दो दिसंबर) को तीन मेट्रो शहरों चेन्नई, मुंबई और दिल्ली में 16 जगह छापेमारी की। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट 2002 के तहत की गई। ईडी ने पीएमएलए के तहत कार्रवाई करते हुए आर अरविंद, एस गोपालकृष्णन, एस भरतराज, ब्लूमैक्स कैपिटल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के 3 निदेशकों और तूतीकोरिन के उनके सहयोगी -शेष पृष्ठ दो पर

जोरहाट में रैगिंग, 12 छात्रों के खिलाफ एफआईआर

जोरहाट। असम में एक के बाद एक लगातार रैगिंग के मामले सामने आ रहे हैं। डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी में सामने आए दो रैगिंग मामलों पर विवाद अभी थमा नहीं है कि जोरहाट के एक कॉलेज में रैगिंग करने और उसे छिपाने के लिए दबाव बनाने का मामला सामने आया है। एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि असम के जोरहाट जिले के एक प्रमुख कॉलेज द्वारा एक जूनियर हॉस्टल कैदी द्वारा रैगिंग करने और शिकायत वापस लेने के लिए दबाव डालने के आरोप में 12 छात्रों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने जांच शुरू कर दी है, हालांकि अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। जगन्नाथ बरुआ (जेबी) कॉलेज के प्रिंसिपल ने पीड़ित छात्र के लिखित बयान के आधार पर गुरुवार को जोरहाट पुलिस स्टेशन में 12 आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। यह मामला डिब्रूगढ़ में कथित रैगिंग की दो घटनाओं के बाद सामने आया है। जेबी कॉलेज की घटना का ब्योरा देते हुए पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमें शिकायत गुरुवार शाम को मिली। इसे देखने के बाद हमने एआईआर दर्ज की। एआईआर में संस्थान के आठ वर्तमान और एक पूर्व छात्रों को रैगिंग में शामिल होने के आरोप में नामजद किया गया है। कॉलेज के अधिकारियों से अपनी प्रारंभिक शिकायत वापस लेने के लिए छात्र पर कथित रूप से दबाव बनाने के लिए तीन अन्य व्यक्तियों का नाम लिया गया है। कॉलेज के अधिकारियों ने कहा कि तीन वर्षीय डिग्री कोर्स के पहले सेमेस्टर के छात्र ने सितंबर की शुरुआत में सैयद अब्दुल मलिक छात्रावास के अधिकारियों से शिकायत के की थी और उसने हॉस्टल छोड़ दिया। छात्र ने तीन दिन पहले फिर से अधिकारियों से शिकायत दी है, इसलिए एआईआर कराई गई है और एंटी-रैगिंग कमेटी को जांच सौंपी गई है। कमेटी सप्ताह भर में रिपोर्ट देगी।

पूर्वोत्तर में सुखोई फाइटर जेट हाई अलर्ट पर

नई दिल्ली (हि.स.)। पूर्वोत्तर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीनी ड्रोन की बढ़ती गतिविधियां देख भारतीय वायु सेना भी अलर्ट हो गई है। इस हफ्ते में कई बार चीन के ड्रोन्स ने भारतीय क्षेत्र की ओर उड़ान भरने की कोशिश की है, लेकिन वायु सेना ने क्षेत्र में अपने मजबूत राडार नेटवर्क के साथ चीन की गतिविधियों पर नजर जमा रखी है। आम तौर पर एलएसी की स्थिति शांतिपूर्ण है लेकिन हाल के दिनों में कई ऐसे मौके आए हैं जब भारत के लड़ाकू विमानों को उड़ान भरनी पड़ी है। भारतीय वायु सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक इस समय पूर्वोत्तर में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी ड्रोन्स की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखनी पड़ रही है, क्योंकि एलएसी के साथ चीनी ड्रोन ने अपनी तरफ से भारतीय क्षेत्र की ओर उड़ान भरने की कोशिश की है। वायु सेना क्षेत्र में अपने मजबूत राडार नेटवर्क के साथ पूर्वोत्तर में उड़ान गतिविधियों पर नजर रख रही है। कई ऐसे मौके भी आए हैं जब भारत के लड़ाकू विमानों को उड़ान भरनी पड़ी है, क्योंकि ड्रोन या किसी भी विमान को हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। वायु सेना को इसलिए भी अलर्ट पर रखा गया है कि अगर चीन की तरफ से भारतीय क्षेत्र की ओर उड़ने वाले विमान या ड्रोन राडार की पकड़ में आते हैं, तो किसी भी उल्लंघन को रोकने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए। रक्षा मंत्रालय के अनुसार अरुणाचल प्रदेश और -शेष पृष्ठ दो पर

नई दिल्ली में असम दिवस

चुकाफा का बृहद असम समाज बनाने में अमूल्य योगदान : सोनोवाल

नई दिल्ली। यहां *असम दिवस* पर शुक्रवार को एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने राज्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा के लिए शिक्षाविदों और लेखकों की एक अहम सभा की मेजबानी की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सभा में हिस्सा लेने वालों में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की कुलपति शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित, जेएनयू की पूर्व प्रति कुलपति कपिल कपूर समेत अन्य बुद्धिजीवियों और -शेष पृष्ठ दो पर

हिंदू गैरकानूनी तरीके से 2-3 बीवियां रखते हैं : अजमल

गुवाहाटी (विभास)। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के अध्यक्ष मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने शुक्रवार को जनसंख्या वृद्धि पर विवादित बयान दिया है। उन्होंने हिंदुओं पर 40 साल से पहले दो से तीन गैरकानूनी तरीके से बीवियां रखने का आरोप लगाया है। इस बयान के बाद हंगामा होना तय माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, जनसंख्या वृद्धि पर मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि वो (हिंदू) 40 साल से पहले 2-3 गैरकानूनी तरीके से बीवियां रखते हैं। 40 साल के बाद बच्चा पैदा करने की क्षमता कहां रहती है...उनको मुसलमानों -शेष पृष्ठ दो पर

भारत जोड़ो यात्रा को लेकर असम में आंतरिक कलह

गुवाहाटी /नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी की राज्य इकाइयों में जारी कलह थमने का नाम नहीं ले रही है। राजस्थान में जारी बवाल के बीच असम भी चर्चा में आ गया है। दरअसल कांग्रेस ने असम पार्टी प्रमुख से उन लोगों के नाम बताने को कहा है कि जो *भारत जोड़ो यात्रा* में शामिल नहीं हो रहे हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने इस संबंध में एक पत्र लिखा है। इस पत्र के सामने आने के बाद असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी की आंतरिक कलह खुलकर सामने आ गई। पत्र से पता चला है कि राज्य के कई कांग्रेस नेता भारत जोड़ो यात्रा से खुद को दूर रखने का विकल्प चुन रहे हैं। एआईसीसी सदस्य और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जितेंद्र सिंह के हस्ताक्षर वाले पत्र में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा को उन पार्टी नेताओं की सूची तैयार करने का निर्देश दिया गया है, जिन्होंने असम में भारत जोड़ो यात्रा में भाग नहीं लिया है। जितेंद्र सिंह ने पत्र में लिखा कि मैं समय-समय पर यात्रा में शामिल होता रहा हूं और देखा है कि असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कुछ पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, डीसीसी, ब्लॉक अध्यक्ष, ओबी और नेताओं ने न तो इस यात्रा में भाग लिया है और न ही इस ऐतिहासिक मार्च को सफल बनाने के लिए कोई प्रयास किया है। सिंह ने अपने पत्र में एपीसीसी अध्यक्ष को निर्देश दिया कि कृपया ऐसे पदाधिकारियों/कार्यकारी सदस्यों/नेताओं की एक सूची तैयार करें और 15 दिसंबर को यात्रा समाप्त होने के तुरंत बाद इसे जमा करें। एआईसीसी के पत्र का हवाला देते हुए, कांग्रेस की राज्य इकाई ने एपीसीसी के सभी नेताओं -शेष पृष्ठ दो पर

नशे से मरने वाले मुसलमान को नहीं दफनाएंगे : मस्जिद कमेटी

गुवाहाटी (विभास)। असम में नशीले पदार्थों के खतरे से लड़ने के लिए एक मस्जिद समिति ने सरकार के साथ हाथ मिलाया है। मामला नगांव जिले के जुरिया गांव का है। जहां गांव वालों ने मस्जिद समिति के साथ मिलकर बड़ा फैसला किया है। जिसके तहत नशे के सेवन से मरने वाले किसी भी मुस्लिम को दफनाया नहीं जाएगा। इसके साथ ही नशे के सेवन से अगर किसी शख्स की मौत हो जाती है तो उसके परिवार को किसी तरह की आर्थिक मदद भी नहीं की जाएगी। गांव वालों का कहना है कि यह बहुत ही सराहनीय कदम है। क्योंकि इससे नशे के खिलाफ लड़ने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही युवाओं का रुझान नशे की लत की ओर नहीं जाएगा। नशे से लड़ने की मुहिम को लेकर उदमारी बालुगुटिया जामा मस्जिद ने निर्णय लेने की ठानी। यह मस्जिद नगांव शहर से करीब 9 किमी दूर जुरिया में है। इस फैसले को क्षेत्र के साथ-साथ राज्य में भी नशे से लड़ने को लेकर बड़ा माना जा रहा है। मस्जिद कमेटी के सदस्य फजलुल हक मोरोल ने कहा कि युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए यह फैसला समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सोमवार को कमेटी की कार्यकारी बैठक में फैसला लिया गया है। पैनल ने तय किया है कि नशीले पदार्थों के सेवन से मरने वाले व्यक्तियों के परिवारों को कोई मदद नहीं की जाएगी। वहीं गांव वालों ने भी इस फैसले की तारीफ की है। जिनका कहना है कि -शेष पृष्ठ दो पर

देश मोदी के नेतृत्व में विकास कर रहा है : निर्मला

गया (हि.स.)। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को अपने गया प्रवास के दौरान कहा कि आज देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व में तेजी से विकास कर रहा है। भाजपा कार्यकर्ता काफी मेहनती होते हैं। बिहार में अभी काफी विकास होना बाकी है। हमारी पार्टी विकास में विश्वास करती है। पीएम मोदी का मुख्य मुद्दा विकास ही है। भारत के विकास के लिए सभी का योगदान आवश्यक है। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि विरोधी पार्टियां केवल झूठा प्रचार करती है। इसलिए उन्हें 10 में से दो पर ही सफलता मिलती है। जबकि हमारी पार्टी भाजपा सत्य और विकास के बदौलत 10 में से आठ पर कामयाब -शेष पृष्ठ दो पर

अंडमान और निकोबार : परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर 21 द्वीप

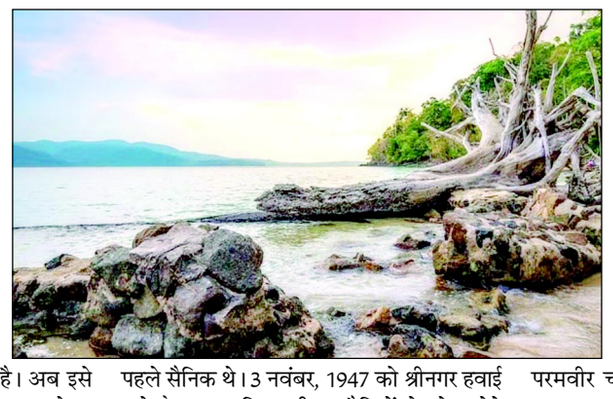

पोर्ट ब्लेयर। भारत सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और निकोबार के 21 द्वीपों का नाम परमवीर चक्र पुरस्कार से सम्मानित वीर सैनिकों के नाम पर रखा है। इन 21 द्वीपों में से 16 उत्तर और मध्य अंडमान जिले में स्थित हैं, जबकि पांच द्वीप दक्षिण अंडमान में हैं। अभी इन द्वीपों पर लोग आबाद नहीं है। इनमें से कुछ आरक्षित वन के अंतर्गत आते हैं। अंडमान के पहले गैर-आबाद द्वीप (संख्या-आईएनएएन370) का नाम मेजर सोमनाथ शर्मा के नाम पर रखा गया है। अब इसे *सोमनाथ द्वीप* के नाम से जाना जाएगा। मेजर सोमनाथ परमवीर चक्र से सम्मानित होने वाले पहले सैनिक थे। 3 नवंबर, 1947 को श्रीनगर हवाई अड्डे के पास पाकिस्तानी घुसपैठियों से लोहा लेते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे। बडगाम की लड़ाई के दौरान उनकी वीरता और बलिदान के लिए उन्हें मरणोपरांत सर्वोच्च सैन्य पुरस्कार परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। अंडमान प्रशासन और रक्षा मंत्रालय ने सूबेदार एवं मानद कैप्टन करम सिंह के नाम पर गैर-आबाद द्वीप आईएनएएन308 का नाम *करम सिंह द्वीप* रखा है। सूबेदार करम सिंह ने 1947 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में अपने साहस का परिचय देते हुए जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती गांव टीठवाल में एक अग्रिम पोस्ट को बचाया था, जिसके लिए उन्हें परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। इसी तरह परमवीर चक्र से सम्मानित मेजर राम राघोबा राणे, नायक जदुनाथ -शेष पृष्ठ दो पर

नस्लवाद का सामना किया है मैंने : सुनक

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने खुलासा किया है कि उन्होंने नस्लवाद का सामना किया था, लेकिन अब इस स्थिति से निपटने में देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। भारतीय मूल के ब्रिटिश नेता ने यह खुलासा गुरुवार रात को संवाददाताओं से बातचीत के दौरान किया जो उन्होंने बकिंघम पैलेस (ब्रिटिश शाही परिवार का आधिकारिक आवास) में नस्लवाद का मामला सामने आने की पृष्ठभूमि में किया। शाही महल में कार्यरत वरिष्ठ कर्मी द्वारा अश्वेत ब्रिटिश चैरिटी कर्मी से बार-बार उसके मूल स्थान के बारे में पूछे जाने की जानकारी सार्वजनिक होने के बाद प्रिंस विलियम की *गॉडमदर* को इस्तीफा देना पड़ा था। जब इस पूरे विवाद के बारे में पूछा गया तो सुनक ने कहा कि उनके लिए महल के मामलों में टिप्पणी करना उचित नहीं है और उन्होंने मामले की गई कार्रवाई की ओर इंगित किया। -शेष पृष्ठ दो पर

गुजरात में बनेगी भाजपा सरकार : मोदी

अहमदाबाद (हि.स.)। गुजरात विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को चार जिलों में चुनावी सभा की। उन्होंने अपने धुआंधार प्रचार अभियान में कांग्रेस पर जमकर हमला किए। उन्होंने कहा कि मोदी को गाली देना और ईवीएम में कमियां निकालना कांग्रेस का काम है। उन्होंने साफ किया कि गुजरात में भाजपा की पूर्ण बहुमत से सरकार बन रही है। शुक्रवार को नरेंद्र मोदी ने गुजरात में बनासकांठा के कांकरेज, पाटण, आणंद के सोजित्रा और अहमदाबाद में चुनावी सभाएं की। पाटण में कांग्रेस पर हमला करते हुए मोदी ने कहा कि उनके पास दो ही काम है, ईवीएम की खामियां निकालना और मोदी को गालियां देना। समाज में महिलाओं की भूमिका को सशक्त बनाने के लिए भाजपा सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में बात करते हुए मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ से लेकर सेना में बेटियों की भर्ती तक कई अभूतपूर्व फैसले लिए हैं। पाटण क्षेत्र के बाजरा किसानों को इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स के माध्यम से बड़े पैमाने पर लाभ होने की बात कही। मोदी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार में पाटण-भीलडी लाइन और मोडासा कपड़वंज रेलवे लाइन के लिए आंदोलन चलता था। -शेष पृष्ठ दो पर

अर्थ-व्यवस्था में शिपयार्ड का अहम योगदान : राजनाथ

मुंबई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश के सागरी सीमा को सुरक्षित करने के लिए स्वदेशी अत्याधुनिक जहाज और शस्त्रों का निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया है। मुंबई में डिफेंस रक्षा शिपयार्ड पर रक्षा मंत्रालय की सलाहकार समिति की बैठक को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि समुद्री सुरक्षा के साथ ही देश की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में भी शिपयार्ड का महत्वपूर्ण योगदान है। शिपयार्ड ने खुद की भी आर्थिक स्थिति मजबूत की है। साल 2021 के दौरान 8925 करोड़ मूल्य के जहाजों का उत्पादन किया और कर अदायगी के बाद 927 करोड़ रूपए का मुनाफा हुआ। राजनाथ सिंह ने शिपयार्ड उद्योग से स्वदेशी होने का आह्वान करते हुए -शेष पृष्ठ दो पर

बस्तर में खदान धंसने से सात की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में पीली मिट्टी की खदान धंस जाने से उसमें दबकर छह महिलाओं समेत सात लोगों की मौत हो गई है। बस्तर जिले के पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि जिले के मालगांव में स्थित छुई खदान (पीली मिट्टी खदान) के धंस जाने से उसमें दबकर छह महिलाओं समेत सात लोगों की मौत हो गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीण आज पीली मिट्टी की खदान से मिट्टी निकाल रहे थे तभी ऊपर का हिस्सा उनके ऊपर गिर गया और सभी उसके नीचे दब गए। पीली मिट्टी -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
अन्न के सिवाय कोई दूसरा धन नहीं है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

बस्तर में खदान धंसने से सात की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में पीली मिट्टी की खदान धंस जाने से उसमें दबकर छह महिलाओं समेत सात लोगों की मौत हो गई है। बस्तर जिले के पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि जिले के मालगांव में स्थित छुई खदान (पीली मिट्टी खदान) के धंस जाने से उसमें दबकर छह महिलाओं समेत सात लोगों की मौत हो गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीण आज पीली मिट्टी की खदान से मिट्टी निकाल रहे थे तभी ऊपर का हिस्सा उनके ऊपर गिर गया और सभी उसके नीचे दब गए। पीली मिट्टी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD,
S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

अलकायदा और पाक तालिबान के 4 सदस्य वैश्विक आतंकवादी घोषित

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि अमेरिका ने अलकायदा और पाकिस्तानी तालिबान समूहों के चार सदस्यों को वैश्विक आतंकवादी घोषित किया है। उन्होंने कहा कि बाइडन प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी आतंकवादी अफगानिस्तान में पैर न पसार सके। जिन आतंकवादियों को गुरुवार को वैश्विक आतंकवादी घोषित किया गया है, उनमें भारतीय उपमहाद्वीप में अलकायदा (एक्यूआईएस) का अमीर ओसामा महमूद, एक्यूआईएस का उप अमीर आतिफ याह्या गोरी तथा समूह में और लोगों को भर्ती करने का काम संभालने वाला मुहम्मद मारूफ शामिल है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवाद को पनाह देने वाले तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के कारी अमजद पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। ब्लिंकन ने कहा कि वैश्विक आतंकवादी घोषित किए गए लोगों की संपत्तियां अब अमेरिकी अधिकार क्षेत्र के अधीन हैं और सभी अमेरिकी व्यक्तियों को उनके साथ किसी भी लेनदेन में शामिल होने से प्रतिबंधित किया जाता है। उन्होंने कहा किबाइडन प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी आतंकवादी अफगानिस्तान में अपनी गतिविधियों को अंजाम न दे सके। उन्होंने एक बयान में कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं कि एक्यूआईएस और टीटीपी समेत विभिन्न आतंकवादी समूह अफगानिस्तान की सरजमीं का इस्तेमाल अपने नापाक मंसूबों के लिए नहीं करें। सितंबर 2014 में स्थापित एक्यूआईएस एक इस्लामी उग्रवादी संगठन है जिसका उद्देश्य इस्लामी देश की स्थापना के लिए पाकिस्तान, अफगानिस्तान, भारत, म्यांमार और बांग्लादेश की सरकारों से लड़ना है। टीटीपी, जिसे आमतौर पर पाकिस्तानी तालिबान के रूप में जाना जाता है, जो अफगानिस्तान-पाकिस्तानी सीमा पर सक्रिय है। वर्ष 2007 में गठित इस समूह और अफगानिस्तान तालिबान की एक समान विचारधारा है।

दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे में ट्रेन सेवाएं रद्द

गुवाहाटी (विभास)। अपर्याप्त संरक्षण को देखते हुए, पूसी रेल ने दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर) सेक्शन में कुछ ट्रेनों को रद्द करने का निर्णय लिया है। इन ट्रेन सेवाओं में न्यू जलपाईगुड़ी एवं दार्जिलिंग के बीच चलने वाली एक जोड़ी त्रि-साप्ताहिक वातानुकूलित पैसेंजर और दार्जिलिंग एवं घुम स्टेशनों के बीच चलने वाली दो जोड़ी डीजल स्पेशल जॉयराइड शामिल हैं। तदनुसार, ट्रेन संख्या 52539/52538 न्यू जलपाईगुड़ी-दार्जिलिंग-न्यू जलपाईगुड़ी त्रि-साप्ताहिक वातानुकूलित पैसेंजर 17 दिसंबर, 2022 से 28 फरवरी, 2023 तक रद्द रहेगी। डीजल स्पेशल जॉयराइड्स में ट्रेन संख्या 02547/02548/02549/02550 दार्जिलिंग-घुम-दार्जिलिंग स्पेशल जॉयराइड्स 6 से 31 दिसंबर, 2022 तक रद्द रहेगी।

सड़क किनारे मिला शव

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के सोनापुर थानांतर्गत इलाके में शुक्रवार को शव बरामद हुआ। आज सुबह चौदह माइल सोनाईगांव में सड़क किनारे शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी सोनापुर थाने को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया। स्थानीय लोगों को संदेह है कि किसी ने हत्या कर शव को इलाके में फेंक दिया होगा। मृतक के शरीर पर चोट के निशान पाये गए हैं। पुलिस ने इस मामले में एक प्राथमिकता दर्ज कर शव की शिनाख्त करने में जुट गई है। वहीं नगांव जिलांतर्गत कोलियाबर के भाकुआमारी इलाके में अज्ञात वाहन द्वारा ठोकर मारे जाने से दो बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बीती रात अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक (एएस-02एक्स-7091) पर सवार दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल रामचंद्र मंडल और निमाई मंडल को अस्पताल में भर्ती कराया है।

मिशन वसुंधरा 2.0 : लंगरीबाड़ी ग्राम पंचायत में विशेष ग्राम सभा आयोजित

मोरीगांव (हि.स.)। मोरीगांव जिला के लाहरीघाट राजस्व अधिकारी के निर्देश पर मोइराबारी विकास खंड अंतर्गत लंगरीबाड़ी ग्राम पंचायत के अध्यक्ष फजुर रहमान की अध्यक्षता में शुक्रवार को एक विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। विशेष ग्राम सभा में मिशन बशुंधरा 2.0, पीएम किसान सम्मान निधि, सामाजिक सहायता योजना (एनएसएपी) में आधार को जोड़ना, मनरेगा के तहत आधार को जॉब कार्ड से जोड़ना, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के बारे में जानकारी, कंप्यूटर साक्षरता दिवस, असम दिवस आदि विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। साथ ही इसके लिए आवश्यक कदम उठाने को लेकर सहमति बनी।

वायदे पर खरा नहीं उतरे पंचायत मंत्री तो खफा सफाई कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

फतेहाबाद (हि.स.)। ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन सीटू के राज्यव्यापी अभियान के तहत पंचायत मंत्री देवेंद्र बबली द्वारा किए गए वायदे एवं आश्वासन पर खरा नहीं उतरने के विरोध में फतेहाबाद उपायुक्त कार्यालय पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया और नारेबाजी कर रोष जताया। ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने अपनी मांगों व समस्याओं के समाधान बारे अधिकारी को पंचायत मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। धरने की अध्यक्षता जिला प्रधान बलबीर सिंह ने की व संचालन जिला सचिव बेगराज ने किया। धरने को संबोधित करते हुए जिला प्रधान बलबीर सिंह एवं सचिव देवराज ने कहा कि प्रदेश भर के 11 हजार ग्रामीण सफाई कर्मचारियों के सामने आ रही समस्याओं तथा मांगों बारे यूनियन पंचायत मंत्री को बार-बार अवगत करवा चुकी है। 20 अगस्त को मंत्री के विधानसभा क्षेत्र टोहाना में हजारों ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने महापड़ाव डाला था। उस समय पंचायत मंत्री ने यूनियन के प्रतिनिधिमंडल के साथ विस्तारित वार्ता की और इस वार्ता में उन्होंने यूनियन को आश्वासन दिया था कि एक सप्ताह में मुख्यमंत्री से बातचीत करके जल्दी ही मांगों, समस्याओं का समाधान करके यूनियन को अवगत करवा दिया जाएगा। इसी अवधि में पंचायत विभाग के महानिदेशक के साथ यूनियन की मीटिंग भी करवा दी जाएगी। धरने को सीटू के जिला सचिव ओमप्रकाश अनेजा, जिला प्रधान जंगीर सिंह, हरपाल सिंह, जगदीश चंद्र, दर्शन सिंह, ओम प्रकाश, पवन, हरपाल टोहाना, मोहन सिंह, निरंजन सिंह, बबलू, सुरेंद्र सिंह, रविंदर, सुनील कुमार, सतीश, सुभाष टिब्बी, साहब राम इत्यादि सैकड़ों कर्मचारी मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत कार्यालय में जागरूकता सभा आयोजित

नगांव (हि.स.)। नगांव जिलांतर्गत जुरिया विकास खंड के सिंगिया ग्राम पंचायत कार्यालय में शुक्रवार को पंचायत अध्यक्ष नाजिया महजबीं इस्लाम की अध्यक्षता में एक जागरूकता सभा का आयोजित किया गया। सभा का उद्देश्य स्थानीय लोगों में जागरूकता पैदा करने के मकदसद से किया गया। जिसमें मुख्य रूप से बताया गया कि बशुंधरा 2.0 योजना नागरिकों को अपनी भूमि का स्वामित्व प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा। सभा में एडीओ जोगज्योति चौधरी, सचिव इफ्तिखार हुसैन खान, क्षेत्रीय सदस्य एकरामुल हक, पूर्व पंचायत अध्यक्ष मामूद हसन, समाजसेवी मोज्जामिल हक, लाट मंडल बाबू अली सहित पंचायत के कर्मचारी उपस्थित होकर बशुंधरा 2.0 योजना पर विस्तृत रूप में विचार विमर्श किए।

राकांपा नेता का दावा : दक्षिण महाराष्ट्र के कई गांवों ने की गुजरात में विलय की मांग, कम विकास का लगाया आरोप

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के एक स्थानीय नेता शुक्रवार को दावा किया कि उत्तरी महाराष्ट्र के नासिक जिले के कुछ गांवों ने मांग की है कि उन्हें गुजरात में शामिल किया जाना चाहिए। एनसीपी नेता के मुताबिक, सरकार की उदासीनता और कम विकास के कारण लोग यह मांग कर रहे हैं। यह मांग ऐसे समय में की गई है जब हाल ही में कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने यह दावा करते हुए विवाद खड़ा किया है कि दक्षिण महाराष्ट्र के जाट तहसील के कुछ गांव कर्नाटक में अपना विलय चाहते हैं। एनसीपी के सुरगना तालुका प्रमुख चिंतमन गावित ने कहा, आजादी के 75 वर्षों के बाद भी कई गांवों में बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं। अगर आप इनका विकास नहीं कर सकते हैं तो उनका गुजरात में विलय कर दीजिए। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उन्होंने 30 नवंबर को तहसीलदार सचिन मुलिक को एक ज्ञापन भी भेजा है। उन्होंने आगे कहा कि इस मांग का किसी राजनीतिक दल से कोई लेना-देना नहीं है। सुभाष नगर, डोलारे, अलानगुन और कथिपडा गांवों के निवासी एकजुट होकर यह मांग कर रहे हैं। इसी तरह अन्य गांव भी हैं। गुजरात के धरमपुर तालुका यहां से मात्र 15 किलोमीटर और वसदा 10 किलोमीटर दूर है। हम लगातार वहां जाते हैं और हम वर्षों से विकास के अंतर को देख रहे हैं। गावित ने दावा कि उन्हें नंदपुर जिले के धडगांव और नवापुर गांवों से भी फोन कॉल आए हैं और अपने गुजरात में विलय की मांग उठाई है। नासिक और नंदुरबार जिलों के सीमावर्ती क्षेत्र मुख्य रूप से आदिवासी हैं। राकांपा नेता ने कहा, हमने चार दिसंबर को पंगरने गांव में एक बैठक बुलाई है, जहां आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। उन्होंने दावा किया कि गुजरात के सीमावर्ती इलाकों में अच्छी सड़कें, बिजली आपूर्ति, पानी और परिवहन की सुविधाएं हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की तरफ अच्छी सड़कें नहीं हैं, 24×7 बिजली नहीं है और लोगों को हर साल पानी की कमी का सामना करना पड़ता। कोई सिंचाई परियोजना नहीं है। नतीजतन, खेती पूरी तरह से मानसून पर निर्भर करती है। लोग वर्षों से आजीविका के लिए पलायन कर रहे हैं। तहसीलदार को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि महाराष्ट्र सरकार को या तो विकास की कमी को पूरा करना चाहिए या इन गांवों को गुजरात में विलय करने की अनुमति देनी चाहिए। गावित ने कहा कि पानी की कमी हमारी मुख्य समस्या है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, हमारे तालुका में केवल एक फोसदी सिंचाई है। बोरगांव बांध को छोड़कर कोई बड़ी परियोजना नहीं है। लोग मानसून में खेती करते हैं और आजीविका कमाने के लिए निफाड़, चंदवाड़ और पिंपलगांव जैसी जगहों के लिए निकल जाते हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में बुनियादी ढांचे की कमी एक और मुद्दा है। 1971 में तत्कालीन सांसद हरिभाऊ महाले ने तीस बिस्तरों वाले ग्रामीण अस्पताल का उद्घाटन किया था। तबसे वहीं क्षमता बनी हुई है। न डॉक्टर हैं, न नर्स हैं और स्थिति दयनीय है। इसके विपरीत, गुजरात के वास्डा तालुका के धरमपुर में अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं हैं। उन्होंने यह भी बताया कि लो-वोल्टेज बिजली आपूर्ति के कारण लोग अपने सिंचाई पंप भी नहीं चला सकते हैं और मानसून में लगातार आठ दिनों तक बिजली नहीं आती है। गावित ने कहा कि कोई मेडिकल, इंजीनियरिंग कॉलेज और अन्य उच्च शिक्षा सुविधाएं भी नहीं हैं।

पृष्ठ एक का शेष

पूर्वोत्तर में सुखोई...

सिक्किम की भारतीय सीमा में चीनी ड्रोन्स की घुसपैठ रोकने के लिए असम के तेजपुर से भारत ने फाइटर जेट को स्क्रैम्बल किया है। फाइटर जेट के स्क्रैम्बल का मतलब इन विमानों को हमले अथवा संघर्ष के लिए कुछ ही मिनटों में तैयार करना होता है। राफेल लड़ाकू जेट को भी पश्चिम बंगाल में हाशिमारा के बहुत करीब तैनात किया गया है। भारतीय वायु सेना ने अभी केवल असम सेक्टर में एस-400 मिसाइल डिफेन्स सिस्टम के साथ अपनी वायु रक्षा कवरेज मजबूत की है। यह रूसी सिस्टम लगभग पूरे क्षेत्र में किसी भी हवाई खतरे का ध्यान रख सकता है। पूर्वोत्तर के रणनीतिक और सामरिक महत्व को देखते हुए भारतीय वायु सेना की असम के तेजपुर और छाबड़ा सहित कई स्थानों पर दमदार मौजूदगी है। इस साल की शुरुआत में लद्दाख सेक्टर में चीन की ओर से भारतीय हवाई क्षेत्र के उल्लंघन की कई घटनाएं हुई थीं, जिसके बाद दोनों पक्ष किसी भी हवाई वृद्धि को रोकने के लिए कई उपायों पर सहमत हुए थे। भारतीय पक्ष ने पिछली कमांडर स्तरीय सैन्य वार्ता में भी इस मुद्दे को मजबूती से उठाया था। बैठक में निर्णय लिया गया था कि दोनों पक्षों के लड़ाकू विमान अपने-अपने क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा से काफी पीछे रहेंगे। भारतीय वायु सेना ने लद्दाख के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में स्थापित कई नए राडार के साथ अपनी निगरानी क्षमताओं को भी उन्नत किया है।

चुकाफा का बृहद ...

विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि के गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया। सोनोवाल ने कहा कि आज असम दिवस के पवित्र अवसर पर हम असम में अहोम साम्राज्य के संस्थापक और महान एकीकरणकर्ता स्वर्गदेव चाउलुंग चुकाफा को अपनी सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। सोनोवाल ने कहा कि विभिन्न समुदायों को एकजुट करके बृहद असम समाज बनाने में इस महान दिवंगत आत्मा का बड़ा और अमूल्य योगदान है। असम के पूर्व मुख्यमंत्री फिलहाल बंदरगाह, जहाजरानी, जलमार्ग और आयुष के कैबिनेट मंत्री हैं। उन्होंने कहा स्वर्गदेव चुकाफा एकता, अच्छे शासन और बहादुरी के प्रतीक हैं जिनसे हर असमी व्यक्ति प्रेरणा लेता है और जिनके नेतृत्व में असमी समाज आत्म निर्भर हो गया है।

हिंदू गैरकानूनी तरीके ...

के फॉर्मूले को अपनाकर अपने बच्चों की 18-20 साल की उम्र में शादी करा देनी चाहिए। भाजपा का पलटवार- यह देश भगवान राम और सीता का है वहीं, एआईयूडीएफ अध्यक्ष और सांसद बदरुद्दीन अजमल के हिंदू महिलाओं पर बयान पर असम भाजपा विधायक डी कलिता ने कहा कि तुम मुसलमान हो और हम हिन्दू। क्या हमें आपसे सीखना है? यह भगवान राम और देवी सीता का देश है। यहां बांग्लादेशियों के लिए कोई जगह नहीं है। हमें मुसलमानों से सीखने की जरूरत नहीं है। ऐसी बातें कहकर आप अपनी मां और बहन पर आरोप लगा रही हैं। मैं इसकी निंदा करता हूं और आपको चेतावनी देता हूं कि ऐसा न करें अन्यथा बांग्लादेश जाएं और ऐसा करें। हिंदू इसे स्वीकार नहीं करेंगे। राजनीति के लिए इतना नीचे न गिरें। भाजपा पर हमला बोलते हुए बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि भाजपा सरकार मुस्लिमों को हर जगह अलग-थलग करने में लगी हुई है।

भारत जोड़ो यात्रा...

और कार्यकारी सदस्यों को एक पत्र जारी किया है। इस पत्र में कहा गया है कि एआईसीसी के महासचिव जितेंद्र सिंह और एपीसीसी अध्यक्ष बोरा चल रही भारत जोड़ो यात्रा में राज्य के कुछ पार्टी नेताओं की गैर-भागीदारी से संतुष्ट नहीं हैं। एपीसीसी के महासचिव (प्रशासन) रमन्ना बरुआ द्वारा जारी एक पत्र में कहा गया कि अगर कोई किसी कारण से यात्रा में भाग नहीं लेता है, तो उसे लिखित में एपीसीसी अध्यक्ष को सूचित करना होगा। एपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष जाकिर हुसैन सिकदर ने एएनआई को बताया कि पार्टी के कुछ नेताओं, कार्यकारी सदस्यों और जिला स्तर के नेताओं ने यात्रा में भाग नहीं लिया है। सिकदर ने कहा कि यात्रा 1 नवंबर को धुबरी से शुरू हुई और गुरुवार को गोलाघाट पहुंची। हम चाहते हैं कि यह मार्च सफल हो। हम एआईसीसी के महासचिव जितेंद्र सिंह के भी आभारी हैं कि उन्होंने हमारे मार्च की शानदार सफलता की कामना की। हम निगरानी करेंगे कि एपीसीसी के सभी नेता या कार्यकारी सदस्य इस यात्रा को सफल बनाने के लिए काम कर रहे हैं या नहीं। आने वाले दिनों में नई असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी बनेगी और हमारे नेता इन बातों का ध्यान रखें। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और लोकसभा सांसद राहुल गांधी की चल रही भारत जोड़ो यात्रा से प्रेरित, *भारत जोड़ो यात्रा, असम* का नेतृत्व बोरा कर रहे हैं, जिसमें राज्य के पार्टी नेता 70 दिनों में राज्य भर में 834 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करेंगे।

नशे से मरने वाले ...

यह युवा पीढ़ी के हित में लिया गया फैसला है। मस्जिद कमेटी के सदस्य ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई में सरकार के साथ हाथ मिलाना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। असम पुलिस ने पिछले साल हिमंत बिस्वा सरमा सरकार बनने के बाद से अब तक 550 करोड़ रुपए से अधिक की ड्रग्स जब्त की है। नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत 3,000 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं और 5,000 से अधिक ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि 100 किलोग्राम से अधिक हेरोइन, खांसी की दवाई की 2.7 लाख बोतलें, 39 लाख से अधिक वर्जित गोलियां कई अन्य प्रतिबंधित मादक पदार्थ जब्त किया गया है। मोरोल ने कहा कि पिछले एक साल में जुरिया में ड्रग्स से जुड़े कई मामले सामने आए हैं। पुलिस ने कई युवकों को गिरफ्तार किया है। वहीं फैसले को लेकर उन्होंने कहा कि यही एकमात्र समाधान नहीं है। समाज की भी कुछ जिम्मेदारियां होती हैं। हम युवाओं को इस तरह मरने नहीं दे सकते।

देश मोदी के नेतृत्व ...

होती है। हमारी सरकार गरीबों की समर्पित सरकार है। भारत की जनता के प्रति जवाब देह सरकार है। इस मौके पर भाजपा गया जिला के द्वारा मांग किया गया कि उज्जैन, बनारस और अयोध्या का जीर्णोद्धार कर कारिडोर का निर्माण कराया गया है। उसी प्रकार से गया जी के विष्णु पद मंदिर कारिडोर का निर्माण कराया जाय। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने सर्किट हाउस में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि गया भाजपा के मांग को भारत के जनप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के नजदीक अवश्य रखेंगे। अपने निजी कार्यक्रम के तहत आज गया के विष्णु पद मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद निर्मला सीतारमण ने गया सर्किट हाउस में भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात किया। भाजपा जिलाध्यक्ष धनराज शर्मा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता ने केंद्रीय वित्त मंत्री का भव्य स्वागत किया। उक्त अवसर पर पूर्व विधायक श्यामदेव पासवान, पूर्व जिलाध्यक्ष ललिता सिंह, पूर्व जिला उपाध्यक्ष इन्दू सहाय, भाजपा जिला उपाध्यक्ष कंचन सिन्हा, डॉ अनुज कुमार, नरेश चौधरी, जिला महामंत्री प्रशांत कुमार, गोपाल यादव, भाजपा जिला मिडिया प्रभारी युगेश कुमार, जिला मंत्री संतोष ठाकुर, किरण पाण्डेय, वंदना कुमारी, धर्मेंद्र यादव, शशांक मिश्रा, अमित लोहानी, दीपक पाण्डेय आदि उपस्थित थे।

अंडमान और निकोबार ...

सिंह, कंपनी हवलदार मेजर पीरू सिंह शेखावत, कैप्टन गुरबचन सिंह सलारिया, लेफ्टिनेंट कर्नल धनसिंह थापा, सूबेदार जोगिंदर सिंह, मेजर शैतान सिंह भाटी, हवलदार वीर अब्दुल हमीद, लेफ्टिनेंट कर्नल अर्देशिर बुर्जोरजी तारापोर, लांस नायक अल्बर्ट एक्का, कर्नल होशियार सिंह दहिया, सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल, फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों, मेजर रामास्वामी परमेश्वरन, कैप्टन बाना सिंह, कैप्टन विक्रम बत्रा, कैप्टन मनोज कुमार पांडे और सूबेदार मेजर संजय कुमार के नाम पर अन्य द्वीपों का नाम रखा गया है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के सांसद कुलदीप राय शर्मा ने इन द्वीपों का नाम वीर सैनिकों के नाम पर करने के बाद केंद्र के इस कदम का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि केंद्र सरकार ने हमारे वीर सैनिकों के सम्मान में अंडमान और निकोबार के 21 द्वीपों का नामकरण उनके नाम पर करने का निर्णय लिया।

छत्तीसगढ़ के सीएम ...

चौरसिया को गिरफ्तार किया गया है। रिमांड मांगने पर बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि लगातार जानकारी लेने के लिए बुला रहे हैं। अब पूछताछ करने को क्या बाकी रह गया जो रिमांड पर लेना चाहते है। फिलहाल कोर्ट मे अभी भी सुनवाई चल रही है। बता दें सौम्या चौरसिया को ईडी की टीम गिरफ्तार करने के बाद अस्पताल मे जांच कराने ले गई थी, जिसके बाद कोर्ट मे पेश किया। बता दें कि छत्तीसगढ़ में कोयला परिवहन घोटाले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुख्यमंत्री कार्यालय में सचिव सौम्या चौरसिया तथा रायगढ़ की कलेक्टर आईएएस रानू साहू को गिरफ्तार किया है। दोनों को मेडिकल चेकअप के लिए यहां आंबेडकर अस्पताल लाया गया था। अभी उन्हें ईडी की विशेष अदालत में पेश करने की तैयारी चल रही है। ईडी यहां 500 करोड़ रुपए के कोयला परिवहन घोटाले की जांच कर रही है। इस प्रकरण में एक आईएएस समीर बिश्नोई, घोटाले का मास्टर माइंड सूर्यकांत तिवारी समेत चार लोग जेल में हैं।

तीन मेट्रो शहरों ...

जे अमरनाथ को गिरफ्तार किया और उन्हें पीएमएलए स्पेशल कोर्ट के समक्ष पेश किया। इन सभी को 12 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। प्रवर्तन निदेशालय का कहना है कि उसने पीएमएलए के तहत चेन्नई, मुंबई, दिल्ली में पांच शेयर ब्रोकरेज और वित्तीय सेवा कंपनियों और उसके प्रमोटरों के कार्यालय और आवासीय परिसरों को कवर करते हुए 16 परिसरों की तलाशी ली है। तलाशी में 1.04 करोड़ रुपए नकद, सोने और हीरे के आभूषण जब्त किए गए हैं।

गुजरात में बनेगी ...

कांग्रेस वालों को आंदोलन की कोई चिंता ही नहीं रहती थी। आज भाजपा ने पाटण को जोधपुर से कनेक्ट कर दिया है। पाटण देश में सूर्यशक्ति की बड़ी क्रांति का केंद्र बन गया है। चाणस्का में देश का सबसे बड़ा सोलर प्लांट लगा है। आने वाले दिनों में पाटण ग्रीन हाइड्रोजन का मुख्यालय बनेगा। गाड़ियां पेट्रोल से नहीं ग्रीन हाइड्रोजन से चलेंगी। मोदी ने जनसभा में पिछले 20 वर्ष में गुजरात में हुए विकास कार्यों का उल्लेख किया। मोदी ने कहा कि हमारा प्रयास है कि हर परिवार, हर किसान सौर ऊर्जा से बिजली पैदा करे। सरकार इसके लिए सब्सिडी दे रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पर्यटन में गुजरात की अन्टैप्ट क्षमता को विकसित किया जा रहा है और इससे युवाओं के लिए रोजगार पैदा होगा। आणंद जिले के सोजित्रा में मोदी ने कहा कि पूर्व में कांग्रेस की फूट डालो की नीति के कारण गुजरात कमजोर हुआ। विकास के कई मामलों में राज्य पिछड़ने लगा था। इसका लाभ ऐसे लोगों ने उठाया जो राज्य की शांति-व्यवस्था के लिए बाधक थे। खंभात में अक्सर होने वाले सांप्रदायिक दंगों की उन्होंने चर्चा कर सवाल किया कि क्या इससे आणंद और खंभात बचता था। लोगों की एकता को तोड़ दिया गया था, लेकिन पिछले 25 साल से एकता के कारण भाजपा ने स्थिति बदली। चुनाव में एक-एक वोट का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा कि सरदार पटेल अहमदाबाद म्यूनिसिपालिटी के प्रमुख बने थे, लेकिन एक बार वे एक वोट से चुनाव हार गए थे। फिर सभी को पछतावा हुआ कि वे वोट देने गए होते तो सरदार पटेल प्रमुख बनते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने कभी भी सरदार पटेल को अपना नहीं माना।

अर्थ-व्यवस्था में ...

कहा कि आने वाले समय में न सिर्फ घरेलू जरूरतें पूरी करनी होंगी बल्कि निर्यात ऑर्डर भी प्रतिस्पर्धी आधार पर हासिल करने होंगे। रक्षा मंत्री ने कहा कि शिपयार्ड के शीर्ष प्रबंधन ने प्रतिस्पर्धी माहौल को अच्छी तरह समझा है। मुझे उम्मीद है कि अपने आप को बदलते हुए परिवेश में ढालने की कोशिश जारी रख कर सफलता हासिल करेंगे। आगे कहा कि नौसेना और तटरक्षक बल की मजबूती तभी संभव है, जब हम उन्हें अत्याधुनिक जहाज एवं हथियारों दिए जाए। इस दिशा में हमारे शिपयार्ड अहम भूमिका निभा रहे हैं। केंद्रीय रक्षा मंत्री ने कहा कि मुंबई स्थित डिफेंस शिपयार्ड नौसेना और कोस्ट गार्ड को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिपयार्ड न केवल समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करता है, बल्कि सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली सामग्री भी उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा कि रक्षा शिपयार्ड राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल को लगातार मजबूत कर रहा है। 14 अगस्त 2020 को स्वदेशीकरण को प्रोत्साहन देने के लिए सृजन पोर्टल शुरू किया गया। 30 सितंबर 2022 तक इस सृजन पोर्टल में शिपयार्ड के 783 आईटम है जो पहले स्वदेशी डीलर उपलब्ध न होने की वजह से आयात किए गए थे। शिपयार्ड इस सूची की 73 वस्तुओं का स्वदेशीकरण करने में सफल रहा है। शेष वस्तुओं का निजी उद्योगों के सहयोग से स्वदेशी करण करने के प्रयास प्रगति पर है। राजनाथ सिंह ने कहा कि इस तरह डिफेंस शिपयार्ड ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को भी साकार किया है।

नस्लवाद का ...

उन्होंने कहा कि शाही महल से जुड़े मामले में मेरे लिए टिप्पणी करना उचित नहीं है। हालांकि, हमने देखा कि उन्होंने जो घटित हुआ उसे स्वीकार किया और उसके लिए माफी मांगी। सुनक भारतीय मूल के मात पिता के ब्रिटेन में जन्मे संतान हैं। उनसे जब पूछा गया कि वह लंदन से संचालित धर्मार्थ संस्था सिस्ताह स्पेस की संस्थापक नगोजी फुलानी और दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की करीबी लेडी सुजैन हसे से संबंधित घटना की जानकारी होने पर वह कैसा महसूस करते हैं तो सुनक ने बताया किमैंने इस बारे में पहले भी बात की है, मैंने अपनी जिंदगी में नस्लवाद का अनुभव किया है; लेकिन मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि जो मैंने बाल्य व युवा अवस्था में अनुभव किया, मैं मानता हूं कि अब लोग अनुभव नहीं करते क्योंकि हमारे देश ने नस्लवाद से निपटने के लिए उल्लेखनीय प्रगति की है। सुनक ने कहा किलेकिन काम खत्म नहीं हुआ है और इसलिए जब हम इसे देखते हुए उसका जरूर विरोध करते हैं। यह सही है कि हम लगातार सबक सीखते हैं और बेहतर भविष्य के लिए आगे बढ़ते हैं। नस्लवाद का मामला इस सप्ताह उस समय सार्वजनिक हुआ जब फुलानी ने खुलासा किया कि महारानी कैमिला द्वारा महनं में आयोजित भोज के दौरान लेडी हसे ने उनके पास आकर नाम का बैज देखने के लिए बाल हटाया। इसके बाद उनसे पूछा कि *अफ्रीका के किस हिस्से* से वह आई हैं जिसके बाद उन्होंने कई बार बताया कि वह ब्रिटिश हैं। केनसिंग्टन पैलेस के प्रवक्ता ने पूरे प्रकरण पर सफाई देते हुए सवांददाताओं से कहा कि प्रिंस ऑफ वेल्स विलियम और प्रिंसेज ऑफ वेल्स केट का मानना है कि टिप्पणी *अस्वीकार्य* है और' नस्लवाद की हमारे समाज में कोई जगह नहीं है।

बस्तर में खदान ...

एक प्रकार का चूना पत्थर होता है। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद अन्य ग्रामीणों ने उन्हें बचाने की कोशिश की और इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल के लिए पुलिस दल रवाना किया गया और बचाव कार्य शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि अभी तक इस घटना में सात लोगों की मौत हुई है। उनके अनुसार बचाव कार्य के दौरान पुलिस ने पांच शव बरामद किए जबकि दो लोगों की मौत इलाज के दौरान अस्पताल में हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा मामले की जांच की जा रही है। उनके अनुसार घटनास्थल में बचाव कार्य जारी है।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **पंचम अध्याय**

(आनन्द)

लाते मारा राज को, फटका मारा भोग।
बवला बनि वन वन फिरै, कौन चाह सुख भोग॥ 19॥

शब्दार्थ : (फटका) त्याग, छोड़ना (बवला) उन्मत्त।

भाष्य : कौन सुख के भोग की इच्छा से राज्य-सुख को लात मारक अर्थात तिरस्कार क एवं समस्त भोगों को छोड़कर उन्मत्त बनकर वन-वन में घूम रहे हैं?

महिलमा महल महान सुख, रंग राज छजि साज।
सो कर टुकड़ा माँगते, कवने सुख तज राज॥ 20॥

शब्दार्थ : (महिला) स्त्री (महल) निवास (छजि) सुंदरता (राग) भोग (साज) सुसज्जित (टुकड़ा) अंश, टूक।

भाष्य : जिसे सुंदर स्त्री और ह्रह का महान सुख प्राप्त है एवं भोग, राग और श्रृंगार, हरेक प्रकार से पूर्ण हैं, वे किस सुख की प्राप्ति के लिए इन राज्य-सुखों को त्यागकर टुकड़ा मांगते फिरते हैं।

एएसटीसी महानगर में अगले साल से चलाएगी सीएनजी बसें

गुवाहाटी (विभास)। असम राज्य परिवहन निगम (एएसटीसी) कथित तौर पर अगले साल से गुवाहाटी शहर में संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) बसों को संचालित करने के लिए तैयार है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुवाहाटी स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत एएसटीसी द्वारा सीएनजी बस प्रोजेक्ट लागू किया जाएगा। इससे पहले असम सरकार ने गुवाहाटी शहर में 100 से अधिक सीएनजी बसें शुरू करने के अपने निर्णय की घोषणा की थी। नियत प्रक्रिया का पालन करते हुए, टाटा मोटर्स ने कथित तौर पर असम में 68 सीएनजी बसें भेजी हैं जबकि अन्य 32 के जल्द ही राज्य में आने की संभावना है। विशेष रूप से नई बसों के लिए गुवाहाटी,असम में दो सीएनजी फाइलिंग स्टेशन-आईएसबीटी और उलुबाड़ी में स्थापित किए गए हैं। असम सरकार गुवाहाटी में डीजल से चलने वाली सिटी बसों को बिजली और सीएनजी (कंप्रेस्ड नेचुरल गैस) से चलने वाली बसों से बदलने पर विचार कर रही है। अगस्त 2021 में असम कैबिनेट ने कुल 200 इलेक्ट्रिक बसें और 100 सीएनजी बसें खरीदने की घोषणा की, जो अंतत: गुवाहाटी में एएसटीसी की डीजल से चलने वाली सिटी बसों की जगह लेंगी। सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने अगस्त 2021 में कहा था, असम सरकार गुवाहाटी में वर्तमान सिटी बसों को केवल इलेक्ट्रिक और सीएनजी बसों से बदलने की योजना बना रही है। एएसटीसी डीजल से चलने वाली सिटी बसों का संचालन बंद कर देगी। सरमा ने कहा, हमारा लक्ष्य गुवाहाटी में डीजल से चलने वाली बसों को पूरी तरह से इलेक्ट्रिक और सीएनजी बसों से बदलना है, जिस दिन यह सरकार एक साल पूरा करेगी।

लोगों ने चार मवेशियों को पकड़कर पुलिस को सौंपा

धुबड़ी (हि.स.)। पुलिस प्रशासन की कड़ी मुश्तैदी के बावजूद राज्य में मवेशियों की तस्करी का धंधा जारी है। इस कड़ी में धुबड़ी जिला के चापर थानांतर्गत बहालपुर के आयरमारी में रात स्थानीय लोगों ने तस्करों के चंगुल से चार मवेशियों को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया है कि बीती रात के अंधेरे का फायदा उठाकर मवेशी तस्कर आयरमारी और राखलठाकुर पहाड़ियों से मवेशियों की तस्करी करने में जुटे थे। इसी दौरान स्थानीय लोगों ने तस्करों का पीछा कर चार मवेशियों को पकड़ लिया, हालांकि, तस्कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मवेशियों को अपने कब्जे में लेकर थाने ले गई। साथ ही इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दिया है।

असम पुलिस के 3 हजार कर्मियों को ट्रेनिंग देगी भारतीय सेना

गुवाहाटी (विभास)। भारतीय सेना असम में अफ्सपा के वापसी के बाद अब पुलिस के 3,000 से अधिक अधिकारियों के लिए ट्रेनिंग सेशन आयोजित करेगी। इस संबंध में सेना के 4 कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल डीएस राणा ने दी। जनरल राणा ने कहा कि अफ्सपा की वापसी के बाद नॉर्थ ईस्ट में शांति और सामान्य स्थिति लौट रही है। हालांकि, शांति बनाए रखना पुलिस की जिम्मेदारी है और इसे देखते हुए ट्रेनिंग के कॉन्सेप्ट के बारे में सोचा गया है। गौरतलब है कि, अफ्सपा अधिनियम, 1958 को भारत की संसद में एक अधिनियम के रूप में पारित किया गया था। यह कानून देश के अशांत क्षेत्रों में सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों को विशेष अधिकार देता है। पिछले कई दशकों से, नॉर्थ ईस्ट भी कई अलगाववादी गुटों की उग्रवादी गतिविधियों से जूझ रहा था। हालांकि, उन्हें या तो निष्प्रभावी कर दिया गया या राज्यों के सहयोग से केंद्र सरकार ने एक समाधान के साथ वर्षों के संघर्ष को समाप्त करते हुए उनके साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। असम पुलिस के अधिकारियों के लिए होने वाले ट्रेनिंग सेशन के बारे में जानकारी देते हुए, लेफ्टिनेंट जनरल राणा ने रिपब्लिक के साथ विशेष रूप से बात की। ले. जनरल राणा ने कहा कि सशस्त्र बल विशेष अधिनियम कई जगहों से बाहर जा रहा है, जो बहुत ही सुखद स्थिति है। इस शांति को बनाए रखने के लिए पुलिस की जिम्मेदारी बढ़ जाती है, इसलिए यह पुलिस की क्षमता बढ़ाने वाला कदम है। ट्रेनिंग की विशेषताओं और टाइमिंग के बारे में और बताते हुए, ले. जनरल राणा ने बताया, यह 40 हफ्ते की ट्रेनिंग शेड्यूल है, जो हम कर रहे हैं। इसमें हमारे पास बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण होगा, जिसमें सैन्य प्रदर्शन, शारीरिक फिटनेस और हथियारों से निपटने की मूल बातें शामिल होंगी। दूसरे एडवांस सैन्य ट्रेनिंग में, जो 25 हफ्ते का है, इसमें एक उग्रवाद-विरोधी अभियान, विशेष अभियान और पुलिसिंग के पहलू भी होंगे, जो पुलिस ट्रेनरों कवर करेंगे।लेफ्टिनेंट जनरल राणा ने कहा कि जहां आंतरिक सुरक्षा को संभालने में सेना की सेकेंड्री भूमिका होती है, वहीं राज्य पुलिस को स्थानीय सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान राज्य पुलिस की क्षमता में सुधार करना है, ताकि सेना को पारंपरिक कार्य के लिए पूरी तरह से समर्पित किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण आठ ट्रेनिंग सेंटर में आयोजित किया जाएगा और कई पूर्व सैनिकों को भी प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए प्रशिक्षक के रूप में शामिल किया गया है।

भारी मात्रा में म्यांमार की लकड़ी ले जा रहा कंटेनर जब्त

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के वशिष्ठ थाना क्षेत्र के जोराबाट पुलिस चौकी की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर भारी मात्रा में म्यांमार से तस्करी के जरिए लायी गई कीमती लकड़ी समेत एक कंटेनर को जब्त किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बीती रात पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान मेघालय की ओर से आ रहे कंटेनर (यूपी-21बीएन-3071) की तलाशी ली गई। कंटेनर के भीतर बड़ी चतुराई से बांस के टुकड़े के नीचे भारी मात्रा में सागौन की लकड़ी छिपाकर लाई जा रही थी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि जब्त की गई लकड़ी को मेघालय होते हुए हरियाणा ले जाया जा रहा था। इस मामले में ट्रक चालक नसीम बाबू (वासना, मुजफ्फरनगर, यूपी) को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपित लकड़ी कहां से लाया और कहां ले जा रहा था फिलहाल पुलिस को नहीं बता रहा है। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि जब्त की गई लकड़ी को म्यांमार से लाया गया था। जिसकी कीमत लाखों रुपए आंकी गई है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

आईआईटी, गुवाहाटी के छात्र को 2.5 करोड़ का पैकेज, संस्थान के इतिहास का सबसे बड़ा जॉब ऑफर

गुवाहाटी (विभास)। आईआईटी-गुवाहाटी के एक बीटेक छात्र को गुरुवार को 2.4 करोड़ रुपए के पैकेज का ऑफर मिला है। यह ऑफर उसे एक मल्टिनैशनल कंपनी में मिला है। अधिकारियों ने बताया कि 2.4 करोड़ (सीटीसी) का पैकेज मिलना संस्थान के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। संस्थान के इतिहास में पहली बार है जब किसी छात्र को 2.5 करोड़ रुपए का पैकेज ऑफर हुआ। यह आज तक का यह सबसे बड़ा पैकेज है। इसके अलावा दो अन्य बीटेक छात्रों को 1.1 करोड़ रुपए पैकेज का भी ऑफर है, जो खुद में बड़ी बात है। छात्रों को करोड़ों रुपए के पैकेज का ऑफर आईआईटी गुवाहाटी के वार्षिक कैंपस प्लेसमेंट में मिला है। सेंटर फॉर करियर डेवलपमेंट, आईआईटी गुवाहाटी के प्रमुख अभिषेक कुमार ने बताया कि कंपनी के अधिकारी और छात्र महामारी के कारण दो साल के अंतराल के बाद आमने-सामने मिलने को लेकर उत्साहित हैं। इस साल कुल 1269 छात्रों और 264 कंपनियों ने प्लेसमेंट के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। ये कंपनियां कुल 470 छात्रों की भर्तियां करेंगी। इस साल के आईआईटी गुवाहाटी कैंपस प्लेसमेंट के लिए 78 स्टार्ट-अप्स ने भी पंजीकरण कराया है। आईआईटी गुवाहाटी कैंपस प्लेसमेंट के पहले दिन 46 कंपनियों ने कुल 168 ऑफर दिए। 2022-23 शैक्षणिक वर्ष में, 1,269 छात्रों ने विभिन्न धाराओं में प्लेसमेंट के लिए पंजीकरण कराया है। अभिषेक ने कहा कि हम दो साल बाद आईआईटी-गुवाहाटी परिसर में भौतिक रूप से कंपनियों की मेजबानी करने के लिए वास्तव में उत्साहित हैं। अभिषेक ने बताया कि हमने प्लेसमेंट ड्राइव के सत्र 1.1 और 1.2 में प्रगतिशील परिणाम दर्ज किए हैं। मुझे यकीन है कि अंतिम परिणाम संस्थान के लिए नई ऊंचाइयों को छुएंगे। आईआईटी गुवाहाटी के निदेशक प्रोफेसर टीजी सीताराम ने कहा कि अंतिम सत्र, 1.3, शाम 4 बजे शुरू हुआ और आधी रात तक समाप्त हुआ। आईआईटी-त्र में प्लेसमेंट का पहला चरण 15 दिसंबर तक जारी रहने की उम्मीद है।

रंगिया में तीन शातिर चोर गिरफ्तार

रंगिया (निसं)। कई दिनों से रंगिया नगर में चोरी की घटना को अंजाम दे रहे तीन शातिर चोरों को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल कर ली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रंगिया के मुरारा अंचल में यह तीनों चोर एक निर्माणाधीन मकान को अपना निशाना बना रहे थे। तभी उसी समय अंचल के लोगों ने हल्ला-गुल्ला कर उन्हें खदेड़ते हुए एक को पकड़ लिया तथा उसे पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं बाकी दो चोरों को बाद ने पुलिस ने पकड़ लिया। पकड़े गए चोर क्रमश: रंगिया वार्ड नं 7 स्थित आर एम एस कॉलोनी का मून हाजोरिका, काजीगांव का रुबुल अली, बाईहाटा चाराली के मांदाकाटा का चिंटू आहमेद बताया गया है। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए चोरों के पास से चोरी की कई सामग्रियां बरामद की है। पुलिस द्वारा तीनों से गहन पूछताछ की जा रही है।

कामाख्या मंदिर सहित सात स्थानों पर लायंस उमंग का मधुमेह जांच शिविर

गुवाहाटी (विभास)। तेजी से बढ़ते मधुमेह की रोकथाम के लिए लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से पिछले एक महीने से महानगर के अलग अलग स्थानों पर जांच एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में पिछले तीन दिनों में लायंस उमंग के तत्वावधान में सात अलग अलग स्थानों पर मधुमेह जांच व जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया, जिसका लाभ बड़ी संख्या में लोगों ने लिया। इस सिलसिले में क्लब की जनसंपर्क अधिकारी आरुषी गर्ग सोनी ने बताया कि अध्यक्ष सीमा सोनी के नेतृत्व में पिछले 30 दिनों से मधुमेह जांच व जागरूकता अभियान जारी हैं। हालही में आयोजित सात शिविरों में से पहला शिविर संयोजिका आरुषी गर्ग सोनी की देख-रेख में हातीगांव स्थित वृद्धाश्रम में किया गया। दूसरा कार्यक्रम संयोजिका रचना केजरिवाल की देख-रेख में ज्योतिकुची स्थित एमआरवी ओटोमेट्स व कामरूप मील कांप्लेक्स में किया गया जहां मनोज जैन व संजय गुप्ता का सहयोग मिला। तीसरा शिविर कार्यक्रम संयोजिका टीना अग्रवाल की देख-रेख में होटल विश्व रत्न में, चौथा शिविर कार्यक्रम संयोजिका संतोष मिंडा की देख-रेख में कामाख्या मंदिर, पांचवा शिविर कार्यक्रम संयोजिका मिताली सुराणा की देखरेख में आदाबाड़ी स्थित चिराग एनफिल्ड के वर्कशॉप में किया गया, जहां पर संजय गुप्ता का सहयोग मिला। छठा शिविर कार्यक्रम संयोजिका रेखा जालान की देखरेख में गौरीपुर स्थित जीएम प्लास्टिक में महेश मित्तल व नीरज गोयनका के सहयोग से किया गया। वहीं सातवां शिविर कार्यक्रम संयोजिका नमिता अग्रवाल की देखरेख में जीनस पावर इंफ्रास्टाक्चर लि. में किया गया। इन सभी शिविरों को सफल बनाने में कार्यक्रम संयोजिकाओं के अलावा लायंस जिलापाल द्वितीय सीमा गोयनका, क्लब की अध्यक्ष सीमा सोनी, सचिव कंचन पोद्दार, कोषाध्यक्ष कुसुम जैन, संगीता बड़जात्या, प्रभा बुड़ाकिया, सविता गोयल, संगीता मित्तल, सुजाता जैन सहित अन्य सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा।

प्रधानमंत्री आवास योजना में भ्रष्टाचार का आरोप

मोरीगांव (हि.स.)। मोरीगांव जिला के लाहरीघाट विकास खंड के बोवालगुड़ी ग्राम पंचायत में पीएमएवाईजी योजना के सैकड़ों लाभार्थियों के पंचायत कर्मचारियों के एक वर्ग पर धन की हेराफेरी करने का आरोप लगा है। स्थानीय लोगों ने उन कर्मचारियों के विरूद्ध जमकर विरोध प्रदर्शन किया जिन्होंने गरीब लाभार्थियों के पैसे का गबन किया है। प्रदर्शनकारियों ने गरीब लाभार्थियों के पैसे का गबन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए नारेबाजी की। गौरतलब है कि पीड़ित लाभार्थियों ने पंचायत के अंतर्गत पीएमएवाईजी कर्मियों के जॉब कार्ड के पैसे को पंचायत के कर्मचारियों के द्वारा लाभार्थी के बैंक खाते के बजाय अज्ञात बैंक खातों का उपयोग करके लाखों रुपए का गबन किया है। पीड़ितों ने घटना के संबंध में लाहरीघाट पुलिस थाने में एक प्राथमिकी दर्ज करायी है। पुलिस इस मामले की जांच में जुटी हुई है।

बाइक, आईफोन और फिरौती : पिता से ही मांग बैठा 50 लाख

गुवाहाटी। ऊपरी असम के जोरहाट जिले में पिता से 50 लाख रुपए फिरौती मांगने वाले आरोपी बेटे को पुलिस ने पकड़ लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी बेटे ने अपने शौक को पूरा करने के लिए अपहरण की साजिश रची थी। वहीं बाद में मामला बिगड़ता देख बेटे ने फिरौती की रकम को घटाकर 5 लाख रुपए कर दिया। पुलिस ने मामले में तहकीकात करते हुए आरोपी बेटे को दोस्त के साथ रिसॉर्ट में पकड़ लिया। परिवार वालों का कहना है कि लड़का पहले भी इस तरह की अपहरण वाली साजिश रच चुका है। असम पुलिस ने बताया कि आरोपी बेटे ने बाइक और आईफोन खरीदने के लिए पूरा ड्रामा रचा था। जिसके चलते बीते गुरुवार को 17 वर्षीय युवक ने अपने अपहरण का नाटक किया और पिता से 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी। जोरहाट के एसपी मोहन लाल मीणा ने कहा कि युवक ने अपने एक दोस्त के साथ मिलकर अपने कारोबारी पिता से पैसे ऐंठने के लिए अपहरण की साजिश रची। मीना ने कहा कि लड़के के पिता और चाचा से बात करने पर पता चला कि किशोर ने आईफोन और बाइक खरीदने के लिए पहले भी इसी तरह के अपहरण की योजना बनाई थी। जोरहाट के एसपी मोहन लाल मीणा ने कहा कि हमने स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज की जांच की। जिसमें दिखा कि लड़का और उसका दोस्त वहां एक बाइक पार्क कर रहे थे और दूसरी बाइक से जा रहे थे। फुटेज में अपहरण का जैसा कोई सुराग नहीं मिला। एसपी ने कहा कि हमें यकीन था कि यह अपहरण का मामला नहीं हो सकता है। जब पुलिस ने जांच की तो पाया कि किशोर ने अपने मोबाइल नंबर से ही पिता को फोन किया था। एसपी ने कहा कि आमतौर पर अज्ञात नंबरों से फिरौती के कॉल आते हैं। लड़के की तलाश में जुटी पुलिस ने जोरहाट बाईपास पर एक रिसॉर्ट में उसका नंबर ट्रेस किया। युवक वहां एक पार्टी में थे और लड़के को गिरफ्तार कर लिया गया। एसपी ने कहा कि जन्म प्रमाण पत्र के माध्यम से उनकी उम्र की पुष्टि होने के बाद उन्हें बाल सुधार गृह भेजा जाएगा या नहीं इस पर फैसला किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लड़कों ने निहित स्वार्थों को पूरा करने के लिए नाटक रचा और पुलिस का कीमती समय बर्बाद किया।

हिंदी साहित्य संगठन, विश्वनाथ जिला इकाई का पुरस्कार वितरण समारोह

विश्वनाथ (निसं)। हिंदी साहित्य संगठन विश्वनाथ जिला इकाई के सौजन्य के द्वारा आज राष्ट्रीय विद्यालय आमबाड़ी में प्रमाण पत्र व पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसका अध्यक्षता विश्वनाथ महाविद्यालय के हिंदी विभाग की अध्यापिका गीता वर्मा ने की। सर्वप्रथम जिला इकाई के पर्यवेक्षक व हिंदी सेवी संतोष कुमार महतो के संचालन में जिला इकाई के प्रशासनिक प्रबंधक व अध्यापिका सैयदा आनोवारा खातुन ने सभा का उद्देश्य व्याख्या किया। इसके बाद जिला इकाई के कोषाध्यक्ष व शिक्षक शुधन साहनी ने हिंदी साहित्य संगठन के मुख्य कार्यालय बंगाईगांव द्वारा आयोजित ऑनलाइन स्वरचित कविता लेखनऔरप्रश्नोत्तरीप्रतियोगिता में विश्वनाथ के विजेता को शुभकामनाएं दी और हिंदी साहित्य संगठन से जुड़ने की अपील की। हिंदी सेवी संतोष कुमार महतो ने हिंदी साहित्य संगठन की सराहना करते हुए कहा हमारे लिए बहुत ही गौरव की बात है। हिंदीभाषी जनता के बीच हिंदी के स्वैच्छिक संस्थान हिंदी के बीच काफी कार्यक्रम कर रहा है। सभी को हिंदी साहित्य में लेखन कार्य करने के लिए प्रोत्साहित वक्तव्य दिया। तत्पश्चात केंद्रीय समिति द्वारा आयोजित ऑनलाइन स्वरचित कविता के विजेता क्रमश: दूसरा स्थान प्राप्त जन्नत कौसर पारवीन, तीसरा स्थान प्राप्त रोशन साहनी और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विजेता क्रमश: दूसरा स्थान प्राप्त निशु राय, तीसरा स्थान प्राप्त राजकुमार देव को प्रमाण पत्र और पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस मौके जिला इकाई के प्रबंधक सैयदा आनोवारा खातुन ने स्वरचित कविता का पाठ की और विद्यार्थी को हिंदी भाषा के लिए आगे आने के लिए कहा। अंत में पुरस्कार वितरण समारोह के अध्यक्षा गीता वर्मा ने हिंदी साहित्य संगठन की सराहना की और सभी को धन्यवाद के समारोह का समापन किया गया।

रंगिया : भारतीय सेना ने किया पूर्व सैनिकों का सम्मान

रंगिया (निसं)। भारतीय सेना ने पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, विधवाओं और उनके परिवारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को उजागर करने के लिए 02 दिसंबर 2022 को रंगिया स्टेडियम प्रांगण में पूर्व सैनिकों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए एक विशाल रैली सफलता के साथ आयोजित की। इस रैली में निचले असम के जिलों से 1800 से अधिक पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों सहित स्थानीय लोगों ने भाग लिया। इस मौके पर लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता, जीओसी इन सी, ईस्टर्न कमांड ने प्रतिभागियों को एक पूर्व रिकॉर्डेड वीडियो के माध्यम से संबोधित किया और राष्ट्र के लिए उनके योगदान पर आभार व्यक्त किया। तथा पूर्व सैनिकों को भारतीय सेना के निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया। इस आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप में जीओसी, गजराज कॉप्स, लेफ्टिनेंट जनरल डीएस राणा और कई अन्य सैन्य और नागरिक गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के साथ बातचीत करने के लिए उपस्थित रहे। बताया गया है कि हमेशा अपनो के साथ के अपने आदर्श वाक्य के साथ रैली का उद्देश्य अधिक से अधिक दिग्गजों और पुराने साथियों के परिवारों तक पहुंचना, कल्याणकारी योजनाओं, चिकित्सा प्रावधानों और नौकरी प्लेसमेंट से संबंधित विभिन्न मुद्दों के बारे में उनकी समस्याओं का समाधान करना था। कार्यक्रम की शुरुआत वीर नारियों और वीर माताओं के सम्मान के साथ हुई। इसके अलावा पुनर्वास और पेंशन संबंधी मुद्दों से संबंधित विभिन्न पहलुओं को संबोधित करने के लिए पीसीडीए (पेंशन), इलाहाबाद और सेना कल्याण प्लेसमेंट संगठन के अधिकारियों को आमंत्रित किया गया था। इस रैली के हिस्से के रूप में स्वास्थ्य और दंत चिकित्सा शिविर भी आयोजित किया गया था, जहां जरूरतमंदों को चिकित्सा ध्यान और दवाएं प्रदान करने के लिए नागरिक प्रशासन और सेना दोनों के विभिन्न विशेषज्ञों को प्रतिनियुक्त किया गया था। भारतीय सेना ने जयपुर स्थित एक गैर सरकारी संगठन, भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के सहयोग से विकलांग पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को कृत्रिम अंग, व्हीलचेयर, बैसाखी और लाठी प्रदान की गई। जिसके लिए गत 21 नवंबर 2022 को दरंगा मेले में डॉक्टरों की एक टीम द्वारा आयोजित एक तैयारी शिविर में पहले उनका माप लिया गया था। भूतपूर्व सैनिकों के आश्रितों को रोजगार उपलब्ध कराने के प्रयास में सुनिश्चित रोजगार के साथ कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम में नामांकन भी आयोजित किया गया। आयोजन के दौरान पेंशन/बैंकिंग संबंधी मुद्दों के समाधान के लिए विभिन्न राष्ट्रीयकृत बैंकों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। इसके अलावा, किसानों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नागरिक प्रशासन, कामरूप (ग्रामीण) के सहयोग से किसान मेले का भी आयोजन किया गया था। पूर्व सैनिक समुदाय को संबोधित करते हुए लेफ्टिनेंट जनरल डीएस राणा ने अपनी सेवानिवृत्त बिरादरी के साथ भारतीय सेना की एकजुटता का संकल्प लिया और सभा को आश्वासन दिया कि सेना उनकी जरूरतों के प्रति संवेदनशील है और यह सुनिश्चित करने के लिए हर कदम उठाएगी कि पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके परिवारों की देखभाल की जाए। उन्होंने हर समय गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा, गरिमा और समस्या-समाधान सेवा प्रदान करने के सेना के लक्ष्य को भी दोहराया। उन्होंने पूर्व सैनिकों द्वारा प्रदर्शित सौहार्द और उत्साह की सराहना की और राष्ट्र की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान और बलिदान की सराहना की। एक छत के नीचे रक्षा और नागरिक एजेंसियों का संयुक्त मंच आज का मुख्य आकर्षण रहा। वहीं इस मौके पर पूर्व सैनिकों ने उनकी पेंशन, भत्तों से संबंधित विभिन्न मुद्दों को हल करने और सभी कल्याणकारी योजनाओं को एक ही कार्यक्रम में लाने के प्रयास में सेना के प्रयासों की सराहना की।

वायु सेना देश की पहली एंटी रेडिएशन मिसाइल 'रुद्रम' के अधिग्रहण को तैयार

- सरकार को 1400 करोड़ रुपये का प्रस्ताव भेजा, उच्च स्तरीय समिति जल्द लेगी फैसला
- लड़ाकू विमान सुखोई-30 एमकेआई के साथ पहले ही परीक्षण कर चुकी है वायु सेना

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय वायु सेना देश की पहली स्वदेशी एंटी रेडिएशन मिसाइल रुद्रम को अपने हथियारों के खजाने में शामिल करने के लिए तैयार है। वायु सेना ने इस बाबत केंद्र सरकार को 1400 करोड़ रुपये का प्रस्ताव भेजा है। उन्नत मिसाइलों के अधिग्रहण प्रस्ताव पर रक्षा मंत्रालय की उच्च स्तरीय समिति जल्द ही विचार करेगी। इस मिसाइल को डीआरडीओ ने विकसित किया है, जिसका लॉन्चिंग प्लेटफॉर्म के रूप में लड़ाकू विमान सुखोई-30 एमकेआई के साथ पहले ही परीक्षण किया जा चुका है। चीन और पाकिस्तान की सीमा पर तनाव को देखते हुए भारतीय वायुसेना भी अपनी ताकत में इजाफा कर रही है। इसी क्रम में भारतीय वायु सेना 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत विकसित की गई देश की पहली स्वदेशी एंटी रेडिएशन मिसाइल रुद्रम को अधिग्रहण करने की तैयारी कर रही है। इस बाबत वायु सेना ने सरकार को 1,400 करोड़ रुपये से अधिक का प्रस्ताव भेजा है। वायु सेना ने इस मिसाइल का परीक्षण लड़ाकू विमान सुखोई-30 एमकेआई के साथ लॉन्चिंग प्लेटफॉर्म के रूप में किया है। इसे सुखोई-30 और मिराज-2000 जैसे लड़ाकू विमानों से दागा जा सकता है। इसे राडार सिस्टम को ट्रैक करने की क्षमता के साथ विकसित किया गया है। राडार सिस्टम के काम न करने पर भी यह मिसाइल बेहद सटीकता के साथ हमला कर सकती है। रक्षा अधिकारियों ने इस प्रस्ताव के बारे में बताया कि स्वदेशी उन्नत मिसाइलों के अधिग्रहण का प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय के पास है। जल्द ही एक उच्च स्तरीय बैठक में इस पर विचार किया जाएगा। अगली पीढ़ी की विकिरण रोधी मिसाइल युद्ध के दौरान दुश्मन के रडार स्थानों को नष्ट कर सकती है। भारत में बनाई गई ये अपनी तरह की पहली मिसाइल है, जिसे किसी भी ऊंचाई से दागा जा सकता है। मिसाइल किसी भी तरह के सिग्नल और रेडिएशन को पकड़ने में सक्षम है। साथ ही अपनी रडार में लाकर ये मिसाइल नष्ट कर सकती है। इसकी गति दो मैक या ध्वनि की गति से दोगुनी है।

इसमें लगा पैसिव होमिंग हेड एक विस्तृत बैंड पर लक्ष्य का पता लगाने, वर्गीकृत करने और लक्ष्य को इंगेज करने (उलझाने) में सक्षम है। डीआरडीओ ने एक बयान में कहा है कि देश ने दुश्मन के राडार, संचार साइटों और अन्य लक्ष्यों को बेअसर करने के लिए लंबी दूरी की हवा से प्रक्षेपित एंटी-रेडिएशन मिसाइल विकसित करने की स्वदेशी क्षमता हासिल कर ली है। इससे भारतीय वायु सेना को लड़ाकू विमानों के लिए सामरिक क्षमता मिलेगी। यह मिसाइल किसी भी तरह के सिग्नल और रेडिएशन को पकड़ने में सक्षम है। इसका इस्तेमाल ऊंचाई से लॉन्च करके दुश्मन के निगरानी रडार, ट्रैकिंग और संचार प्रणालियों को नष्ट करने के लिए किया जा सकता है। मिसाइल का निर्माण भारत डायनामिक्स लिमिटेड और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड संयुक्त रूप से करेंगे।

महाराष्ट्र के चंद्रपुर और सिंधुदुर्ग जिले में सोने की दो खान : एकनाथ शिंदे

मुंबई, (हि.स.)। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र के चंद्रपुर और सिंधुदुर्ग जिले में सोने की दो खान मिली है। सीएम शिंदे ने कहा कि इसकी जानकारी उन्हें केंद्रीय अधिकारियों ने दी है। अगर इन सोने के दो ब्लॉक से यह सोना निकल आता है तो यह प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। शिंदे ने यह भी विश्वास जताया कि राज्य में खनन क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं। गढ़चिरौली जैसे दूरस्थ क्षेत्र में देश की सबसे बड़ी इस्पात परियोजना शुरू की जा सकती है। एकनाथ शिंदे ने मुंबई के होटल ताज में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा विदर्भ के चंद्रपुर जिले में बड़ी संख्या में कोयले की खान हैं। इसके अलावा, दस साल पहले किए गए एक शोध में पता चला है कि गोंदपिपारी तहसील के भूमिगत भाग में कीमती प्लेटिनम, सोना और रूथेनियम, रेडियम, इरडियम जैसी दुर्लभ धातुएं हैं। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों की ओर से 2007 और 2010 के बीच इन तहसीलों में किए गए एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई थी, लेकिन इस पर आगे कार्रवाई नहीं की जा सकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में खनन अनुसंधान संस्थान शुरू कर इस व्यवसाय में आ रही दिक्कतों को दूर किया जाएगा और राज्य का राजस्व बढ़ाया जाएगा।

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड का मुख्य आरोपी गोल्डी बरार कैलिफोर्निया में गिरफ्तार

नई दिल्ली (ईएमएस)। सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के मास्टरमाइंड गोल्डी बरार को अमेरिकी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक बरार को अमेरिका के कैलिफोर्निया शहर में गिरफ्तार किया गया है। हाल ही में बरार के कनाडा से भागने की खबरे आईं थी और अब उसे अमेरिका में दबोच लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक गोल्डी को बीती 20 नवंबर को हिरासत में लिया गया था। कैलिफोर्निया पुलिस ने इसके बारे में अब तक कोई औपचारिक बयान नहीं जारी किया है। भारतीय खुफिया एजेंसियों तक गोल्डी बरार की गिरफ्तारी की जानकारी पहुंच गई है। जिसके बाद वह अमेरिकी एजेंसियों से संपर्क साध रही हैं। गोल्डी बरार के खिलाफ पहले ही 2 पुराने केसों में रेड कॉर्नर नोटिस जारी हो चुका है। वह कुछ दिन पहले ही कनाडा से राजनीतिक शरण के लिए कैलिफोर्निया भागा था। मूसेवाला के कत्ल के समय गोल्डी बराड़ कनाडा में रह रहा था। सिंगर के कत्ल के बाद गोल्डी भारतीय खुफिया एजेंसियों और मूसेवाला के फैंस के निशाने पर था। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक कनाडा बैठे गैंगस्टर लखबीर सिंह लंडा हरीके की मुखबिरी पर गोल्डी बराड़ को डिटेन किया गया। इससे यह भी संभावना जताई जा रही है कि गैंगस्टरों में भी फूट पड़ चुकी है। जिसकी वजह से वह खुफिया एजेंसियों को एक-दूसरे के खिलाफ इनपुट दे रहे हैं। इससे पहले मूसेवाला के कत्ल की साजिश रचने वाले गैंगस्टर लॉरेंस के भाई अनमोल और भांजे सचिन थापन को भी हिरासत में लिया जा चुका है। अनमोल को दुबई में डिटेन किया गया जबकि भांजे को अजरबैजान में हिरासत में लिया गया। इन दोनों को लॉरेंस ने मूसेवाला के कत्ल से पहले ही विदेश भगा दिया था। दोनों फेक पासपोर्ट पर नकली नामों से विदेश पहुंचे थे। इन्हें वापस लाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय पंजाब पुलिस ने इनकी क्रिमिनल हिस्ट्री भी मांग चुका है। उल्लेखनीय है कि 29 मई को मानसा के गांव जवाहरके में गोलियां मारकर पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला का कत्ल कर दिया गया था। उस समय मूसेवाला अपनी थार जीप में सवार होकर रिश्तेदार के घर जा रहे थे। कुल 6 शूटरों ने मूसेवाला को गोलियां मारी थीं। जिनमें से 4 गिरफ्तार हो गए हैं। वहीं 2 को पंजाब पुलिस ने अमृतसर के अटारी में एनकाउंटर में ढेर कर दिया।

देश की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में शिपयार्ड उद्योग का योगदान अहमः राजनाथ सिंह

- रक्षा मंत्री ने शिपयार्ड उद्योग सलाहकार समिति की बैठक में किया स्वदेशी होने का आह्वान
- आने वाले समय में घरेलू जरूरतें पूरी करने के साथ निर्यात ऑर्डर भी हासिल करने होंगे

नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में शिपयार्ड उद्योग के योगदान को सराहा है। उन्होंने कहा कि रक्षा शिपयार्ड ने खुद की भी आर्थिक स्थिति मजबूत की है। वर्ष 2021-22 के दौरान इन शिपयार्ड ने 8924.90 करोड़ रुपये मूल्य के जहाजों का उत्पादन किया और टैक्स चुकता करने के बाद इन्हें 927.86 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। वर्तमान में इन शिपयार्ड के पास 81777.45 करोड़ रुपये के ऑर्डर हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को मुंबई में रक्षा शिपयार्ड पर रक्षा मंत्रालय की सलाहकार समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शिपयार्ड उद्योग से स्वदेशी होने का आह्वान करते हुए कहा कि आने वाले समय में न सिर्फ घरेलू जरूरतें पूरी करनी होंगी, बल्कि निर्यात ऑर्डर भी प्रतिस्पर्धी आधार पर पर हासिल करने होंगे। रक्षा मंत्री ने उम्मीद जताई कि शिपयार्ड के शीर्ष प्रबंधन ने आज के प्रतिस्पर्धी माहौल को भली-भांति समझा है और अपने आपको बदलते हुए परिवेश में ढालने की कोशिश जारी रखकर सफलता पाएंगे। इन शिपयार्ड में गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) के माध्यम से खरीद होने पर न केवल घरेलू उत्पादों को प्रोत्साहन मिल रहा है, बल्कि खरीद में अत्यधिक पारदर्शिता आई है। सलाहकार समिति के बतौर चेयरमैन राजनाथ सिंह ने कहा कि सभी शिपयार्ड के लिए जीईएम के माध्यम से 2022-23 के तहत खरीद बढ़ाने को कहा गया है। इसके अतिरिक्त इन शिपयार्ड के लिए कुल खरीद का 25 प्रतिशत एमएसएमई से करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि सृजन पोर्टल में शिपयार्ड के 783 आइटम हैं जो पहले स्वदेशी डीलर उपलब्ध न होने की वजह से आयात किए गए थे। शिपयार्ड इस सूची की 73 वस्तुओं का स्वदेशीकरण करने में सफल रहे हैं। शेष वस्तुओं का निजी उद्योगों के सहयोग से स्वदेशीकरण करने के प्रयास प्रगति पर हैं। इस तरह डिफेंस शिपयार्ड ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के सपने को भी साकार किया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि डिफेंस शिपयार्ड लगातार नौसेना और तटरक्षक के परामर्श से अहम भूमिका निभा रहे हैं। हमारे डिफेंस शिपयार्ड ने न केवल समय पर डिलीवरी का ख्याल रखा है, बल्कि ये सभी अपने उत्पादों की गुणवत्ता में भी अग्रणी रहे हैं। हमारी समुद्री सीमा की रक्षा के लिए नौसेना और तटरक्षक की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। नौसेना और कोस्टगार्ड की मजबूती तभी संभव है, जब हम उन्हें अत्याधुनिक जहाज एवं हथियारों से सुसज्जित करेंगे। रक्षा मंत्रालय विभिन्न विषयों पर कई बैठक कर चुका है। हमारा प्रयास रहता है कि मंत्रालय में हो रहे कामकाज से अवगत कराएं, भविष्य में होने वाले कामों की रूपरेखा बताएं और आप सभी से सुझाव लेकर आगे बढ़ें।

फिर मवेशी से टकरा गई गांधीनगर-मुंबई वंदे भारत एक्सप्रेस

- दो महीने में चौथी बार मवेशी से टकराई वंदे भारत

मुंबई (ईएमएस)। गुजरात और मुंबई के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन एक बार फिर मवेशी से टकरा गई है। गुजरात में उदवाड़ा और वापी रेलवे स्टेशन के बीच एक मवेशी गुरुवार शाम गांधीनगर-मुंबई वंदे भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गया। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि घटना में ट्रेन के अगले हिस्से में मामूली खरोंच आई है। दो महीने पहले परिचालन शुरू होने के बाद से इस मार्ग पर वंदे भारत ट्रेन से जुड़ी यह इस तरह की चौथी घटना है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने कहा कि घटना उदवाड़ा और वापी के बीच समपार फाटक संख्या 87 के पास हुई। ट्रेन के अगले हिस्से में मामूली खरोंच आई है और कोई परिचालन समस्या नहीं हुई। खरोंच को आज रात ठीक कर दिया जाएगा। घटना के कारण कुछ देर रुकने के बाद ट्रेन शाम 6.35 बजे आगे की यात्रा पर रवाना हुई। वंदे भारत ट्रेन के मवेशियों से टकराने की घटना में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। दो महीने में चार बार जानवरों की टक्कर से जहां ट्रेन के परिचालन पर असर पड़ता है तो वहीं यात्रियों को भी देरी का सामना करना पड़ता है। खुला ट्रैक होने के कारण अक्सर मवेशी रेलवे ट्रैक पार करते समय तेजी से आ रही वंदे भारत ट्रेन से टकरा जाते हैं।

जान ले भी सकती हूं और दे भी सकती हूं सांसद प्रज्ञा

हाईकोर्ट से याचिका वापस ली

मुंबई (ईएमएस)। भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर ने मालेगांव ब्लास्ट मामले की याचिका बांबे हाईकोर्ट से वापस ले ली है। यह याचिका उन्होंने खुद को सभी मामलों में बरी करने के लिए हाईकोर्ट में लगाई थी। इस याचिका की सुनवाई न्यायमूर्ति एएस गडकरी की खंडपीठ में सुनवाई के लिए नियत की गई थी। प्रज्ञा ठाकुर के वकील ने याचिका वापस लेने का अनुरोध किया। खंडपीठ ने याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी। उल्लेखनीय है विशेष अदालत ने पहले ही इनकी याचिकाओं को खारिज कर दिया था। उसके बाद उन्होंने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। इस मामले में मध्य प्रदेश के विदिशा में उन्होंने चर्चा करते हुए कहा कि अनाचारी और अत्याचारी विधर्मी सचेत हो जाएं। सनातन धर्म और नारी शक्ति की रक्षा के लिए मैं अपनी जान दे सकती हूं और ले भी सकती हूं। बिधर्मियों ने प्यार को भी जिहाद बना दिया है। में इस्लाका विरोध करती रहूंगी।

जेएनयू में जातिसूचक स्लोगन पर बवाल : वीसी ने दिए जांच के आदेश, पुलिस को दी शिकायत

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में लगाए गए जाति विरोधी स्लोगन को लेकर विश्वविद्यालय कुलपति की ओर से जांच के आदेश दिए गए हैं। विश्वविद्यालय की दीवारों पर अज्ञात लोगों द्वारा ब्राह्मण और वैश्य समुदाय के खिलाफ नारे लिखे जाने का मामला प्रकाश में आया है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद जेएनयू एक बार फिर सुर्खियों में है। इस मामले को लेकर पुलिस को भी शिकायत दी गई है। अभी तक ये पता नहीं चल पाया कि ये किसने किया है। ये जांच के बाद ही सामने आएगा। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय अक्सर किसी न किसी मुद्दे को लेकर सुर्खियों में रहता है। इस बार विश्वविद्यालय कैंपस में जगह-जगह दीवारों पर ब्राह्मणों और वैश्य समुदाय के खिलाफ नारे लिखे गए हैं। जेएनयू के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज की दीवारों पर असामाजिक तत्वों ने ब्राह्मण और वैश्य समुदाय के खिलाफ अमर्यादित नारे लिखे, जिसे लेकर चौतरफा विरोध देखा जा रहा है। जब से इस घटना के बारे में लोगों को पता चला है, लोगों में गुस्सा बढ़ रहा है। इनके गुस्से का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि सोशल मीडिया के कई प्लेटफॉर्म पर जेएनयू ट्रेंडिंग में पहुंच गया है। जेएनयू को टैग कर लोग अपनी बात लिख रहे हैं और जेएनयू की वीसी से इस मामले में एक्शन लेने की मांग कर रहे हैं। वहीं जेएनयू में जातिसूचक शब्द दीवारों पर लिखने वाले लोगों के खिलाफ जेएनयू प्रशासन एक्शन लेगा। इस संबंध में कुलपति ने नोटिस जारी कर कहा कि कुछ अज्ञात लोगों ने फैकल्टी रूम और विश्वविद्यालय की दीवारों पर जातिसूचक टिप्पणी की है। इस पर प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा। प्रशासन ऐसी घटना की निंदा करता है। ऐसी घटना को विश्वविद्यालय में स्वीकार नहीं किया जाएगा। जेएनयू सबका है। कुलपति ने स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज एंड ग्रिवांस कमेटी के डीन को इस मामले की जल्दी से जल्दी जांच करके रिपोर्ट सौंपने को कहा है। नोटिस में कहा गया है कि जेएनयू समावेश और समानता में विश्वास करता है। कुलपति ने जेएनयू में किसी प्रकार की हिंसा पर जीरो टोलरेंस की नीति अपनाने की भी बात कही है। इधर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने जातिसूचक टिप्पणी लिखने का आरोप लेफ्ट विंग के छात्रों पर लगाया है।

एमसीडी चुनाव पर रोक संबंधी याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

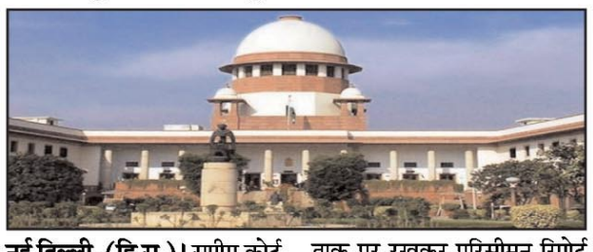

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में 4 दिसंबर को होने वाले दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनाव पर रोक लगाने की मांग वाली अर्जी पर सुनवाई से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि 4 तारीख को चुनाव है, लिहाजा अब सुनवाई का कोई औचित्य नहीं है। याचिकाकर्ता ने इससे पहले वार्ड परिसीमन और आरक्षण पर सवाल उठाते हुए दिल्ली हाई कोर्ट से चुनाव पर रोक की मांग की थी। परिसीमन के खिलाफ दायर याचिका में कहा गया था कि केंद्र सरकार ने मूल अवधारणा और किए गए वायदों से अलग लोकतांत्रिक मूल्यों को ताक पर रखकर परिसीमन रिपोर्ट बनाई है। इसमें वार्डों में जनसंख्या समीकरण का उल्लंघन किया गया है। याचिका में कहा गया था कि केंद्र सरकार की ओर से दलित और अल्पसंख्यक समुदाय को अलग-थलग करके नियमों की पूरी तरह से अवहेलना की गई है। दरअसल केंद्र सरकार ने एमसीडी के वार्डों के परिसीमन का नोटिफिकेशन जारी कर निगम में कुल वार्डों की संख्या 272 से घटा कर 250 कर दिया। इसके खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। हाई कोर्ट के रोक लगाने से इनकार के बाद सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दायर की थी।

फिर आ गई भोपाल गैस त्रासदी की बरसी, मौत नींद में ही सो गए थे हजारों लोग

भोपाल, (हि.स.)। भोपाल गैस त्रासदी को देश ही नहीं, दुनिया की सबसे बड़ी औद्योगिक दुर्घटना माना जाता है। आज से 38 साल पहले 2-3 दिसंबर की उस भयानक रात के बारे में आज की पीढ़ी ने सिर्फ सुना या तस्वीरों में देखा होगा, लेकिन इस घटना को देखने वाले बताते हैं कि चारों तरफ सिर्फ लाशें ही लाशें थीं, जिन्हें ढोने के लिए गाड़ियां कम पड़ गईं थीं। चीखें इतनी कि लोगों को आपस में बातें करना मुश्किल हो रहा था। धुंध में लाशों को पहचानना किसी चुनौती से कम नहीं था। इस दुर्घटना में हजारों लोग मौत की नींद सो गए थे। हर साल इस त्रासदी की बरसी पर दिवंगत लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली जाती है। भोपाल गैस त्रासदी की बरसी फिर आ गयी है। गैस त्रासदी की 38वीं बरसी पर राजधानी भोपाल बरकतउल्ला भवन में शनिवार, 3 दिसम्बर को सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया जायेगा, जिसमें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शामिल होंगे। इसमें भोपाल गैस त्रासदी में दिवंगतों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की जायेगी और प्रातः 11:10 से 11-12 तक त्रासदी में दिवंगतों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा जाएगा। भोपाल शहर में 2-3 दिसम्बर 1984 की यूनियन कार्बाइड नामक कंपनी के कारखाने से जहरीली गैस का रिसाव हुआ, जिससे लगभग 15 हजार से अधिक लोगों की जान गई तथा बहुत सारे लोग कई तरह की शारीरिक अपंगता से लेकर अंधेपन के भी शिकार हुए थे। भोपाल गैस काण्ड में मिथाइलआइसोसाइनाइट (मिक) नामक जहरीली गैस का रिसाव हुआ था, जिसका उपयोग कीटनाशक बनाने के लिए किया जाता था। मरने वालों के अनुमान पर विभिन्न स्रोतों की अपनी-अपनी राय होने से इसमें भिन्नता मिलती है। फिर भी पहले अधिकारिक तौर पर मरने वालों की संख्या 2259 थी। मध्यप्रदेश की तत्कालीन सरकार ने 3787 लोगों की गैस से मरने वालों के रूप में पुष्टि की थी। अन्य अनुमान बताते हैं कि आठ हजार लोगों की मौत तो दो सप्ताहों के अंदर हो गई थी और लगभग अन्य आठ हजार लोग तो रिसी हुई गैस से फैली संबंधित बीमारियों से मारे गये थे। साल 2006 में सरकार के दाखिल एक शपथपत्र में माना गया था कि रिसाव से करीब 5,58,125 सीधे तौर पर प्रभावित हुए और आंशिक तौर पर प्रभावित होने वालों की संख्या लगभग 38,478 थी। 39 सौ तो बुरी तरह प्रभावित हुए एवं पूरी तरह अपंगता के शिकार हो गये। इस त्रासदी के बाद भारत सरकार ने इस कारखाने में लोगों के घुसने पर रोक लगा दी थी। शुरूआती दौर में सीबीआई तथा सीएसआईआर ने इस दुर्घटना की छानबीन की गई। जांच में पता चला था कि यूनियन कार्बाइड कारखाने से उस रात 45 से 60 मिनट के अंतराल में लगभग 30 मैट्रिक टन गैस का रिसाव हो गया था। इस विषैली गैस के रिसाव से शहर का वातावरण भी विषैला हो गया था। भोपाल के वातावरण में जहरीली गैसीय बादल के प्रभाव की संभावनाएं आज भी चर्चा का विषय बनी हुई हैं। संभवतः मिक के उपरान्त गैस के बादल में फोस्जीन, हाइड्रोजन सायनाइड, कार्बन मोनो-ऑक्साइड, हायड्रोजन क्लोराइड आदि के अवशेष पाये गये थे, लेकिन आज भी इस दुर्घटना का कोई स्पष्ट कारण एवं तथ्य लोगों के सामने नहीं आ पाया है। जांच में यह भी पता चला था कि कम कर्मचारियों वाले संयंत्र में घटिया संचालन और सुरक्षा प्रक्रियाओं की कमी ने तबाही मचाई थी। भोपाल गैस त्रासदी को लगातार मानवीय समुदाय और उसके पयार्वास को सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाली औद्योगिक दुर्घटनाओं में गिना जाता रहा है। इसीलिए 1993 में भोपाल की इस त्रासदी पर बनाए गये भोपाल-अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को इस त्रासदी के पर्यावरण और मानव समुदाय पर होने वाले दीर्घकालिक प्रभावों को जानने का काम सौंपा गया था, लेकिन सबसे दुखद बात यह है कि हादसे के जिम्मेदार को कभी सजा नहीं हुई। हादसे के बाद यूनियन कार्बाइड कॉर्पोरेशन ने 470 मिलियन अमेरिकी डॉलर का मुआवजा दिया। हालांकि, पीडितों ने ज्यादा मुआवजे की मांग के साथ न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। इसके बाद भोपाल की एक अदालत ने कंपनी के सात अधिकारियों को हादसे सिलसिले में दो साल की सजा सुनाई थी, लेकिन मुख्य आरोपित यूनियन कार्बाइड कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष वॉरेन एंडरसन मुकदमे के लिए पेश नहीं हुए। तत्पश्चात 1 फरवरी 1992 को भोपाल की कोर्ट ने एंडरसन को फरार घोषित कर दिया। इसके बाद अदालत ने एंडरसन के खिलाफ 1992 और 2009 में दो बार गैर-जमानती वारंट भी जारी किया, मगर उसकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी। सितंबर, 2014 में एंडरसन की स्वाभाविक मौत हो गई और उसे कभी इस मामले में सजा नहीं भुगतनी पड़ी।

भाजपा को जिताइए, रामपुर में बहेगी विकास की गंगा : योगी आदित्यनाथ

रामपुर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस बार रामपुर में भाजपा को जिताइए, यहां पर विकास की गंगा बहेगी। विकास के कार्य में कोई बाधा आती है तो आप भाजपा विधायक को बताइए। अगर कोई बाधा आती है तो मुझे बताइए। मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव में हार के बाद सपा पहले इलेक्शन कमीशन फिर ईवीएम, प्रशासन और फिर पुलिस को दोषी ठहराती है। जिनकी आदत गलत हो चुकी होती है, उन्हें सुधरने में समय लगता है। समय सबको सुधार देता है। मुख्यमंत्री सिविल लाइन में भाजपा प्रत्याशी आकाश सक्सेना के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकारी योजनाओं में किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश दंगा मुक्त हुआ है। प्रदेश दंगा मुक्त और कर्फ्यू मुक्त हुआ तो प्रदेश में निवेश भी आ रहा है। छः एक्सप्रेसवे वर्तमान में बन रहे हैं। व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन लाने का काम सरकार ने किया है। पांच लाख युवाओं को नौकरी दी गयी है। विकास व रोजगार के लिए हर व्यक्ति को अवसर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले रामपुर की अपनी अलग पहचान थी। यहां की ऐतिहासिक पांडुलिपियों को चोरी कराकर नष्ट करवाने का काम किया गया। पांडुलिपियां हमारी धरोहर होती हैं। हमारी सरकार उन्हें संरक्षित करने का काम कर रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जिस विद्यालय में आकर ठहरते थे, उस सिटी मान्टेसरी स्कूल पर कब्जा करने का प्रयास किया गया। सरकारी गेस्ट हाउस सरकारी खजाने से ही बना है, इसलिए वह किसी की बपौती नहीं हो सकती।

छात्रों के बीच जी-20 को लेकर पैनल डिस्कशन करायेगी एबीवीपी

- प्रवेश, परीक्षा और परिणाम में अनियमितताएं शीघ्र दूर हों

लखनऊ, (हि.स.)। भारत को जी-20 में एक वर्ष के लिए अध्यक्ष का पद मिला है। देश के लिए इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने उत्सव के रूप में मनाने का फैसला किया है। एबीवीपी जी-20 को लेकर सभी जिलों में कालेज व विश्वविद्यालय कैम्पस में छात्रों के बीच पैनल डिस्कशन, यूथ समिट, टास्क आदि कार्यक्रम आयोजित करेगी। यह जानकारी एबीवीपी अवध प्रान्त की प्रान्तीय अध्यक्ष प्रो. नीतू सिंह ने शुक्रवार को कैसरबाग स्थित परिषद के कार्यालय पर आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए दी। प्रो. नीतू सिंह ने बताया कि आगामी 06 दिसम्बर को बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर जी की पुण्यतिथि पर विद्यार्थी परिषद विचार यात्रा, पत्रक वितरण जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेगी। सेवार्थ विद्यार्थी के तहत कपड़े का वितरण किया जायेगा। दिसम्बर माह में ही छात्राओं के आत्मरक्षा हेतु मिशन साहसी अभियान चलाया जायेगा। उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विद्यार्थी परिषद उद्यमिता प्रोत्साहन कार्यक्रम का भी आयोजन करने जा रही है। इसमें इंटर्नशिप,उद्यमिता सेल का आयोजन किया जायेगा। इसके अलावा 12 जनवरी से 23 जनवरी तक युवा पखवाड़े का आयोजन किया जायेगा। जिनमें विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। इस प्रतियोगिता में छात्र-छात्राएं प्रतिभाग करेंगे। 23 जनवरी से 30 जनवरी तक सभी जिलों में छात्र-छात्रा सम्मेलन आयोजित किये जायेंगे। प्रेसवार्ता के समय एबीवीपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य ईशदीप कौर और प्रान्त मीडिया सह संयोजक शिवम सिंह सम्राट उपस्थित रहे।

प्रवेश, परीक्षा और परिणाम में अनियमितताएं शीघ्र दूर हों – एबीवीपी के प्रान्त मंत्री आकाश पटेल ने अभी हाल ही में जयपुर में संपन्न राष्ट्रीय अधिवेशन की जानकारी देते हुए बताया कि अधिवेशन में परिषद ने पांच प्रस्ताव पारित किये हैं।

प्रस्ताव 1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन हेतु केन्द्र एवं राज्य सरकारें करें विशेष निधि का आवंटन।

प्रस्ताव 2. भारतीय ज्ञान परम्परा युक्त एवं भारतीय भाषा में हो शिक्षा।

प्रस्ताव 3. प्रवेश, परीक्षा और परिणाम में अनियमितताएं हों शीघ्र दूर।

प्रस्ताव 4. आंतरिक सुरक्षा हेतु कट्टरपंथी संगठन पीएफआई का प्रतिकार आवश्यक

प्रस्ताव 5. वैश्विक पटल पर भारत की महत्वपूर्ण भूमिका।

पिहानी में लगा स्वास्थ्य मेला, राज्यसभा सांसद अशोक बाजपेई ने किया शुभारंभ

हरदोई (हि.स.)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिहानी में सांसद स्वास्थ्य मेले का आयोजन हुआ। मेले का शुभारंभ राज्यसभा सांसद डॉ. अशोक बाजपेई ने फीता काटकर के किया। डॉ. अशोक बाजपेई के साथ में ब्लॉक प्रमुख पिहानी कुशी वाजपेई, मुख्य चिकित्सा अधिकारी राजेश तिवारी, डॉ. जितेंद्र श्रीवास्तव, डॉ. सत्यानंद, डॉ. वैभव जायसवाल, डॉ. मनोज आजाद, विकास खंड अधिकारी, पारुल दीक्षित धीरज गुप्ता ,प्रदीप अवस्थी आदि की मौजूदगी में आंख में दिक्कत वाले छात्रों को चश्मे वितरित किए गए। आंगनवाड़ी आशा बहुएं भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन नवनीत बाजपेई रुचि ने कुशलतापूर्वक किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लगे स्वास्थ्य मेले में लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई।कई विभाग के स्टॉल भी लगाए गए और सरकारी योजनाओं के बारे में अवगत कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ. अशोक बाजपेई ने कहा कि स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया जा रहा है।

इसमें ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को सरकार द्वारा चलाई जा रही सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी जा रही है। उन्होंने कहा कि बहुत सी ऐसी योजनाएं हैं जो ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के पास नही पहुंच पाती हैं ,इसलिए मेले का आयोजन कर लोगों को स्वास्थ्य संबंधी निःशुल्क चेकअप व दवाइयां दी जा रही हैं। कुशी बाजपेई ने कहा कि स्वास्थ्य मेला लगने से क्षेत्र के लोगों को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं के विषय में उपस्थित लोगों को अवगत कराया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि आप सभी लोग गांव-गांव जाकर स्वास्थ्य कैंप लगाकर लोगों को स्वास्थ्य से संबंधित सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दें। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिहानी के अधीक्षक डॉ. जितेंद्र ने मेले में प्रदान की जाने वाली सुविधाओं के बारे में अवगत कराया। ग्रामीण क्षेत्र से लोग स्वास्थ्य चेकअप कराने के लिए पहुंचे। इस बीच 200 मरीजों का चेकअप करउन्हें निःशुल्क दवाइयां दी गईं।

सिटी टास्क फोर्स की बैठक 5 दिसम्बर को

हरदोई, (हि.स.)। मुख्य चिकित्सा अधिकारी राजेश कुमार तिवारी ने अवगत कराया है कि शहरी टीकाकरण कार्यक्रम के अतंर्गत सिटी टास्क फोर्स की बैठक 05 दिसम्बर 2022 अपराह्न 2.30 बजे जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति शासी निकाय बैठक के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जायेगी। उन्होने समस्त चिकित्सा अधिकारियों, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद हरदोई, शाहाबाद व सण्डीला तथा अन्य संबंधित जिला स्तरीय अधिकारियों से कहा है कि उक्त बैठक में समय पर प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

भाजपा ने स्वतंत्रदेव सिंह को बनाया राष्ट्रीय कार्यसमिति का सदस्य

लखनऊ (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान में प्रदेश सरकार में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव को भाजपा राष्ट्रीय कार्यसमिति का सदस्य बनाया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने संगठनात्मक नियुक्ति की है। यह जानकारी भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह ने दी है।

एसपी ने महिला थानेदार को किया निलंबित

सुलतानपुर, (हि.स.)। पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा ने शुक्रवार को महिला थाना में तैनात थाना प्रभारी मीरा कुशवाहा को निलंबित कर दिया है। वहीं, उनके स्थान पर दरोगा चित्रा सिंह को महिला थाने का नया प्रभारी बनाया है। निलंबित थानेदार ने महिला कॉन्स्टेबल से रेप के मामले में इंस्पेक्टर निशु तोमर को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था। उसके बाद से करीब 71 दिन बीत गये, लेकिन इंस्पेक्टर न तो ड्यूटी पर पहुंचे और न ही घर। इस मामले में हाईकोर्ट ने डीजीपी से जवाब-तलब किया तो निलंबन की कार्रवाई की गई। एसपी ने गुरुवार को कोतवाली देहात थाने के प्रभारी चंद्रकांत वर्मा को सस्पेंड किया था। शुक्रवार को उनके स्थान पर अनिरुद्ध कुमार सिंह को थाने का प्रभार सौंपा है। इंस्पेक्टर देवेंद्र सिंह को एसपी ने पुलिस लाइन से कादीपुर कोतवाली का प्रभार सौंपा है। यहां तैनात अनिल कुमार सिंह को अपराध शाखा भेजा गया है।

अनिल कुमार सिंह बीते दिनों कादीपुर कोतवाली के लॉकअप में भाजपा आईटी सेल के कार्यकर्ता शिवम को थर्ड डिग्री देने के बाद सुर्खियों में आये थे। भाजपा विधायक राजेश गौतम ने उन्हें फटकार भी लगाई थी। उधर जयसिंहपुर कोतवाली में तैनात दरोगा अनिल सक्सेना को एसपी का पीआरओ बनाया गया है।

मतदाता सूची से सम्बंधित कार्यों के लिए चार दिसम्बर को विशेष अभियान

वाराणसी, (हि.स.)। नगर निकाय चुनाव की तैयारियों के बीच चार दिसम्बर रविवार को मतदाता सूची से सम्बंधित कार्यों के लिए विशेष अभियान चलाया जायेगा। अभियान में सभी बूथ लेविल अधिकारी अपनेझअपने नियत मतदेय स्थलों पर पूर्वाह 10 से सायं 04 बजे तक उपलब्ध रहेगें । इस दौरान दावे /आपत्तियाँ यथा फार्म-6, 6ए, 6बी, 7 एवं 8 प्राप्त करेंगें। शुक्रवार को यह जानकारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने दी। उन्होंने बताया की भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार वर्तमान में अर्हता तिथि 01-01-2023 के आधार पर विधानसभा फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों के पुनरीक्षण का कार्य 09 नवम्बर से गतिमान है। उन्होंने बताया कि रविवार को विशेष अभियान के दिन जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों तथा पर्यवेक्षकीय अधिकारियों की टीम बूथों पर भ्रमण करेगी। भ्रमण के दौरान यदि कोई बूथ लेविल आफिसर अनुपस्थित पाया जाता है। तो उसके विरूद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत विधिक कार्यवाही की जायेगी। अभियान दिवसों के दिन जनपद के सभी शिक्षण संस्थान / कार्यालय एवं अन्य संस्थान जहाँ पर मतदेय स्थल स्थापित है, खुले रहेंगे। उन्होंने आम लोगों से अपील किया कि 01 जनवरी, 2023 को जिनकी आयु 18 वर्ष पूर्ण हो गयी हो अथवा पूर्ण हो रही हो और उनका नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नही हो पाया है, वे चार दिसम्बर को अपने मतदान केन्द्र पर उपस्थित होकर निर्वाचक नामावली में अपना नाम सम्मिलित कराने के लिए फार्म-6, मतदाता सूची से आधार नम्बर लिंकिंग हेतु फार्म-6बी,मतदाता सूची से किसी प्रविष्टि के अपमार्जन हेतु फार्म-7 तथा किसी प्रविष्टि को शुद्ध करा ले। डुप्लीकेट मतदाता पहचान पत्र बनवाने, स्थान परिवर्तन के लिये फार्म 8 भरकर बी०एल०ओ० के माध्यम से अथवा आयोग की वेबसाइट के माध्यम से स्वयं भी आनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

पूर्व मंत्री समरेश सिंह की अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

बोकारो, (हि.स.)। पूर्व मंत्री और भाजपा के संस्थापक सदस्य समरेश सिंह की शुक्रवार को अंतिम यात्रा निकली। इस दौरान एक तरफ जहां दिग्गजों का जमावड़ा रहा, वहीं हजारों की संख्या में जनसैलाब उमड़ पड़ा। स्वर्गीय समरेश सिंह की अंतिम यात्रा उनके सेक्टर चार स्थित आवास से निकाली गई। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, बोकारो विधायक विरंची नारायण, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर और बेरमो विधायक कुमार जय मंगल सिंह ने समरेश की शव यात्रा में शामिल होकर उन्हें अंतिम विदाई दी। प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि समरेश सिंह एक अभिभावक के समान थे और आंदोलनकारी के रूप में उन्हें जाना जाता था। आज हम लोगों ने एक राजनीतिक योद्धा खोया है। मजदूर और विस्थापितों की लड़ाई हमेशा लड़ते रहे इसकी कमी पूरी नहीं की जा सकती है। बेरमो के विधायक कुमार जय मंगल सिंह ने कहा कि उनसे उनका पारिवारिक नाता रहा है। उनके जाने से उन्हें व्यक्तिगत क्षति हुई है। समरेश सिंह से हमारे पिता ने भी बहुत कुछ सीखा था। आज उनके जाने से हम सभी दुखी हैं।

संविधान सप्ताह के समापन पर कार्यशाला सह विधिक जागरूकता शिविर

खूंटी, (हि.स.)। नालसा और झालसा के निर्देशन में 26 नवंबर से चल रहे संविधान सप्ताह समापन के अवसर पर शुक्रवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रांगण में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में संविधान के महत्व पर विचार विमर्श करने के लिए कार्यशाला सह विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यशला कसे संबोधित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीष सह डालसा अध्यक्ष सत्य प्रकाश ने कहा कि संविधान के सिद्धांतों का पालण सभी संस्थाओं और नागरिकों को करना चाहिए। डालसा सचिव मनोरंजन कुमार ने कहा कि भारत के सभी कानून संविधान के अनुरूप होते हैं और जो कानून संविधान के सिद्धांतों के विपरीत होता है, उसे न्यायपालिका रद्द कर देती है। इसलिए संविधान से बड़ा कोई ग्रंथ नहीं है। ज्ञात हो कि डालसा द्वारा संचालित कुल 22 विधिक सहायता केंद्रों पर संविधान में वर्णित मूल कर्तव्यों एवं संवैधानिक मूल्यों पर प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

धर्मनिरपेक्षता भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण विशेषता : अर्पित श्रीवास्तव

मेदिनीनगर, (हि.स.)। संविधान सप्ताह के अवसर पर शुक्रवार को व्यवहार न्यायालय परिसर में वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अर्पित श्रीवास्तव ने किया। उन्होंने कहा कि धर्मनिरपेक्षता भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण विशेषता है। भारतीय संविधान में हमें मौलिक अधिकार प्राप्त हैं। उन्होंने संविधान की महत्ता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने मौलिक अधिकार और मौलिक कर्तव्य पर भी प्रकाश डाला। अधिवक्ता संघ के महासचिव सुबोध कुमार सिन्हा ने कहा कि भारत एक संप्रभुता संपन्न समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्र का राज्य है। यह सीधे लोगों द्वारा चुने गए एक सरकार द्वारा शासित है तथा यही सरकार कानून बनाकर लोगों पर शासन करती है। अधिवक्ता शैलेंद्र नाथ चतुर्वेदी ने कहा कि भारतीय संविधान लिखने में बी एन राव की अहम भूमिका रही है। अधिवक्ता सतीश कुमार ने कहा कि भारतीय संविधान 22 भागों में विभाजित है।

इसमें 395 अनुच्छेद एवं 12 अनुसूचियां हैं। भारत का संविधान भारत का सर्वोच्च विधान है जो 26 नवंबर, 1949 को पारित हुआ था और 26 जनवरी, 1950 से प्रभावी हुआ। पीएलवी अनुरेखा देवी ने कहा कि संविधान को पूर्ण रूप से तैयार करने में 2 वर्ष 11 माह 18 दिन समय लगा था। भारतीय संविधान में मूल कर्तव्य के साथ था मूल अधिकार भी प्रदान किया गया है। इस मौके पर अधिवक्ता हुसैन वारिस, दिनेश चंद पांडेय, कुमार शिवाजी सिंह, शशि भूषण, बीना मिश्रा, हरिनंदन सिंह, रिटेनर अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय, अशोक कुमार मिश्रा, पीएलवी भागीरथी दुबे, सुचिता एका, मुनेश्वर राम, प्रणय कुमार वरेण्यम समेत कई लोग उपस्थित थे।

बिहार में विफल शराबबंदी से राजस्व को नुकसान, भरपाई कर रहे यहां के आम लोग : प्रशांत किशोर

-छौड़ादानो में स्थानीय लोगों, जनप्रतिनिधियों से मिले प्रशांत किशोर

मोतिहारी, (हि.स.)। जन सुराज पदयात्रा के 62 वें दिन छौड़ादानो प्रखंड पहुंचे प्रशांत किशोर ने शुक्रवार को यहां कहा कि बिहार में शराबबंदी विफल है,और इसके नाम पर सरकार आम जनता को लूट रही है। शराबबंदी से 20 हजार करोड़ राजस्व का नुकसान हुआ है।जिसकी भरपाई बिहार की आम जनता महंगी डीजल-पेट्रोल खरीद कर कर रहे है। प्रशांत किशोर ने पदयात्रा के दौरान स्थानीय समिति के सदस्यों के अलावा स्थानीय लोगों, महिलाओं, युवाओं और पंचायती राज व्यवस्था से जुड़े जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर जिले सहित छौड़ादानो के स्थानीय समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की।इस दौरान उन्होंने कहा कि देश के अन्य राज्यों के मुकाबले बिहार में पेट्रोल डीजल की कीमत ज्यादा वसूली जा रही है।

उन्होंने कहा कि यहां के किसान धान-2040 रुपये के बजाए 1400 से 1500 रुपये में बेच रहे हैं। जिस कारण यहां के किसान अपने बच्चों को बेहतर पढाई और अपने स्वास्थ्य के लिए जमीन बेच रहे हैं। उन्होंने जन सुराज पदयात्रा का उद्देश्य और आगे की रूपरेखा पर लोगों से संवाद करते हुए बताया कि पदयात्रा के माध्यम से समाज के सभी सही लोगों को एक साथ एक मंच पर लाने का प्रयास कर रहे है,ताकि बिहार में महज सत्ता परिवर्तन नही बल्कि व्यवस्था परिवर्तन हो सके।उन्होंने कहा कि जिस माटी,जिस राज्य से आते हैं, वहां के लोगों की दुर्दशा को उनके साथ मिलकर दूर करना हमारा संकल्प है। जन सुराज पदयात्रा में गांव-गांव पैदल चलकर आप सभी से मिल कर आपकी तकलीफों को महसूस कर रहा हूं ताकि सबके सामूहिक प्रयास से उसे दूर किया जा सके।

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पहुंची बिहार, गया में किया पिंडदान

पटना, (हि.स.)। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को बिहार के गया जिले में स्थित गयाजी में अपने पूर्वजों के लिए पिंडदान और तर्पण किया। केन्द्रीय वित्त मंत्री के साथ उनके माता-पिता ने भी विष्णुपद मंदिर क्षेत्र में स्थित फल्गु नदी के किनारे देव घाट पर अपने पूर्वजों का पिंडदान किया। देव घाट पर पिंडदान करने के बाद उन्होंने विष्णुपद मंदिर के गर्भ गृह में सभी परिजनों के साथ विष्णुचरण का दर्शन किया। पिंडदान के बाद विष्णुपद मंदिर प्रबंधकारिणी ने उनका स्वागत और अभिनंदन किया। इस दौरान प्रशासन के कई अधिकारी भी मौजूद रहे।

गया पाल पंडा के अनुसार वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पहली बार गया आई हैं। वे माता-पिता के साथ यहां पहुंची हैं। सीतारमण बिहार दौरे के दौरान आज अक्षय वट पर भी पिंडदान करेंगी और ब्राह्मणों को भोजन भी करायेंगी। उसके बाद पण्डाजी से सुफल लेकर अपने कार्य को पूरा करेंगी।

बिहार-यूपी को सड़क मार्ग से जोड़ने के लिए विभिन्न एलाइनमेंट पर हुआ विचार-विमर्श

बेतिया, (हि.स)। बिहार-उतरप्रदेश को सड़क मार्ग से जोड़ने के लिए विभिन्न एलाइनमेंट पर आज जिलाधिकारी कार्यालय प्रकोष्ठ में विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान एसएसबी कैम्प, बगहा से यूपी बॉर्डर, डुमवलिया से बेलबनिया (यूपी), रतनमाला से निबुआ (यूपी) एलाइनमेंट पर चर्चा की गयी। इसके साथ ही मदनपुर मोड़ से यूपी को जोड़ने वाली सड़क निर्माण पर भी चर्चा की गयी। चर्चा के दौरान दिल्ली से आये डीपीआर कंसलटेंट, चन्द्र प्रकाश तिवारी द्वारा सड़क निर्माण हेतु विभिन्न एलाइनमेंट का पावर प्रजेंटेशन किया गया।

साथ ही मैप के माध्यम से भी विस्तृत जानकारी दी गयी। उन्होंने मदनपुर मोड़ से उतरप्रदेश तक एलिवेटेड रोड का निर्माण पर जोर दिया तथा गुगल मैप के माध्यम से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया। विचार-विमर्श के उपरांत जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने कहा कि पुनः उक्त स्थल का भौतिक सत्यापन करना आवश्यक है। मदनपुर मोड़ से यूपी तक एलिवेटेड रोड बनाने की दिशा में वरीय अधिकारियों से वार्ता की जायेगी। साथ ही वन विभाग से भी इस संबंध में वार्ता की जायेगी। स्वीकृति मिलने के उपरांत इस दिशा में तेजी के साथ कार्य किया जाय। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट को अविलंब फाइनलाईज करना है ताकि तेजी के साथ कार्य करते हुए पूर्ण कराया जा सके।

संपादकीय

'अछूत' से 'रावण' तक

नए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने प्रधानमंत्री मोदी की तुलना '100 मुखी रावण' से की है और अपने 'अछूत' होने की पुरानी पीड़ा बयां की है। यह रावण राजनीतिक है, लिहाजा 100 मुखी है। ये दोनों रूपक और तुलनाएं चुनावी परिप्रेक्ष्य में अप्रासंगिक और फिज़ूल हैं। कांग्रेस नेता मोदी के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करते रहते हैं। अब यह परंपरा पुरानी पड़ चुकी है। 1998 से आज तक तीन कांग्रेस अध्यक्ष हुए हैं और तीनों ने प्रधानमंत्री के लिए अपशब्दों का प्रयोग किया है। दरअसल नेता के किसी भी प्रारूप में मोदी कांग्रेसी नफरत के प्रतीक रहे हैं। 2002 के गोधरा हत्याकांड और फिर गुजरात में सांप्रदायिक दंगों के बाद मोदी के प्रति उपमाएं घृणित और घनीभूत होती गई हैं। हालांकि सभी जांच आयोगों और अंततः सर्वोच्च अदालत के स्तर पर भी प्रधानमंत्री मोदी 'निर्दोष' और 'साजिशहीन' करार दिए गए हैं। बहरहाल अपशब्दों के इस अध्याय को यहीं छोड़ते हैं, क्योंकि इसका विश्लेषण हम कई बार कर चुके हैं। चूंकि आज 1 दिसंबर को गुजरात में प्रथम चरण का मतदान हो रहा है, लिहाजा कांग्रेस अध्यक्ष खडग़े के 'दलित होने के दर्द' का विश्लेषण अहम है। बेशक खडग़े जन्म और जाति से दलित हैं, लेकिन बीते 50 सालों से ज्यादा के राजनीतिक जीवन में वह 'अछूत' कभी नहीं रहे। कर्नाटक विधानसभा के लिए वह 8-9 बार विधायक चुने गए। कर्नाटक सरकार में गृहमंत्री सरीखे बेहद महत्वपूर्ण पद को सुशोभित किया। कर्नाटक से ही लोकसभा सांसद चुने गए और सदन में नेता प्रतिपक्ष भी बने। आज भी वह राज्यसभा सांसद हैं और अध्यक्ष चुने जाने के बाद उन्होंने नेता प्रतिपक्ष पद छोड़ने की घोषणा की थी। कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार में मल्लिकार्जुन खडग़े केंद्रीय मंत्री भी रहे। इतने संवैधानिक पदों पर सार्वजनिक जीवन जीते हुए क्या कोई राजनेता अथवा व्यक्ति 'अछूत' रह सकता है? दरअसल खडग़े ने गुजरात में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था-'प्रधानमंत्री मोदी खुद को गरीब कहते रहते हैं। अरे, हम तो गरीबों के गरीब, अछूत हैं। मोदी की चाय तो लोग पी लेते थे, लेकिन मेरी तो चाय भी नहीं पीता कोई।' खडग़े का यह बयान अतिशयोक्ति और हकीकत से बहुत परे है। बेशक दलितों के 'अछूत' माने जाने का परिवेश खडग़े ने देखा और झेला होगा। उनका जन्म कर्नाटक की निज़ामशाही के दौरान हुआ। यानी राज्य में मुस्लिम हुकूमत थी। देश भी गुलाम था। उसी कालखंड में उनका घर जला दिया गया था, जिसमें उनकी माता जी की त्रासद मौत हो गई थी। मौजू सवाल यह है कि 80 साल पहले के परिवेश और आज 2022 के बीच कोई तुलना की जा सकती है? क्या आज खडग़े के 'अछूत' बयान को स्वीकार किया जा सकता है? क्या देश की आज़ादी के बाद, लोकतंत्र के दरमियान, आरक्षण कानून के लगातार लागू किए जाने और दलितों के लिए विशेष कानून बनने के बाद कोई, किसी को, 'अछूत' होने का यथार्थपरक एहसास करा सकता है? कदापि नहीं, क्योंकि अछूत कहना अब कानूनन जुर्म है। उसकी सजा दी जाती है। बेशक कोई अपवाद हो सकता है। अपराध भी अपवाद ही होते हैं। क्या ऐसा संभव है कि खडग़े के लंबे राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन में किसी सवर्ण चेहरे ने जानबूझ कर, उनके साथ चाय पीने से इंकार कर दिया हो? हां, यदि कांग्रेस के भीतर ही ऐसा होता है, तो अब वह अध्यक्ष हैं और इस अछूत परंपरा को हटाने का आदेश दें। इसकी बड़ी संभावना है कि उन्होंने गुजरात चुनाव में 'दलित कार्ड' खेलने की राजनीति की हो। दलित, मुसलमान, आदिवासी और क्षत्रिय गुजरात में कांग्रेस के निश्चित वोट-बैंक थे। 'अछूत' बनाम 'रावण' की राजनीति के जरिए उस वोट-बैंक को दोबारा जिंदा नहीं किया जा सकता।

2002 के गोधरा हत्याकांड और फिर गुजरात में सांप्रदायिक दंगों के बाद मोदी के प्रति उपमाएं घृणित और घनीभूत होती गई हैं। हालांकि सभी जांच आयोगों और अंततः सर्वोच्च अदालत के स्तर पर भी प्रधानमंत्री मोदी 'निर्दोष' और 'साजिशहीन' करार दिए गए हैं। बहरहाल अपशब्दों के इस अध्याय को यहीं छोड़ते हैं, क्योंकि इसका विश्लेषण हम कई बार कर चुके हैं। चूंकि आज 1 दिसंबर को गुजरात में प्रथम चरण का मतदान हो रहा है, लिहाजा कांग्रेस अध्यक्ष खडग़े के 'दलित होने के दर्द' का विश्लेषण अहम है।

कुछ अलग

चीन में चिंता

चीन से जो तस्वीरें आ रही हैं, उनसे किसी को भी चिंता का एहसास हो सकता है। दुनिया के ज्यादातर देशों में कोरोना महामारी काबू में आ चुकी है, पर चीन में अब भी यह वायरस लॉकडाउन का कारण बना हुआ है। दरअसल, चीन कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए शून्य-कोविड नीति पर चलता आ रहा है। दिसंबर 2019 से ही चीन के लोगों ने लॉकडाउन के लंबे दौर देखे हैं। यह लॉकडाउन कितना कड़ा होता है, इसकी कल्पना भारत जैसे उदार देशों में कम ही लोग कर सकते हैं। वहां घर का दरवाजा खोलने तक की इजाजत लोगों को नहीं मिलती है। खाने-पीने का वही सामान मिलता है, जो सरकार देती है। चीनी लॉकडाउन का मतलब है, जीवन का पूर्णतः बाधित हो जाना। चूंकि चीन सरकार ने कडे.लॉकडाउन के दम पर ही अपने लोगों को महामारी के समय बचाया था, इसलिए उसे संक्रमण को रोकने का यही सबसे कारगर तरीका लगता है, लेकिन जाहिर है, लंबे लॉकडाउन से तंग आ चुके लोग अब सड़कों पर उतरने लगे हैं। दरअसल, शून्य-कोविड नीति के खिलाफ चीनियों में व्यापक गुस्से और विरोध की भावना है। बताया जाता है कि सरकार ने लॉकडाउन में कुछ राहत दी है, लेकिन लोग इसे ऊंट के मुंह में जीरा मानते हैं। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की आलोचना भी खूब हो रही है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के अनुसार, देश में संक्रमण के 39,452 नए मामले दर्ज किए गए, जबकि 40,347 नए मामले दर्ज किए गए थे। भारत में कोविड को लेकर नेताओं और संबंधित विभागों की बयानबाजी भले ही खत्म हो गई है, पर चिंतित चीन में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने कहा है कि हम मानते हैं, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व और चीनी लोगों के समर्थन से कोविड-19 के खिलाफ हमारी लड़ाई सफल होगी। पिछले दिनों पश्चिमी शिनजियांग क्षेत्र में जो घातक आग लगी थी, उसे भी लोग सख्त कोविड उपायों से जोड़कर देख रहे हैं। जो लोग विरोध कर रहे हैं, उन्हें उल्टे इरादों वाली ताकत कहा जा रहा है, इससे भी विरोध और प्रदर्शन का आकार बढ़ा है। ध्यान रहे, चीन एक ऐसा देश है, जहां शासन सोशल मीडिया को पसंद नहीं करता है। सोशल मीडिया से मिलने वाली चुनौती चीनी सत्ताधीशों को हजम नहीं होती। शासन की अनुदारता या अनुशासन के लिए कड़ाई को अब बहुत से लोग बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। लोग सामने आकर विरोध कर रहे हैं। चीनी सरकार को आम लोगों की पीड़ा को संवेदना के साथ समझना चाहिए। विरोध प्रदर्शन मुख्य रूप से बीजिंग और शंघाई में हो रहे हैं, जगह-जगह बैरियर लगाए गए हैं, लेकिन तब भी लोग खुलकर सड़कों पर उतर रहे हैं। चीन में ताजा कड़ाई का मामला इसलिए भी सामने आ गया, क्योंकि बीबीसी के संवाददाता के साथ भी मारपीट हुई है। शायद चीनी सैन्य अधिकारियों को पता न था कि वे बीबीसी संवाददाता को परेशान कर रहे हैं, मगर उनकी परेशानी अब बढ़ गई है। वैसे भी, किसी विरोध-प्रदर्शन को कुचलने की कोशिश चीनी प्रशासन को ज्यादा मुफीद लगती है। विरोध की आवाज को कुचलने का पुराना चीनी इतिहास रहा है। ज्यादा चिंता वाली बात यह है कि अगर चीन में अब भी कोरोना संक्रमण तेज है, तो दुनिया को ज्यादा सचेत रहना होगा। क्या कोरोना वायरस का नया संस्करण आया है? पहले भी कोरोना वायरस चीन से ही निकलकर दुनिया में फैला था। अतः सबको सावधान रहना होगा।

चीन से जो तस्वीरें आ रही हैं, उनसे किसी को भी चिंता का एहसास हो सकता है। दुनिया के ज्यादातर देशों में कोरोना महामारी काबू में आ चुकी है, पर चीन में अब भी यह वायरस लॉकडाउन का कारण बना हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय समर्थकों ने अमेरिका से लेकर लंदन तक में फिल्म का विरोध करना शुरू किया

दि कश्मीर फाइल्स पर टिप्पणी

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

यदि कोई कला अपने युग को उत्तर नहीं देती तो वह कला न रह कर वल्गर बन जाती है। मुझे नहीं पता लैपिड अपनी फिल्मों में अपने युग को कितनी अभिव्यक्ति देते हैं लेकिन क्या वे सचमुच मानव को, उसके भाव प्रकटीकरण की प्रक्रिया को जानते भी हैं? यह दोष लैपिड का नहीं है बल्कि आधुनिक कला के नाम पर अभिव्यक्ति को यथार्थ से जितना दूर रखा जाएगा, वह उतनी ही कलात्मक अभिव्यक्ति मानी जाएगी। लेकिन विवेक अग्निहोत्री यथार्थ से एक कदम भी पीछे नहीं हटना चाहते क्योंकि वे जानते हैं कि एक क्षण के लिए भी ओझल होता हूं तो कला कला के नाम पर कल्पना लोक में चली जाएगी।

कुछ समय पहले दि कश्मीर फाइल्स फिल्म प्रदर्शित हुई थी। फिल्म में आतंकवादियों द्वारा कश्मीरियों पर किए गए अत्याचार, उनकी सामूहिक हत्याओं का मार्मिक चित्रण किया गया था। लेकिन आतंकवादियों और उनके समर्थकों का एक समूह चाहता था कि इस फिल्म का प्रदर्शन रोका जाए। उसको लगता था कि यदि उनके अमानवीय कुकृत्य सामने आ गए तो उनके बारे में देश-विदेश में जनमत प्रभावित होगा। उनका मामला कुछ कुछ 'मारे भी और रोने भी न दे' जैसा था। इसलिए आतंकवादी समर्थक इन समूहों ने फिल्म को रोकने के लिए कोर्ट कचहरी तक का दरवाजा खटखटाया। लेकिन वहां उन्हें सफलता नहीं मिली। फिल्म को सुनहरे पर्दे पर अपार सफलता मिली। लेकिन इन आतंकवादी समूहों और उनके समर्थकों का, जैसा कि सभी जानते हैं, अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क है। भारत में इस फिल्म को रोकने में वे असफल रहे तो उनके अंतरराष्ट्रीय समर्थकों ने अमेरिका से लेकर लंदन तक में फिल्म का विरोध करना शुरू किया। इससे एक बात तो सिद्ध हो गई कि कश्मीर में इतने दशकों से जो क़त्लेआम हो रहा था, उसके पीछे आतंकवादियों की ब्रिगेड नम्बर दो, सिविल सोसायटी के नाम पर सक्रिय थी। तथाकथित आधुनिक काल में, कश्मीर में जो कुछ हुआ, किस प्रकार कश्मीर से कश्मीरियों को ही निष्कासित होना पड़ा, उन्हीं के अपने ही भाई बंधुओं ने इस पर जश्न मनाया, इसको विवेक अग्निहोत्री ने फिल्म के माध्यम से आम आदमी तक पहुंचाने का प्रयास किया। अब गोवा में भारत के अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में भी यह फिल्म पहुंच गई। इस समारोह में कला विशेषज्ञों की बहुत बड़ी ज्यूरी बैठती है। वह फिल्मों को कला के दृष्टिकोण से जांचती परखती है। उसका पोस्टमार्टम करती है। ज्यूरी के अध्यक्ष नदव लैपिड थे, जो इजराइल के रहने वाले हैं और ख़ुद भी फिल्में बनाते हैं। समारोह के अंत में लैपिड को ज्यूरी की ओर से प्रदर्शित की गई फिल्मों के बारे मे अपना अभिमत देना था। उसने अन्य फिल्मों पर अपनी राय प्रस्तुत करते हुए अचानक दि कश्मीर फाइल्स को लेकर आक्रामक रुख अपना लिया। उसने कहा यह फिल्म कला सैक्शन में तो रखने लायक थी ही नहीं। मैं हैरान हूं यह इस सैक्शन में पहुंच कैसे गई? यह फिल्म बिल्कुल वाहियात है। यह केवल मात्र प्रोपेगंडा है। लैपिड केवल यहीं तक नहीं रुका। उसने अपनी सीमा भी पार कर ली। उसने कहा फिल्म वल्गर है। यह एक प्रकार की गाली ही है। बाद में उसने यह भी कहा कि जब किसी देश के लोग डर के कारण नहीं बोलते तो किसी को तो बोलना पड़ता है। इसलिए मुझे फिल्म को लेकर यह कहना पड़ा। लैपिड अपना यह सारा बयान किसी लिखे हुए कागज से पढ़ रहे थे। साथ ही उसने यह भी कहा कि आम तौर पर मैं इस प्रकार के कार्यक्रमों में पढ़ कर नहीं बोलता, लेकिन आज पहली बार ऐसा कर रहा हूं। लैपिड ने दूसरे दिन यह भी कहा कि मुझे कश्मीर में क्या हो रहा है, उसके बारे में बहुत जानकारी नहीं है। लेकिन कश्मीर से संबंधित फिल्म पर टीका-टिप्पणी करने के लिए मुझे कश्मीर के बारे में ज्यादा जानने की जरूरत भी महसूस नहीं होती। दि कश्मीर फाइल्स को लेकर देश में टुकड़े टुकड़े गैंग पहले ही सक्रिय था। लेकिन उसकी लाख कोशिशों के बावजूद फिल्म को लोगों ने सराहा। ज़ाहिर है टुकड़े टुकड़े गैंग निराश हुआ। लेकिन यह भी सभी जानते हैं कि टुकड़े टुकड़े गैंग की भुजाएं देश से बाहर भी फैली हुई हैं। किसान आंदोलन के समय उसके सबूत व संकेत भी मिले ही थे। क्या नदव लैपिड उस गैंग के नेटवर्क की पकड़ में आ गया? यदि ऐसा न होता तो उसे यह कहने की जरूरत न होती कि इस देश में डर के मारे लोग फिल्म के खिलाफ बोल नहीं सकते, इसलिए मुझे इसके बारे में बोलना पड़ा। इतना ही नहीं बिना कश्मीर के बारे में जानते हुए बोलना पड़ा। इससे यह प्रश्न स्वाभाविक ही उठता है कि लैपिड किस का लिखा हुआ कागज़.पढ़ रहे थे? क्योंकि लैपिड द्वारा कागज़. को पढ़ देने के तुरंत बाद स्वरा भास्कर से लेकर कांग्रेस व टूट चुकी शिवसेना तुरंत एक बार फिर फिल्म की निंदा करने लगी और लैपिड की हां में हां मिलाती हुई अपनी मुंडियां हिलाने लगीं। अब रहा फिल्म के कला सैक्शन के अयोग्य होने और वल्गर होने का प्रश्न। लैपिड की दृष्टि में फिल्म में मर रहा कश्मीरी रोता है, इसलिए वह प्रचार बन गया है। कश्मीरी इतने साल से मर रहा है और रो रहा है। केवल रो ही नहीं रहा, चीत्कार कर रहा है। उस चीत्कार से कला की पारखियों के चिंतन में ख़लल पड़ता है। यदि यह कश्मीरी न रोता, न चीत्कार करता, केवल अपने चेहरे पर अंदर का दर्द दिखा देता तो यक़ीनन यह लैपिड के पैमाने के हिसाब से कला की उत्कृष्ट फिल्म बन जाती। लेकिन विवेक अग्निहोत्री जानते थे कि यदि अब भी कश्मीरी न रोया तो उसकी नस्लें बिना नोटिस लिए दबा दी जाएंगी। इसलिए अब चीखना जरूरी था। कोई भी कला अपने युग की ही अभिव्यक्ति को ही समर्पित होती है। वही कला का उत्कृष्ट रूप होता है। यदि कोई कला अपने युग को उत्तर नहीं देती तो वह कला न रह कर वल्गर बन जाती है। मुझे नहीं पता लैपिड अपनी फिल्मों में अपने युग को कितनी अभिव्यक्ति देते हैं लेकिन क्या वे सचमुच मानव को उसके भाव प्रकटीकरण की प्रक्रिया को जानते भी हैं? यह दोष लैपिड का नहीं है बल्कि आधुनिक कला के नाम पर अभिव्यक्ति को यथार्थ से जितना दूर रखा जाएगा, वह उतनी ही कलात्मक अभिव्यक्ति मानी जाएगी। लेकिन विवेक अग्निहोत्री यथार्थ से एक क़दम भी पीछे नहीं हटना चाहते क्योंकि वे जानते हैं कि एक क्षण के लिए भी ओझल होता हूं तो कला कला के नाम पर कल्पना लोक में चली जाएगी। दि कश्मीर फाइल्स भीतर से निकली हुई चीत्कार है, वह कला के नाम पर किया गया रुदाली रुदन नहीं है जो लैपिड करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वह दर्शकों के दिल में झंझावत पैदा कर देने वाली कश्मीरियों की दर्दनाक चीख़ है जो हर उस व्यक्ति को दहला देती है जो लैपिड न हो। दरअसल लैपिड की टिप्पणी इससे अलग हो ही नहीं सकती थी क्योंकि उसके आचरण से लगता है कि वह पूरे फेस्टीवल में इसी फिल्म की उसी प्रकार तलाश कर रहा था जिस प्रकार कोई शिकार जंगल में शिकार की तलाश कर रहा होता है। खोजने की बात केवल इतनी ही है कि लैपिड के हाथ में वह कागज़.किसने पकड़ाया था। लैपिड ने स्वयं कहा कि आज तक मैंने कभी भी कागज़.से पढ़ कर अपना वक्तव्य नहीं दिया था। आज पहली बार लिखा हुआ पन्ना पढ़ रहा हूं। यह पढना लैपिड को किसने सिखाया? जो लोग कश्मीरियों के दर्द को नहीं जानते वे लोग दयालु नहीं हो सकते।

राजस्थान में कांग्रेस की कमजोरियों का फायदा नहीं उठा पा रही है भाजपा

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने पिछले दिनों बयान दिया था कि उपचुनाव में कांग्रेस जीतती है और मुख्य चुनाव में भाजपा जीतती है। पूनियां का कहने का आशय था कि राजस्थान में विधानसभा के जो उपचुनाव हुए हैं उनमें अधिकांश में कांग्रेस पार्टी जीती है। भाजपा सिर्फ राजसमंद विधानसभा सीट का ही उपचुनाव जीत पाई है। राजसमंद में भाजपा विधायक किरण माहेश्वरी के निधन होने से उनकी बेटी दीप्ति माहेश्वरी को टिकट देकर भाजपा ने उपचुनाव लड़वाया था और दीप्ति माहेश्वरी चुनाव में जीत गई थी। इसके अलावा अन्य सभी सात विधानसभा सीटों के उपचुनाव में भाजपा की हार हुई थी। इतना ही नहीं भाजपा ने धरियावद से पार्टी विधायक गौतम लाल मीणा के निधन से हुए उपचुनाव में उनके बेटे कन्हैया लाल मीणा का टिकट काटकर खेत सिंह को चुनाव लड़वाया था।

राजस्थान में आगामी पांच दिसंबर को सरदारशहर विधानसभा उपचुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। उपचुनाव जीतने के लिए जहां प्रदेश में सत्तारुढ़ कांग्रेस पार्टी के नेता अपनी पूरी ताकत लगाए हुए हैं। वहीं मतदान से पूर्व ही भाजपा नेताओं ने हार मान ली है। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने पिछले दिनों बयान दिया था कि उपचुनाव में कांग्रेस जीतती है और मुख्य चुनाव में भाजपा जीतती है। पूनियां का कहने का आशय था कि राजस्थान में विधानसभा के जो उपचुनाव हुए हैं उनमें अधिकांश में कांग्रेस पार्टी जीती है। भाजपा सिर्फ राजसमंद विधानसभा सीट का ही उपचुनाव जीत पाई है। राजसमंद में भाजपा विधायक किरण माहेश्वरी के निधन होने से उनकी बेटी दीप्ति माहेश्वरी को टिकट देकर भाजपा ने उपचुनाव लड़वाया था और दीप्ति माहेश्वरी चुनाव में जीत गई थीं। इसके अलावा अन्य सभी सात विधानसभा सीटों के उपचुनाव में भाजपा की हार हुई थी। इतना ही नहीं भाजपा ने धरियावद से पार्टी विधायक गौतम लाल मीणा के निधन से हुए उपचुनाव में उनके बेटे कन्हैया लाल मीणा का टिकट काटकर खेत सिंह को चुनाव लड़वाया था। जहां भाजपा प्रत्याशी को कांग्रेस के पूर्व विधायक नगराज मीणा के हाथों हार का मुंह देखना पड़ा था। कांग्रेस ने जितने भी विधानसभा उपचुनाव जीते, उन सभी सीटों पर मृतक विधायकों के परिवारजनों को ही प्रत्याशी बनाकर सहानुभूति फैक्टर का फायदा उठाया था। जबकि भाजपा ऐसा करने में विफल रही। चूरू जिले की सरदारशहर सीट पर भाजपा ने पूर्व में चार बार चुनाव लड़ चुके अशोक पिंचा को अपना प्रत्याशी बनाया है। अशोक पिंचा एक बार 2008 में जीतने में सफल भी रहे थे। मगर उसके बाद लगातार हारते रहे हैं। हालांकि पिंचा ने उपचुनाव लड़ने के लिए मना कर दिया था। मगर पार्टी नेतृत्व ने उन्हीं पर भरोसा जताते हुए उन्हें चुनाव लड़ने के लिए मैदान में उतार दिया। सरदारशहर विधानसभा सीट भाजपा के लिए ज्यादा अच्छी नहीं मानी जाती है। भाजपा प्रत्याशी यहां सिर्फ दो बार जीते हैं। 1980 में मोहनलाल चुनाव जीते थे। मगर उनके निधन पर 1982 में हुए उपचुनाव में कांग्रेस के केसरी चंद बोहरा जीतने में सफल रहे थे। 2008 में भाजपा के अशोक पिंचा चुनाव जीते थे। इसके अलावा सरदार शहर में भाजपा कभी कोई चमत्कार नहीं दिखा पाई थी। कांग्रेस ने जहां सात बार जीते हुए विधायक भंवरलाल शर्मा की मृत्यु होने पर उनके बेटे अनिल शर्मा को मैदान में उतारा है। वहीं राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने लालचंद मुंड को प्रत्याशी बनाया है। नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी का प्रत्याशी आने से सरदार शहर में मुकाबला तिकोना माना जा रहा है। लालचंद मुंड जाट समाज से आते हैं तथा एक बार पूर्व में बसपा से चुनाव लड़ चुके हैं। वह पिछले पांच साल से डेयरी चेयरमैन हैं तथा पूर्व में सरपंच भी रह चुके हैं। अभी उनकी पत्नी सरपंच हैं। सरदारशहर विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक जाट मतदाताओं की संख्या है। ऐसे में यदि जाट मतदाता लालचंद मुंड के पक्ष में एकजुट हो जाते हैं तो चुनावी संघर्ष काफी कड़ा हो सकता है। कांग्रेस प्रत्याशी अनिल शर्मा ब्राह्मण समाज से हैं। अनिल शर्मा को गहलोत सरकार में राज्यमंत्री का दर्जा मिला हुआ था। उनके पिता भंवरलाल शर्मा राजस्थान ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष थे तथा राजस्थान में भैरोंसिंह शेखावत की सरकार में नहर मंत्री रह चुके थे। सरदारशहर से सात बार जीतकर भंवरलाल शर्मा राजस्थान के बड़े नेता माने जाते थे। कांग्रेस प्रत्याशी अनिल शर्मा को जहां सहानुभूति के वोट मिलने की पूरी संभावना है। वहीं वह स्वयं भी अपने पिता के साथ राजनीति में पूरी तरह से सक्रिय रहे हैं। क्षेत्र के मतदाताओं से उनकी सीधी पहचान है। राजस्थान में कांग्रेस की सरकार होने का भी उनको पूरा फायदा मिलेगा। अशोक शर्मा के नामांकन के वक्त स्वयं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मौजूद रहे थे। राजस्थान सरकार के कई मंत्री और विधायक सरदारशहर उपचुनाव जीतने के लिए पूरा जोर लगा रहे हैं। भाजपा प्रत्याशी अशोक पिंचा की स्वयं की छवि काफी साफ-सुथरी है। मगर उन्हें पार्टी की तरफ से भरपूर सहयोग नहीं मिल पा रहा है। केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को भाजपा प्रत्याशी अशोक पिंचा के चुनाव प्रभारी बनाए जाने के कारण वसुंधरा गुट के नेता ज्यादा सक्रिय नजर नहीं आ रहे हैं। अर्जुनराम मेघवाल सांसद बनने से पहले कुछ समय तक चूरु जिले के कलेक्टर रह चुके हैं। इसी कारण उनको सरदारशहर विधानसभा उपचुनाव की कमान दी गई है। अर्जुनराम मेघवाल बड़बोले किस्म के नेता हैं। इसलिए वह पार्टी नेताओं को एकजुट करने में सफल नहीं हो पा रहे हैं। अशोक पिंचा को पार्टी टिकट दिलाने में पूर्व सांसद रामसिंह कस्वां व विधानसभा में विपक्ष के उप नेता राजेंद्र राठौड़ की महत्वपूर्ण भूमिका थी। उन्होंने ही पिंचा को चुनाव लड़ने के लिए तैयार किया था। हालांकि प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद लगातार चुनाव में हारने के कारण सतीश पूनियां की छवि एक हारने वाले प्रदेश अध्यक्ष की बन चुकी है। इसी कारण प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां ने पिछले दिनों बयान भी दिया था कि यदि पार्टी के सभी नेता मिलकर मेहनत करेंगे तो हम उपचुनाव जीत सकते हैं। सरदार शहर में भाजपा की स्थिति मजबूत करने के लिए वसुंधरा सरकार में मंत्री रहे राजकुमार रिणवा व गहलोत सरकार में संसदीय सचिव रहे जयदीप डूडी को भाजपा में शामिल करवाया गया है। दोनों नेताओं को उपचुनाव में सक्रिय भूमिका देकर मेहनत करने की जिम्मेदारी दी गई है। राजकुमार रिणवा 2018 के विधानसभा चुनाव में टिकट कटने के कारण रतनगढ़ से निर्दलीय चुनाव लड़े थे और जमानत जब्त करवा बैठे थे। फिर वह कांग्रेस में शामिल हो गए थे। मगर वहां भी उन्हें महत्व नहीं मिला था। इस कारण वह काफी दिनों से भाजपा में आने का प्रयास कर रहे थे। मगर प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां ने उनकी घर वापसी रोक रखी थी। लेकिन विधानसभा उपचुनाव के कारण उनकी घर वापसी हो गई।

देश दुनीया से

घटती विकास दर के बावजूद उम्मीदें

भारतीय अर्थव्यवस्था से जुड़ी तीन खबरें अभी सुर्खियों में हैं। पहली, साल की दूसरी तिमाही में विकास की रफ्तार धीमी पड़ी है और जुलाई-सितंबर के दरम्यान विकास दर घटकर 6.3 फीसदी पर आ गई। दूसरी, विश्व बैंक ने कहा है कि विदेश में कमा रहे भारतीयों ने इस साल देश में रिकॉर्ड 100 अरब डॉलर भेजे। और तीसरी, विदेशी निवेशकों में बढ़ते विश्वास से भारतीय शेयर बाजार में तेजी कायम है और दिसंबर के पहले दिन भी इसने मजबूत शुरुआत की। क्या यह देश की आर्थिक सेहत के लिए सुखद है? इस प्रश्न का जवाब ढूंढ़ने से पहले हमें मुख्य आर्थिक सलाहकार वीए नागेश्वरन के बयान पर गौर करना चाहिए, जिन्होंने कहा है कि यह वक्त सावधानी से आगे बढ़ने का है। असल में, संकट के दौरान अर्थव्यवस्था लुढ़कती ही है और यह गिरावट जितनी तेज होती है, अगले साल उछाल उतनी ही अधिक दिखती है। इसी कारण 'विकास दर' के बजाय 'सकल घरेलू उत्पाद के स्तर' से तुलना करने की वकालत की जाती है और महामारी से पहले, यानी 2019-20 के बरअक्स आज हमारा विकास बहुत ज्यादा नहीं दिखता। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी अगली दोनों तिमाही में कम वृद्धि दर का अनुमान लगाया है। मगर चिंता की बात महज वृद्धि दर नहीं है। अर्थव्यवस्था में कई सेक्टर अब भी बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। फिर, कृषि को छोड़कर तिमाही के आंकड़ों में असंगठित क्षेत्र को शामिल नहीं किया जाता, जिसके कारण उसकी सही तस्वीर सामने नहीं आ पाती। हालांकि, इस बार कृषि के आंकड़े भी भरोसा नहीं जगा रहे। इस साल दूसरी तिमाही में पूर्वी भारत के कई हिस्सों में सूखे जैसी स्थिति थी। बिहार, बंगाल, ओडिशा जैसे कई धान-उत्पादक राज्यों में बुआई भी कम की गई। मगर, दूसरी तिमाही के आंकड़े बता रहे हैं कि कृषि में करीब साढ़े चार फीसदी की वृद्धि हुई है, जो समझ से परे है। दूसरी तिमाही के आंकडे. यह मुनादी कर रहे हैं कि संगठित क्षेत्र अब रफ्तार पकड़ने लगा है, लेकिन इसकी कीमत असंगठित क्षेत्र चुका रहा है, क्योंकि उसकी मांग संगठित क्षेत्र ने हड़प ली है। बावजूद इसके खनन और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में नकारात्मक वृद्धि चिंताजनक है। सर्विस सेक्टर ने अच्छा प्रदर्शन किया है, क्योंकि पिछले साल इसी तिमाही में कोरोना की दूसरी लहर में यह बमुश्किल सांस ले पा रहा था। हां, विमानन कंपनियां अब भी यात्रियों के मामले में 2019-20 के स्तर तक नहीं पहुंच सकी हैं। देखा जाए, तो शेयर बाजार में तेजी की बड़ी वजह यही है। रिजर्व बैंक ने भारतीय शेयर बाजार की 2,700 कंपनियों का जो आंकड़ा जारी किया है, उसके मुताबिक, इन कंपनियों की बिक्री में 41 फीसदी और लाभ में तकरीबन 20 प्रतिशत का उछाल आया है। इनके फायदे निवेशकों को लुभा रहे हैं। चूंकि बैंकों की ब्याज दर बढ़ने के बावजूद अब भी कम है, इसलिए संगठित क्षेत्र के वेतनभोगियों की बचत शेयर बाजार में पहुंच गई है। आंकड़ों की मानें, तो बैंकों से निकासी बढ़ी है, लेकिन उस अनुपात में पैसे जमा नहीं हो रहे। विदेशी निवेशक भी इसके आकर्षण से नहीं बच पाए हैं। स्थिति यह है कि अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देशों में बैंक-दर में वृद्धि के बावजूद तीन-साढ़े तीन फीसदी तक रिटर्न मिल पाता है, जबकि भारत में शेयर बाजार से 10 फीसदी तक रिटर्न संभव है। इससे यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि देश में सब कुछ बेहतर है। संगठित क्षेत्र अपने बूते यह सब नहीं कर रहा। पिछले कुछ महीनों में असंगठित क्षेत्र की कई कंपनियां दम तोड़ चुकी हैं। हिंदुस्तान युनिलिवर लिमिटेड की एक रिपोर्ट कहती है कि उनका मार्केट शेयर इसलिए बढ़ा, क्योंकि छोटी-छोटी कंपनियां परिस्थितियों से मुकाबला नहीं कर सकीं और उनकी मांग संगठित क्षेत्र के हिस्से में आ गई। यह सभी उद्योगों में हुआ है। पारले-जी बिस्कुट की बिक्री ही इसलिए बढ़ी, क्योंकि छोटी-छोटी कंपनियां प्रतिस्पद्र्धा से बाहर हो चुकी हैं। रही बात, विदेश से भारतीयों द्वारा भेजे जाने वाले धन की, तो मूलतः दो तबके को यह सहूलियत हासिल है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने भी अगली दोनों तिमाही में कम वृद्धि दर का अनुमान लगाया है। मगर चिंता की बात महज वृद्धि दर नहीं है। अर्थव्यवस्था में कई सेक्टर अब भी बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। फिर, कृषि को छोड़कर तिमाही के आंकड़ों में असंगठित क्षेत्र को शामिल नहीं किया जाता, जिसके कारण उसकी सही तस्वीर सामने नहीं आ पाती। हालांकि, इस बार कृषि के आंकड़े भी भरोसा नहीं जगा रहे। इस साल दूसरी तिमाही में पूर्वी भारत के कई हिस्सों में सूखे जैसी स्थिति थी। बिहार, बंगाल, ओडिशा जैसे कई धान-उत्पादक राज्यों में बुआई भी कम की गई। मगर, दूसरी तिमाही के आंकड़े बता रहे हैं कि कृषि में करीब साढ़े चार फीसदी की वृद्धि हुई है, जो समझ से परे है।

नागरिक बोध

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा राहुल सफलता के सोपान तय कर पाएंगे ?

कांग्रेस को उदासी से ज्यादा गुस्सा है। नेता पूछते है,आखिर मोदी को उन नीतियो के लिए कैसे इतना बड़ा समर्थन मिलता है। जिसे विपक्ष के लोग भारतीय लोकतंत्र और सेक्युलर ढांचे के खिलाफ मानते है। 1977 में इंदिरा गांधी को लोकसभा चुनाव में जनता पार्टी से भयंकर हार का सामना करना पड़ा और उनके हाथ से भी सत्ता निकल गई थी,तब न तो हताश हुई थी और न ही नाराज। उन्होंने हार को अवसर माना और वह फिर से पार्टी को खड़ा कर सके ताकि राजनीतिक स्तर पर ही लड़ाई लड़ कर राजनीतिक वापसी हो सके। उनका नौजवान बेटा संजय गांधी ,जिसने 1975 में इमरजेंसी लगवाने और जनता पर अनुशासन के नाम पर जुल्म ढाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। उन्होंने कांग्रेस की हार में अपनी भूमिका मानकर माफी मांग ली ।लेकिन हमने ऐसी कोई भी बात राहुल गांधी या सोनिया से नही सुनी,जबकि सोनिया गांधी की गैर मौजूदगी में कांग्रेस पार्टी के प्रभारी रहे हुए है। कांग्रेस के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पद भार संभालते ही मोदी पर अपशब्दों का प्रहार किया। और कांग्रेस की देश मे किरकिरी देखने को मिली। वैसे भी पी चिंदम्बर व्यक्तिगत रूप से मोदी की प्रशंसा कर चुके है तो उनके आलेखों में भी मोदी छाये रहते है। कांग्रेस के विचारों में बदलाव की जरूरत है। कांग्रेस ने 2014 में कहा था कि मोदी कभी प्रधानमंत्री नही बन सकता। ऐसा तंज और नरेंद्र मोदी के लिए अपमान की बोली कांग्रेसी नेताओं में ही नही, बल्कि लालू यादव और ममता बनर्जी में भी है। विपक्ष यह समझ नही पाता कि ऐसा तंज और अहंकार केवल मोदी और भाजपा को बढावा ही देता है। 2014 में लोकसभा चुनाव के बाद हार के बाद कांग्रेस ने एक कमिटी बनाई, किसका काम कांग्रेस की हार का पता लगाना था। रिपोर्ट में सामने आया कि कांग्रेस अल्पसंख्यको का तुष्टिकरण मतलब मुसलमान है। बहुमतवाद भारत के सेक्युलर चरित्र को खत्म कर देगा। भारत के सेक्युलर लोकतंत्र पर नरेंद्र मोदी की छाया में कोई खतरा नही है। कोई भी राजनीतिक दल भारतीय संविधान की प्रस्तावना को बदल नही सकता है।आज जयप्रकाश नारायण की हैसियत वाला कोई नेता नही है। भाजपा के विरोध में महागठबंधन बना लिया गया है तो भी मोदी की लोकप्रियता अभी खत्म नही हुई है। मोदी के जयकारों से देश दुनिया गुंजायमान होती है। राहुल ने हजारो किमी की भारत जोड़ो यात्रा कर दी है। एमपी के बाद आगामी दिनों में राजस्थान होते हुए हरियाणा पहुंचेगी। राहुल ने देश की जनता को मोदी विरोधी बयानों और नफरत का बीजारोपण ही कर रहे है। राहुल देश मे भय और नफरत फैली है उसको दूर करने और भारत जोड़ो यात्रा से खोई हुई राजनीति को वापस हासिल करने के लिए दौड़ रहे है। कांग्रेस की विचारधारा और विचारभेद के कारण देश मे नफरत के बीज बोये गए थे। कांग्रेस ने राम को तो नही माना और रावण के नाम पर भाजपा पर प्रहार किया जा रहा है। महागठबंधन की राह में जो बाधा है वह कांग्रेस पार्टी ही है। 137 वर्ष पुरानी पार्टी ने अपनी पहचान खत्म कर अपने को छोटा कभी नही होने देगी। कांग्रेस राहुल के लिए प्रधानमंत्री बनने के सपने से संजोए हुए है ।लेकिन राहुल इस पद के लिए तैयार है? क्योंकि पद त्याग करना उनकी विरासत से मिला हुआ । सोनिया ने भी प्रधानमंत्री का पद त्याग दिया था। मुसलमानो ने भाजपा को वोट किया था और मुस्लिम महिलाओं के एक वर्ग ने मोदी को वोट किया है।

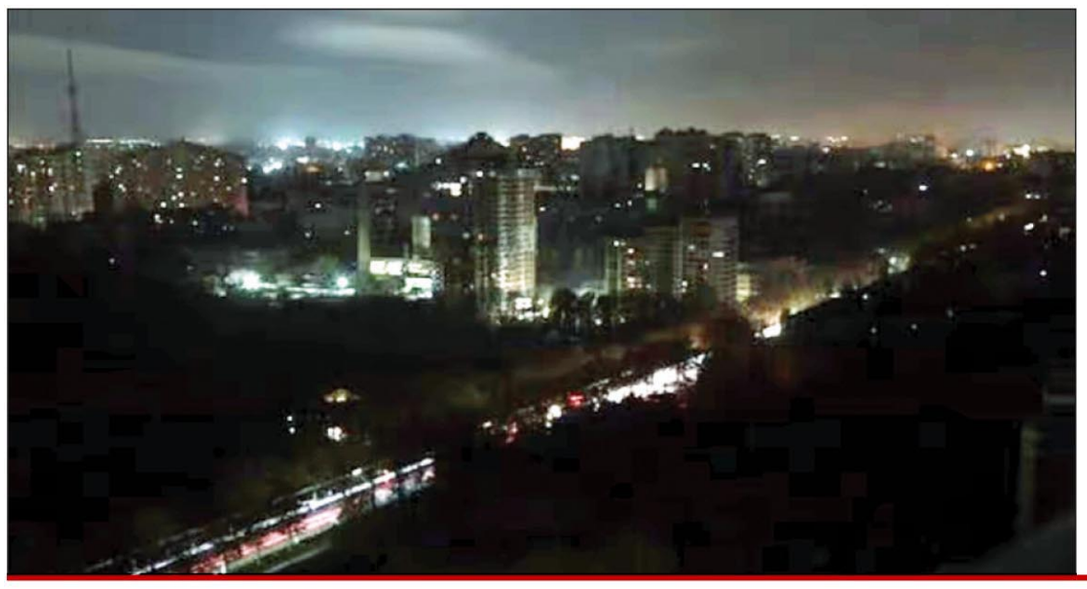

रूस ने धकेल दिया है ठंड और अंधकार में, यूक्रेन ने यूरोप से लगाई मदद की गुहार

कीव । रूस के लगातार जारी हमलों के कारण यूक्रेन में बिजली संकट ने भीषण रूप ग्रहण कर लिया है। पिछले हफ्ते रूस के मिसाइल हमलों के बाद लगभग पूरे यूक्रेन में 48 घंटों तक बिजली नहीं रही। बढ़ती ठंड के बीच इस संकट ने लोगों को बड़ी मुसीबत में डाल दिया है। इसे देखते हुए अब यूक्रेन ने यूरोपीय देशों से गुहार लगाई है कि वे प्राथमिकता के आधार पर उसके बिजली ग्रिड को बहाल करने में मदद दें। रूस ने हाल में अपने हमलों में मुख्य रूस से बिजली इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाया है। इसे देखते हुए अब अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा संगठन- एनर्जी कम्युनिटी ने सलाह दी है कि यूक्रेन को बिजली ग्रिड को विकेंद्रित कर देना चाहिए। इस क्रम में उसे बिजली सब-स्टेशन बनाने चाहिए। इन छोटे स्टेशनों पर हमला करना रूस के लिए कठिन होगा। पश्चिमी सहायक देशों ने कहा है कि उन्होंने बिजली उपकरणों की 37 खेप यूक्रेन के लिए रवाना की है। लेकिन उससे पूरे देश में बिजली बहाल करने में मदद मिलेगी, यह साफ नहीं है। इसीलिए यूक्रेन ने बिजली संबंधी को मदद को और प्राथमिकता देने की अपील यूरोपीय देशों से की है। ये अपील रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में नाटो (नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाजेशन) के विदेश मंत्रियों की हुई बैठक में की गई। 30 देशों के इस संगठन की बुखारेस्ट बैठक में यूक्रेन को ईंधन, जेनरेटर, मेडिकल सहायता और ठंड से बचाव की सामग्रियां देने पर विचार हुआ। यूक्रेन में स्थिति बेहद गंभीर है। यूक्रेन के पास कुछ उपकरण हैं, जिन्हें उसने युद्ध शुरू होने के पहले इकट्ठा किया था। लेकिन ये उपकरण बिजली ग्रिड की मरम्मत के लिहाज से काफी नहीं हैं।' लॉर्कोवस्की ने कहा कि यूक्रेन को अभी सबसे ज्यादा जरूरत ऐसे ट्रांसफॉर्मर्स की है, जिनका सब-स्टेशनों में इस्तेमाल हो सके। बीते अक्टूबर में रूसी हमलों के कारण यूक्रेन के बिजली ग्रिड को दो भाग में बांटना पड़ा था। उसके बाद से रूस ने दोनों ग्रिड को निशाना बनाया है। रूस के मुताबिक उसका मकसद यूक्रेन में बिजली की सप्लाई ठप कर देना है, ताकि वह बिना कठोर शर्त लगाए उसके साथ बातचीत करने के लिए राजी हो सके। यूक्रेन के नेशनल ग्रिड यूक्रेनेर्गो के मुताबिक इस मंगलवार को देश में बिजली की 30 फीसदी कमी रही।

न्यूज ब्रीफ

वित्तीय मुसीबत से निकलने की जद्दोजहद में जुटे श्रीलंका के सामने चुनौतियों का अंबार

कोलंबो । अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मंजूर 2.9 बिलियन डॉलर का कर्ज जारी न होने से श्रीलंका की आर्थिक संकट से उबरने की तमाम योजनाएं जहां की तहां अटकी हुई हैं। श्रीलंका के सेंट्रल बैंक ने कहा है कि कर्ज की ये रकम मिलने के बाद ही वह अपने विदेशी मुद्रा भंडार को फिर से खड़ा करने की दिशा में आगे बढ़ सकता है। बैंक के गवर्नर नंदलाल वीरासिंघे ने कहा है- 'जब आईएमएफ कर्ज जारी करेगा, तभी हम अपने भंडार को फिर से खड़ा करने की शुरुआत कर सकेंगे। आईएमएफ डिफॉल्टर (कर्ज चुकाने में अक्षम) हो चुके श्रीलंका को 2.9 बिलियन डॉलर का नया ऋण देने पर बीते सितंबर में राजी हुआ था। लेकिन अभी तक उसने रकम जारी नहीं की है। इस बीच श्रीलंका को अपने निर्यात, विदेश में रहने वाले श्रीलंकाइयों द्वारा भेजी जाने वाली रकम और पर्यटन उद्योग से जितनी विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है, उतने भर से ही जरूरी चीजों का आयात कर पा रहा है। बीते अप्रैल में जब श्रीलंका ने खुद को डिफॉल्टर घोषित किया था, तब उसके विदेशी मुद्रा भंडार में सिर्फ दो करोड़ डॉलर की रकम बची थी। फिलहाल, यह 30 करोड़ डॉलर है। वैसे आंकड़ों में यह बताया जाता है कि श्रीलंका के पास 1.7 बिलियन डॉलर की विदेशी मुद्रा है। लेकिन इसमें 1.4 बिलियन डॉलर रकम वह है, जो श्रीलंका को चीन से करेंसी स्वैपिंग (मुद्रा की अदला-बदली) के जरिए प्राप्त हुई है। इस रकम को श्रीलंका मनमर्जी से खर्च नहीं कर सकता, क्योंकि इस पर कई शर्तें लगी हुई हैं। विदेशी मुद्रा भंडार की सेहत बहाल करने के लिए श्रीलंका भरपूर कोशिश कर रहा है। उसका पहला मकसद उपलब्ध विदेशी मुद्रा को बढ़ाना है। इसके लिए आईएमएफ से कर्ज मिलना अनिवार्य है। उसके बाद ही किसी अन्य स्रोत से श्रीलंका को विदेशी मुद्रा मिल पाएगी। लेकिन आईएमएफ का कर्ज तभी मिलेगा, जब श्रीलंका अपने अन्य कर्जदाताओं को उनके ऋण लौटाने की नई समयसीमा पर राजी कर सकेगा।

अब समुद्री रास्ते से भी भारत को घेरने की कोशिश कर रहा चीन, जिबूती में बनाया सैन्य अड्डा

बीजिंग । चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। वह लगातार भारत को घेरने की कोशिश में लगा है। अब अमेरिकी अधिकारियों ने चीन के बारे में बड़ा खुलासा किया है। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने अफ्रीकी देश जिबूती में अपना सैन्य अड्डा स्थापित किया है। चीन के इस कदम से हिंद महासागर में भारत के लिए गंभीर चुनौतियां खड़ा होने का खतरा है। पेंटागन की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2016 से चीन जिबूती में सैन्य अड्डे का निर्माण कर रहा था। इस साल यह सैन्य अड्डा संचालित हो गया है। चीन यहां बड़े पैमाने पर एयरक्राफ्ट कैरियर, युद्धक पोत, पनडुब्बियां तैनात करने की तैयारी में है। जिबूती में चीनी सैन्य अड्डे की सैटेलाइट तस्वीरें भी सामने आई हैं। तस्वीरों में युझाओ क्लास लैंडिंग शिप देखा गया था। कहा जाता है कि इस शिप में बड़े पैमाने पर टैंक, ट्रक व अन्य हथियार लगाए जा सकते हैं। यह जहाज जमीनी व हवाई हमलों को नाकाम करने में सक्षम है। जानकारों की मानें तो जिबूती में सैन्य अड्डा रणनीतिक तौर पर बेहद खास है। इससे चीन की समुद्री ताकत का विस्तार हिंद महासागर से दक्षिण चीन सागर तक हो जाएगा।

चोर ने पकड़वाई थी दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति की चोरी, अब कुर्सी छिनने का मंडराया खतरा

जोहान्सबर्ग । फार्मगेट मामला सामने आने के बाद से दक्षिण आफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा की कुर्सी पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। बताया जा रहा है कि इस मामले में अब उनके खिलाफ महाभियोग चलाया जा सकता है। रामाफोसा पर अपने गेम फार्म के फर्नीचर में विदेशी करेंसी छिपाकर रखने का आरोप लगा है। विपक्षी दल के साथ-साथ सत्ता पक्ष के सांसद भी इसपर सवाल उठाने लगे हैं। विपक्षी डेमोक्रेटिक एलायंस के नेता जॉन स्टीनहुसेन ने कहा कि वह सरकार के विघटन पर वोट के लिए नेशनल असेंबली में एक प्रस्ताव पेश करेंगे और 2023 के लिए निर्धारित समय से पहले चुनाव कराने का आह्वान करेंगे। बता दें कि साल 2020 में पुलिस ने करोड़ों की विदेशी नकदी के साथ कुछ चोरों को पकड़ा था।

भारत को नाटो में शामिल करने की कोशिश में अमेरिका, रूस के विदेश मंत्री का बड़ा दावा

मॉस्को ।
क्या अमेरिका भारत को दक्षिण अटलांटिक संधि संगठन में शामिल कराना चाहता है भारत सरकार ने इसे बारे में अभी कुछ नहीं कहा है, लेकिन रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने यह दावा कर चौंका दिया है। लावरोव ने अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह भारत को नाटो में शामिल करना चाहता है और चीन को लेकर तनाव बढ़ाना चाहता है, लेकिन उसका मुख्य निशाना रूस है। असल में वह रूस के लिए खतरा पैदा करना चाहता है।

ताइवान में आग से खेल रहा नाटो

लावरोव ने यह भी कहा कि चीन उकसावे की इन हरकतों को गंभीरता से लेता है। उनका कहना था कि दक्षिण चीन सागर की तरह ही ताइवान में भी नाटो आग से खेल रहा है। यह रूस के लिए भी खतरा बन सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका व नाटो से तनाव बढ़ने के कारण ही रूस ने चीन के साथ सैन्य सहयोग तेज किया है।

यूरोप में विस्फोटक हालात पैदा कर रहे : लावरोव

रूसी विदेश मंत्री लावरोव ने कहा कि अमेरिका के नेतृत्व में नाटो यूरोप में विस्फोटक हालात पैदा कर रहे हैं। उन्होंने अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के बीच नए गठजोड़ ऑस्ट्रेलिया—यूके—यूएस का जिक्र कर कहा कि नाटो भारत को भी रूसी-विरोधी और चीन विरोधी गुट में घसीटने की कोशिश कर रहा है।

यूक्रेन के बाद चीन सागर तनाव का नया क्षेत्र

लावरोव ने मॉस्को में मीडिया से चर्चा में कहा कि चीन सागर अब तनाव वाला नया क्षेत्र बनकर उभर रहा है। इसके पीछे नाटो है। नाटो ने यूक्रेन में भी यही किया था। रूस के विदेश मंत्री ने आरोप लगाया कि नाटो देश मिल कर भारत को रूस और चीन के खिलाफ गुटबाजी में शामिल करना चाहते हैं। नाटो दक्षिण चीन सागर में तनाव बढ़ाने में लगा है, ताकि रूस की घेराबंदी व मुश्किलें बढ़ सकें।

प्राइस कैप नहीं थोप सकते पश्चिमी देश

यूक्रेन जंग के कारण अमेरिका व पश्चिमी देशों द्वारा रूस के तेल निर्यात पर प्रस्तावित प्राइस कैप का भी लावरोव ने विरोध किया। उन्होंने कहा कि हमें इसका कोई डर नहीं है। इस बारे में हम भारत और चीन जैसे सहयोगियों से बात करेंगे। कोई तीसरा पक्ष सजा देने के लिए यह तय नहीं कर सकता। यूक्रेन जंग में रूस को कमजोर करने के लिए जी7 के सदस्य देश रूसी कच्चे तेल पर प्राइस कैप लगाना चाहते हैं।

नाटो के 30 देश हैं सदस्य, विश्व का सबसे शक्तिशाली सैन्य संगठन

बता दें, नाटो विश्व का सबसे शक्तिशाली सैन्य गठबंधन है। इसकी स्थापना 4 अप्रैल 1949 को हुई थी। इसका मुख्यालय बेल्जियम के ब्रुसेल्स में है। यह सदस्य देशों का एक सामूहिक सुरक्षा संगठन है। इसके सदस्य देश बाहरी आक्रमण की स्थिति में सहयोग करने को वचनबद्ध हैं। वर्तमान में इसके 30 देश सदस्य हैं।

जॉर्जिया के शख्स को 33 माह की सजा, राष्ट्रपति बाइडन को मारने और व्हाइट हाउस उड़ाने की दी थी धमकी

जॉर्जिया । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को जान से मारने देने वाले शख्स को कोर्ट ने सख्त सजा सुनाई है। आरोपी ने राष्ट्रपति निवास व्हाइट हाउस उड़ाने की धमकी भी दी थी। उसे 33 माह की जेल व 7500 डॉलर का जुर्माना किया गया है। जॉर्जिया की जिला कोर्ट ने आरोपी ट्रैविस बॉल (56) को बुधवार को दोषी करार दिया। उसे 33 माह के कारावास और 7500 डॉलर के अर्थदंड की सजा सुनाई गई है। सजा पूरी होने के बाद उसे तीन साल तक निगरानी में रखने का भी आदेश दिया गया है। वह जॉर्जिया के बार्न्सविले का रहने वाला है। ट्रैविस बॉल मध्य जॉर्जिया जिले के मुख्य न्यायाधीश मार्क ट्रेडवेल ने दोषी ठहराया।

अमेरिकी अटॉर्नी पीटर डी. लेरी के अनुसार बॉल पर स्थानीय जजों और जांच एजेंसियों के अधिकारियों को हत्या की धमकी देने और मैकॉन में एक कोर्ट को सफेद पावडर (कथित एंथ्रेक्स पाउडर) भेजने का भी आरोप था। जांच के बाद उसे इनका भी दोषी मानकर सजा सुनाई गई है। एफबीआई अटलांटा के प्रभारी विशेष एजेंट केरी फार्ले ने कहा कि बॉल ने पत्र के साथ फर्जी एंथ्रेक्स पाउडर भेजकर नफरत को प्रकट किया है। बॉल अपनी पहचान छिपाने के इरादे से फर्जी नामों से अदालतों, जजों व अन्य अधिकारियों को धमकी भरे पत्र भेजता था।

हेट यू बाइडन, व्हाइट हाउस उड़ाने जा रहा हूं

जांच एजेंसी ने 23 मार्च 2021 को बॉल के निवास की पड़ताल में लैपटॉप व सफेद पेपर समेत कई ऐसी सामग्री जब्त की थी, जो धमकी के लिए इस्तेमाल सामग्री से मेल खाती थी। इसमें 8 मार्च 2021 को अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन को धमकी भरा पत्र लिखा था। इसमें उसने लिखा था हेट यू बाइडन मैं आपको और आपके परिवार तथा व्हाइट हाउस में रहने वाले सभी लोगों मारने जा रहा हूं! मैं एक साइको किलर हूं और व्हाइट हाउस को उड़ाने जा रहा हूं। सभी को मार डालूंगा! मैं मजाक नहीं कर रहा हूं! मुझे बंद कर दो या तुम सब मर जाओगे! व्हाइट हाउस के पत्राचार विभाग को 30 मार्च, 2021 को यह पत्र मिला था। इसे यूएस सीक्रेट सर्विस को सौंप दिया गया था।

यूएन में भारत ने कहा, हमने संयुक्त राष्ट्र के भीतर विभिन्न आवाजों को पाटने की कोशिश की

यूएन ।
सुरक्षा परिषद के निर्वाचित सदस्य के रूप में अपने दो साल के कार्यकाल के दौरान भारत ने संयुक्त राष्ट्र निकाय के भीतर विभिन्न आवाजों को पाटने का हर संभव प्रयास किया और देश उसी भावना को सामने लाएगा। यहां भारत की राजदूत रुचिरा कम्बोज ने गुरुवार को ये बात कही।

भारत ने गुरुवार को सुरक्षा परिषद की मासिक अध्यक्षता ग्रहण की। अगस्त 2021 के बाद दूसरी बार भारत ने निर्वाचित यूएनएससी सदस्य के रूप में अपने दो साल के कार्यकाल के दौरान परिषद की अध्यक्षता की है। परिषद में भारत का 2021-2022 का कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। कंबोज ने कहा, परिषद की हमारी सदस्यता के पिछले दो वर्षों में, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि हम जिम्मेदारियों को अच्छी तरह से निभा रहे हैं, और परिषद के भीतर विभिन्न आवाजों को पाटने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि जहां तक संभव हो विभिन्न मुद्दों पर परिषद एक सुर में बोलती है। हम अपने दिसंबर के लिए अध्यक्ष पद के लिए उसी भावना को लाएंगे। कंबोज ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में भारत के अध्यक्ष पद और मासिक कार्यक्रम पर संवाददाताओं को जानकारी दी। 14 और 15 दिसंबर को, विदेश मंत्री एस जयशंकर सुधारित बहुपक्षवाद और वैश्विक आतंकवाद विरोधी दृष्टिकोण और आगे बढ़ने की दिशा में एक नया अभिविन्यास बनाने पर परिषद में हस्ताक्षर कार्यक्रमों की अध्यक्षता करेंगे। कम्बोज ने कहा, यह बहुत स्पष्ट है कि आज का संयुक्त राष्ट्र की व्यापक सदस्यता की वास्तविक विविधता को प्रतिबिंबित करने से बहुत दूर है। उन्होंने कहा कि विश्व नेताओं द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार की मांग किए जाने के 22 साल बाद हम एक इंच भी आगे नहीं बढ़े हैं।

उत्तर कोरिया पर अमेरिका और जापान ने लगाए और प्रतिबंध, किम के ताजा मिसाइल परीक्षण बने वजह

टोक्यो । अमेरिका व जापान ने उत्तर कोरिया पर नई पाबंदियां लगा दी हैं। सैन्य शासक किम जोंग उन द्वारा किए गए ताजा बैलेस्टिक मिसाइल परीक्षण के मद्देनजर यह कार्रवाई की गई है। अमेरिका के बाइडन प्रशासन ने उत्तर कोरिया के तीन नेताओं पर पाबंदियां लगाईं। ये तीनों सामूहिक विनाश के शस्त्रों के विकास से जुड़े उत्तर कोरियाई संगठनों के नेतृत्वकर्ता हैं। वहीं, जापान ने उत्तर कोरिया के परमाणु हथियारों और मिसाइल कार्यक्रमों से जुड़ी तीन संस्थाओं और एक व्यक्ति पर प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी वित्त विभाग के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय ने आज वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया के तीन पदाधिकारियों पर पाबंदी की मंजूरी दी है। इन तीनों ने डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया में सामूहिक विनाश के हथियारों के बड़े पैमाने पर निर्माण का समर्थन किया। इन हथियारों में परमाणु हथियारों से संपन्न बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल हैं। यह कदम उत्तर कोरिया द्वारा 18 नवंबर को अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल दागने के मद्देनजर उठाया गया है। नार्थ कोरिया का इस साल बैलेस्टिक मिसाइल का यह आठवां परीक्षण था। अमेरिका व जापान ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य डीपीआरके को उसके गैर कानूनी शस्त्र विकास कार्यक्रम व

बैलेस्टिक मिसाइल परीक्षण से रोकना है। इनसे क्षेत्रीय स्थिरता को खतरा है। अमेरिका का उत्तर कोरिया के शस्त्र कार्यक्रम के खिलाफ त्रिपक्षीय कार्रवाई कर रहा है। वह डीपीआरके के गैरकानूनी हथियार कार्यक्रम और बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षणों में अग्रणी भूमिका निभाने वाले अधिकारियों के खिलाफ दक्षिण कोरिया और जापान के साथ मिलकर कठोर कदम उठा रहा है। अमेरिका के आतंकवाद और वित्तीय खुफिया विभाग के अवर सचिव ब्रायन ई. नेल्सन ने कहा कि उत्तर कोरिया के ताजा परीक्षणों को देखते हुए सभी देशों को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों को पूरी तरह से लागू करने के लिए आगे आना चाहिए। उत्तर कोरिया ने दर्जनों मिसाइल परीक्षण किए हैं। इस साल की शुरुआत के बाद से ही कुछ मौकों पर एक साथ कई मिसाइलें दागी गई हैं। पिछले महीने, उत्तर कोरिया ने 20 से अधिक कम दूरी की मिसाइलें दागीं।

ब्रिटिश शाही महल में गरमाया नस्लवाद का मुद्दा

विलियम के दफ्तर ने दी सफाई, लेडी सुसान ने दिया इस्तीफा

लंदन । ब्रिटेन का शाही महल एक बार फिर से नस्ली टिप्पणी को लेकर विवादों में है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बकिंघम पैलेस की एक सदस्य 83 वर्षीय लेडी सुसान हसी (गॉडमदर) पर नस्ली टिप्पणी करने का आरोप है। मामले का खुलासा होने के बाद शाही परिवार की सदस्य को इस्तीफा देना पड़ा है। ब्रिटिश मीडिया के मुताबिक, शाही परिवार की इस सदस्य ने शाही महल से जुड़ा काम करने वाली एक अश्वेत महिला से बार-बार उसके मूल स्थान को लेकर सवाल पूछा था। इसके बाद प्रिंस विलियम के दफ्तर को सफाई देनी पड़ी कि नस्लवाद का हमारे समाज में कोई स्थान नहीं है। लेडी सुसान ने काम करने आई अश्वेत महिला नगोजी फुलानी से बार-बार पूछा कि वह अफ्रीका के किस हिस्से से आई है जबकि उस महिला ने अपने ब्रिटिश होने की जानकारी दी और बताया कि वह हैकनी में पैदा हुई थी। सुसान ने इस पर

भरोसा करने से इनकार कर दिया और सवाल पूछना जारी रखा। नगोजी फुलानी घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिए चैरिटी का काम करती हैं। प्रिंस विलियम के दफ्तर ने कहा है कि ये टिप्पिणियां अस्वीकार्य थीं। इस घटना ने प्रिंस और वेल्स की राजकुमारी की बोस्टन यात्रा के पहले दिन महल में संस्थागत नस्लवाद के आरोपों को फिर से हवा दे दी। यह घटना ब्रिटेन की महारानी कैमिला के कार्यक्रम में हुई। इस कार्यक्रम का आयोजन घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं को लेकर किया गया था। 83 साल की प्रिंस विलियम की गॉड मदर लेडी सुसान हसी भी इस कार्यक्रम में शामिल हुई थी।

ऐसी टिप्पणी पर हमें खेद है : शाही महल - शाही महल के प्रवक्ता ने कहा कि इस मामले की जांच की जा रही है। प्रवक्ता के मुताबिक, इस तरह के मामलों को बिल्कुल स्वीकार नहीं किया जा सकता है। इस तरह की टिप्पणी पर हमें खेद है। हम नागोजी से मिलने की कोशिश कर रहे हैं। यदि वह चाहें तो इस मामले पर व्यक्तिगत रूप से हमें अपने बुरे अनुभव बता सकती हैं। हालांकि प्रवक्ता ने इस दौरान उसका नाम नहीं लिया जिस पर नस्ली टिप्पणी करने का आरोप है। प्रवक्ता ने कहा कि उस सदस्य ने माफी मांगने की इच्छा जाहिर की है और उन्हें इस बात पर अफसोस है कि उनकी टिप्पणी से किसी को तकलीफ हुई है।

पहला नस्ली मामला नहीं - ब्रिटेन के शाही महल में नस्लभेद का यह कोई पहला मामला नहीं है। किंग चार्ल्स के छोटे बेटे प्रिंस हैरी की पत्नी मेगन मर्केल ने भी आरोप लगाया था कि महल में उन पर नस्लभेदी टिप्पणी की गई थी। मेगन ने कहा था कि उनके गर्भवती होने के दौरान महल के लिए काम करने वाले सदस्य ने उनके बच्चे के रंग को लेकर सवाल किए थे। लोगों को यह चिंता थी कि कहीं बच्चे का रंग अश्वेत न हो जाए।

कश्मीरी पंडित कर्मचारियों से मिलने पहुंची महंत रुबीना

जम्मू। लक्षित हत्याओं के बाद घाटी से वापिस जम्मू पहुंचे कश्मीरी पंडित कर्मचारियों ने जम्मू के सुरिक्षत वातावरण में अपने स्थानांतरण की मांग को लेकर राहत आयुक्त कार्यालय पर अपना विरोध जारी रखा। इस दौरान कर्मचारियों से मिलने महंत रुबीना पहुंचे। पत्रकारों से बात करते हुए महंत रुबीना ने कहा की पंडितो की मांग बिल्कुल सही है। सरकार को इस फैसले पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। वे कनाल रोड स्थित राहत आयुक्त के कार्यालय में इकट्ठे हुए और जम्मू स्थानांतरित करने की अपनी मांग को लेकर दबाव बनाने के लिए धरना दिया। घाटी में उनके पुनर्वास के एक हिस्से के रूप में लगभग 4,000 कश्मीरी पंडितों को पीएम के रोजगार पैकेज के तहत कश्मीर के विभिन्न सरकारी विभागों में नियुक्त किया गया था। प्रदर्शनकारियों में से एक ने कहा कि हम सरकार से सभी पंडित कर्मचारियों को कश्मीर से जम्मू स्थानांतरित करने का अनुरोध कर रहे हैं, क्योंकि वहां का माहौल हम लोगों के अनुकूल नहीं है। हम बलि का बकरा नहीं बनना चाहते हैं और बंदूकधारी आतंकवादियों को हमें मारने और हमारे परिवारों को बर्बाद करने की अनुमति नहीं देना चाहते हैं। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने इस पूरे मामले में उपराज्यपाल के हस्तक्षेप की उम्मीदत की थी, लेकिन उल्टा हमारा वेतन रोक दिया गया है।

राजस्थान सरकार-गुर्जरों में समझौता

युवा किसी का झंडा उठाकर न चले : बैंसला

जयपुर। गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति और सरकार के बीच चौथे दिन समझौता हो गया है। सरकार ने गुर्जरों की आरक्षण से जुड़ी सभी मांगें मान ली हैं। समझौते के बाद विजय बैंसला ने कहा कि हमारी मांगे मान ली गई हैं, अब राहुल गांधी की यात्रा का स्वागत है। बता दें कि गुर्जर नेता विजय बैंसला ने मांगें नहीं मानने पर राहुल गांधी की यात्रा का विरोध करने की घोषणा की थी। विजय बैंसला की धमकी के बाद गहलोत सरकार ने उन्हें वार्ता के लिए बुलाया। चार वार्ता के बाद आखिरकार गुर्जरों और राजस्थान सरकार में समझौता हो गया। गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल और सरकार के बीच समझौता में सभी मांगों पर सहमति बनी। सरकार अब एक कमेटी बनाएगी। यह कमेटी एक महीने के अंदर मोस्ट बैकवर्ड क्लास (एमबीसी) के अभ्यर्थियों की पोस्टिंग को लेकर समाधान करेगी। समझौते के बाद विजय बैंसला ने इशारों-इशारों में सचिन पायलट पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मैं पूरे एमबीसी समाज और खासकर युवाओं को कहना चाहता हूं कि दूसरों के झंडे उठाना बंद करें। अपनी पढ़ाई के

झंडे उठाएं वरना अगला आदमी तो अपना झंडा उठाकर आगे चला जाएगा। आपके हाथ में केवल डंडा रह जाएगा। वो डंडा आपको कहीं आगे लेकर नहीं जाएगा। देवनारायण गुरूकुल योजना को फंक्शनिंग में लाने, योजना की अनियमितताएं दूर करने, स्टूडेंट्स को सुविधाएं उपलब्ध कराने, जिन स्कूलों में देवनारायण योजना के तहत बच्चे नहीं पढ़ रहे हैं, उन स्कूलों को भी योजना के तहत भुगतान होने पर सहमति बनी है। गुर्जर नेता साल 2019 और 2020 में हुए समझौते के बिंदु लागू करने की मांग कर रहे थे।

गोल्डी को जल्द पंजाब लाकर करेंगे पूछताछ : सीएम

चंडीगढ़ (हि.स.)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के मास्टर माइंड गोल्डी बराड़ की गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए कहा है कि बराड़ को जल्द ही भारत लाया जाएगा। सीएम मान ने कहा कि पंजाब का मुख्यमंत्री होने के नाते वह गोल्डी बराड़ की गिरफ्तारी की पुष्टि करते हैं। आज सुबह ही गोल्डी बराड़ को अमेरिका में गिरफ्तार कर लिया गया है। गोल्डी बराड़ पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में वांछित अपराधी है। इस हत्या की प्लानिंग विदेश में बैठे गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने लॉरेंस के साथ मिलकर प्लान की थी। मूसेवाला के पिता लगातार यह मांग करते रहे हैं कि गोल्डी बराड़ को गिरफ्तार किया जाए। मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह ने दो दिन पहले बराड़ पर दो करोड़ के इनाम का भी ऐलान किया था। इस बीच शुक्रवार सुबह बराड़ की गिरफ्तारी की खबर आ गई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि पंजाब पुलिस इस मामले को लेकर लगातार राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों के संपर्क में है। गोल्डी बराड़ को भारत लाया जाएगा। उसके बाद पंजाब पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ करेगी। मान ने दावा किया कि बहुत जल्द पंजाब में गैंगस्टर कल्चर खत्म होगा। ये गैंगस्टर विदेश में बैठे हैं इसलिए थोड़ा समय लग रहा है। मान ने कहा कि पंजाब में सामाजिक भाईचारे को हर हाल में कायम रखा जाएगा। गैंगस्टर विदेश में बैठकर लूटपाट, फिरौती, हत्या का खेल खेलते हैं। मान ने कहा कि पंजाब सरकार ने गोल्डी बराड़ का पहले रेड कार्नर नोटिस जारी करवाया। इसके बाद वह पकड़ा गया है और अब जल्द उसे पंजाब लाकर पूछताछ की जाएगी।

पंजाब में लगातार दूसरे दिन 35 करोड़ की हेरोइन बरामद

चंडीगढ़ (हि.स.)। बीएसएफ व पंजाब पुलिस शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन तरनतारन में खेत से ड्रोन बरामद किया है। जिस समय ड्रोन को कब्जे में लिया गया, उसके साथ हेरोइन की खेप भी बंधी हुई थी। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शुक्रवार को ट्वीट करके यह जानकारी दी। उन्होंने बताया है कि तरनतारन के सरहदी इलाकों में पंजाब पुलिस व बीएसएफ की तरफ से साझा सर्च ऑपरेशन चलाया गया। सरहद के पास ही यह ड्रोन खेतों में क्रैश मिला। ड्रोन को कब्जे में लिया गया। ड्रोन को किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ है। अनुमान लगाया जा रहा है कि शायद बैटरी खत्म होने के बाद यह ड्रोन खेत में लैंड हो गया। पुलिस के अनुसार यह एक हैक्सा कॉप्टर ड्रोन है। इसके साथ 5 किलो हेरोइन की खेप बंधी हुई थी।

लंबित वेतन को नियमति करने की मांग को लेकर पीएचई कर्मियों का प्रदर्शन जारी

जम्मू। अपने लंबित वेतन को नियमति करने और जारी करने की मांग को लेकर पीएचई कर्मियों ने आज पी.एच.ई. मुख्यालय के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी डेली वेजर्स ने एलजी प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कार्यालय के सामने धरना दिया और मांगें माने जाने तक संघर्ष जारी रखने की घोषणा की। वे अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाते हुए विभाग में कार्यरत दैनिक वेतनभोगियों के नियमितिकरण के लिए एसआरओ-64 लागू करने का दबाव बना रहे थे। पत्रकारों से

बात करते हुए प्रदर्शनकारियों ने पिछले कई महीनों से हम यहां अपने मुद्दों के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन ने मुद्दों के प्रति असंवेदनशील रवैया अपनाया है। कोरोना महामारी के दौरान, हमें पीएम मोदी द्वारा कोरोना योद्धा के रूप में नामित किया गया था, लेकिन आज सरकार हमारे मुद्दों को हल नहीं कर रहा है। प्रदर्शनकारी डेली वेजर्स ने कहा कि जब वे अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर आते हैं, प्रशासन ने उन पर लाठियां बरसाते हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जम्मू के पीएचई डेली वेजर्स के नियमतीकरण के लिए एसआरओ-64 को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। सरकार ने पहले कहा था कि वे हमारे लिए न्यूनतम मजदूरी अधिनियम लागू करने जा रहे हैं, लेकिन उन्होंने इसके लिए कुछ नहीं किया। स्थानीय शासन हमें धोखा दे रहा है और हम उनके बहाने नहीं सुनना चाहते। जब तक सरकार हमें स्थायी कर्मचारी नहीं बना देती, तब तक हम अपना विरोध प्रदर्शन बंद नहीं करेंगे।

अमरिंदर, जाखड़ व राणा भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल

चंडीगढ़(हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी ने पंजाब में बड़ा दांव खेल दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह समेत कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में आने वालों को सीधे पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में स्थान दिया गया है। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कांग्रेस को अलविदा करते हुए पंजाब लोक कांग्रेस का गठन किया था। चुनाव में पीएलसी कोई ज्यादा कमाल नहीं दिखा पाई। इसके बाद अमरिंदर सिंह ने अपनी पार्टी का भाजपा में विलय कर लिया था। इस बीच पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़, अमरिंदर सरकार में मंत्री रहे राणा सोढ़ी समेत कई नेता भाजपा में शामिल हुए। भाजपा द्वारा जारी पत्र में दी गई जानकारी के मुताबिक पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह, पूर्व सांसद सुनील जाखड़ को भाजपा ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सदस्य नियुक्त किया है।

ध्वनि प्रदूषण से संबंधित कानून के तहत होगा मुकदमा दर्ज : विकास अरोड़ा

फरीदाबाद (हि.स.)। शादी-ब्याह का सीजन शुरु होते ही शहर में ध्वनि प्रदूषण भी बढ़ने लगा है। ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ अब पुलिस प्रशासन ने सख्ती से निपटने की तैयारी कर ली है। इसी कड़ी में पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा के द्वारा रात्रि के देर रात तक डीजे व लाउडस्पीकर बजाने से स्टूडेंट बीमार व्यक्ति और आने जाने वालों की परेशानी को देखते हुए सभी

थाना और चौकी प्रभारियों को रात्रि दस बजे के बाद डीजे बजाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई करने के दिशा निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि रात्रि के समय डीजे से स्टूडेंट व आने जाने वाले लोगों की परेशानी को देखते हुए रात्रि के समय डीजे बजाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सभी वाटिका मालिकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपनी वाटिका और बैंकट हॉल उचित पार्किंग का प्रबंध करें। वाहनों की सुरक्षा के लिए गार्ड और सीसीटीवी कैमरा लगवाना सुनिश्चित करें। वाटिका और बैंकट हॉल के सामने अगर वाहन रोड पर खड़े मिली तो चालान किए जाएंगे और वाटिका और वेंकट हॉल संचालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस टीम द्वारा उच्च अधिकारियों के आदेश पर यातायात को प्रभावित करने वाले व्हीकल जो हो राष्ट्रीय राजमार्ग पर साइड में खड़े रहते हैं। जिनके कारण यातायात प्रभावित होता है और एक्सीडेंट होने की संभावना बनी रहती है के खिलाफ चालान किए जा रहे हैं तथा मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं।

शिवसेना ने टोल वसूली को बंद करने की उठाई मांग

जम्मू। शिवसेना जम्मू-कश्मीर ईकाई ने जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण को लेकर जारी निर्माण एवं मरम्मत कार्यों के दौरान इस सड़क मार्ग पर टोल वसूली बंद करने की मांग की है। पार्टी प्रदेश मध्यवर्ती कार्यालय में आयोजित एक पत्रकारवार्ता में प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने कहा का जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के बाद प्रदेश की जनता पर टोल प्लाजा थोपें जा रहे हैं। साहनी ने कहा पिछले कुछ समय से जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग काफी खस्ता हालत में है। हर दो से पांच किलोमीटर के बाद निर्माण एवं मरम्मत का काम जारी है, जिससे सड़क की हालात काफी दयनीय बनी हुई है। इस मार्ग पर वाहन चालकों, और सड़क किनारे बसे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। साहनी ने कहा कि बेहतर सड़कों की सुविधाओं के बदले जनता से टोल वसूली की जाती है और जब तक सड़कें बेहतर नहीं होती टोल वसूली अवैध है। साहनी ने सरोवर और बन टोल प्लाजा के बीच दूरी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि 60 किलोमीटर के मानदंड की भी धज्जियां उड़ाई गई है। साहनी ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल एवं नैशनल हाईवे अथोरिटी से जम्मू पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोल की संख्या कम करने के साथ मरम्मत एवं विस्तारीकरण का काम जारी रहने तक लखनपुर, सरोर तथा बन टोल प्लाजा पर वसूली को बंद करने की मांग की है। वहीं उन्होंने कहा कि धार्मिक यात्रा पर श्री माता वैष्णोदेवी को आने वाले बाहरी राज्यों के श्रद्धालुओं से टोल वसूली नहीं की जानी चाहिए।

हरियाणा के विधायक सीखेंगे अर्थशास्त्र की बारीकियां

चंडीगढ़ (हि.स.)। हरियाणा विधानसभा की ओर से 5 दिसंबर को विधायकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने शुक्रवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों को बताया कि इस सत्र में विधायकों को बजट में प्रस्तावित अनुदानों के अध्ययन करने के वैज्ञानिक तरीके और राज्यों में वित्तीय प्रबंधन की बारीकियां सिखाई जाएंगी। पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च के सीनियर एनालिस्ट साकेत सूर्य और कार्यक्रम अधिकारी मानस गुब्बी दो सत्रों में यह प्रशिक्षण देंगे। इस दौरान विधायकों की शंकाओं का समाधान किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि बजट में संबंधित विभागों की अनुदानों की मांगों का अध्ययन करने के लिए गत बजट सत्र में विभागीय स्थायी समितियों का गठन किया गया था। इन समितियों ने बजट प्रावधानों का काफी बारीकी से अध्ययन किया। प्रदेश के बजट को अंतिम रूप देने में इन समितियों ने काफी अहम भूमिका निभाई थी। इस कार्य को और प्रभावी बनाने के लिए विधानसभा निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों में भी संशोधन किया गया है। अब नियमों का विस्तार कर इनमें 190-क से 190-ट तक 11 नए नियम जोड़े गए हैं।

यूथ फेस्टिवल के आखिरी दिन जीजेयू के बाहर हंगामा

हिसार। हिसार की गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी में आयोजित 10वें यूथ फेस्टिवल के आखिरी दिन शुक्रवार को फिर हंगामा हो गया। सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थियों ने जीजेयू के मेन गेट के सामने एकत्रित हो कर

जीजेयू प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। पिछले तीन दिन लगातार शरारती तत्वों ने मुख्य सभागार में हुड़दंगबाजी की है। कुर्सियां व ग्रिल तक तोड़ी गई है। इस कारण जीजेयू ने आउटसाइडर विद्यार्थियों की एंट्री बंद कर दी। शुक्रवार सुबह आठ बजे सैकड़ों विद्यार्थी जीजेयू में प्रवेश करने लगे तो सुरक्षाकर्मियों ने मेन गेट बंद कर दिया। सुरक्षा कर्मियों ने विद्यार्थियों को कॉलेज और यूनिवर्सिटी का आई कार्ड दिखाने को कहा। आईकार्ड मांगने पर विद्यार्थियों में मौजूद कुछ शरारती तत्वों ने हंगामा कर दिया। उन्होंने जीजेयू के बैरिकेट्स भी तोड़ दिए। मेन गेट को भी तोड़ने की कोशिश की गई। इसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शरारती तत्वों को वहां से भगा दिया। इसके बाद कई छात्र नेता वहां पर पहुंचे। विद्यार्थियों ने पुलिस को विश्वास दिलाया कि वे अंदर जाकर हूटिंग नहीं करेंगे। करीब तीन घंटे तक हंगामा हुआ जिसके बाद 11 बजे जीजेयू का मेन गेट खोला गया।

मानसी की मौत के मामले में चार के खिलाफ केस

यमुनानगर(हि.स.)। गुरु नानक गर्ल्स कॉलेज में गुरुवार को कालेज की दूसरी मंजिल से गिरने से हुई मानसी की मौत के लिए परिजन ने तीन लड़कियों व एक लड़के पर तंग करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजन को सौप दिया। पुलिस ने आरोपित चारों के खिलाफ धारा 306 के तहत केस दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है। मृतक की मां ममतेस ने बताया कि अंजलि,भारती, शिवानी व अमित मेरी बेटी को तंग कर रहे थे। घटना की सुबह उसका फोन आया तो वह डरी हुई और परेशान थी। बता दें कि गुरुवार दोपहर को जीएनजी कॉलेज से पास आउट मानसी की कालेज की दूसरी मंजिल से गिरने से मौत हो गई थी। उसने एमएलएन कॉलेज में एम.ए इकोनॉमिक्स में दाखिला लिया हुआ था। वह गुरुवार को सुबह जीएनजी कॉलेज में आई थी।

हाड़ौती की सात विधानसभाओं से होकर गुजरेगी राहुल की भारत जोड़ो यात्रा

जयपुर (हि.स.)। कन्याकुमारी से कश्मीर को जाने वाली राहुल गांधी की *भारत जोड़ो यात्रा* चार दिसंबर को राजस्थान में प्रवेश करेगी। यात्रा राजस्थान में सबसे पहले कोटा संभाग के झालावाड़ जिले में पहुंचेगी। यात्रा जिन 7 विधानसभाओं से होकर गुजरेगी, उनमें से 5 पर भाजपा का कब्जा है। जहां से राहुल का कारवां गुजरेगा उन विधानसभा क्षेत्रों में 3 नुक्कड़ सभाएं भी आयोजित होगी। खास बात ये कि सभाओं के लिए जिन स्थानों को चयनित किया गया है, वहां भाजपा के विधायक हैं। 7 सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 4 दिसंबर को राजस्थान पहुंचने की संभावना है। राहुल गांधी फिलहाल उज्जैन से निकल चुके हैं और आगर मालवा क्षेत्र में रहेंगे। यहां से वे चवली नदी को पार कर राजस्थान के झालावाड़ जिले और झालरापाटन विधानसभा से राजस्थान में प्रवेश करेंगे। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राजस्थान में वे सबसे लंबा सफर पैदल तय करेंगे। राहुल गांधी यहां 15 से 18 दिनों में 521 किलोमीटर की यात्रा करेंगे। इस दौरान वे 7 जिलों झालावाड़ा, कोटा, बूंदी, सवाईमाधोपुर, टोंक, दौसा और अलवर की 18 विधानसभाओं से गुजरेंगे। यात्रा के दौरान टोंक जिले में सिर्फ 5-6 किलोमीटर का हिस्सा कवर होगा। हाड़ौती संभाग में कुल 218 किलोमीटर की यात्रा निकलेगी। जिसमें कांग्रेस विधायकों का क्षेत्र महज 28 किलोमीटर का है। इसमें सांगोद विधानसभा का 13 और कोटा उत्तर का 15 किलोमीटर का क्षेत्र पड़ेगा। वहीं, झालावाड़ यानी पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के गढ़ से राहुल गांधी यात्रा की शुरुआत कर रहे हैं। इस पूरे जिले में कांग्रेस के पास एक भी सीट नहीं है। यहां की चारों विधानसभाओं पर भाजपा का कब्जा है। साथ ही वसुंधरा राजे के बेटे दुष्यंत सिंह इस क्षेत्र से सांसद हैं। राहुल गांधी की यात्रा का पूरा विस्तृत कार्यक्रम जारी हो चुका है। पहले कोटा में कोचिंग छात्रों से संवाद का कार्यक्रम बताया जा रहा था, लेकिन राहुल गांधी के कार्यक्रम में इसका जिक्र नहीं है। झालरापाटन, लाडपुरा और केशोरायपाटन में नुक्कड़ सभाओं का आयोजन किया जाएगा। बताया गया कि यह यात्रा कोटा संभाग के झालावाड़ा जिले के झालरापाटन, कोटा के रामगंजमंडी, सांगोद, लाडपुरा, कोटा उत्तर और बूंदी के केशोरायपाटन विधानसभा से होकर गुजरेगी। इसमें महज सांगोद और कोटा उत्तर सीट पर ही कांग्रेस का कब्जा है। शेष सभी पांचों सीटों पर भाजपा के विधायक हैं। यात्रा कार्यक्रम के मुताबिक राहुल गांधी 5 दिसंबर को झालरापाटन विधानसभा क्षेत्र के चंद्रभागा चौराहे पर पहली नुक्कड़ सभा को संबोधित करेंगे तो उनकी दूसरी सभा 7 दिसंबर को लाडपुरा विधानसभा क्षेत्र के नेशनल हाईवे 52 पर सासा रिसोर्ट के पास होगी। इसके अलावा 11 दिसंबर को लाखेरी रेलवे स्टेशन के नजदीक तीसरी सभा होगी। बताया जा रहा है कि इस दौरान राहुल गांधी निर्धारित रूट पर पड़ने वाले मंदिरों में भी दर्शन के लिए जा सकते हैं। राहुल गांधी मध्य प्रदेश से राजस्थान में नेशनल हाईवे 552 जी (उज्जैन से झालावाड़) से झालावाड़ जिले के चवली में प्रवेश करेंगे। इसके बाद यह काफिला झालावाड़ हाईवे पर पहुंचेगा। जिसके बाद नेशनल हाईवे 52 पर झालावाड़ से कोटा के लिए रवाना होगा। कोटा से सवाई माधोपुर के लिए मेगा हाईवे (कोटा से दौसा लालसोट) पर गुजरेगा। मेगा हाईवे और नेशनल हाईवे टाइगर रिजर्व के नजदीक से निकल रहे हैं। ऐसे में कोटा जिले के मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व, बूंदी जिले के रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व और सवाई माधोपुर के रणथंभौर टाइगर रिजर्व के नजदीक से राहुल गांधी की यात्रा निकलेगी। मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व के बीच से नेशनल हाईवे 52 निकल रहा है।

भाजपा ओबीसी मोर्चा ने मनाया नड्डा का जन्मदिन, बच्चों में बांटी गईं मिठाइयां

जम्मू। ब्रह्म ज्योत सत्ती, अध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा जम्मू-कश्मीर के निर्देश पर भाजपा ओबीसी मोर्चा ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का जन्मदिन मनाया और जम्मू पश्चिम क्षेत्र में बच्चों के बीच मिठाई, कैंडी वितरित की। कार्यक्रम का आयोजन अशोक सलगोत्रा (जिला महासचिव भाजपा ओबीसी मोर्चा) द्वारा किया गया। विक्की पांडे मंडल प्रधान, मोहिंदर वर्मा, वेद प्रकाश,

बुधवीर, रवि आदि मौजूद थे। कार्यक्रम में उन्होंने बच्चों के बीच टॉफी और मिठाई बांटी और उन्हें जगत प्रकाश नड्डा के जीवन संघर्ष, उपलब्धियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा सबसे सम्मानित, कुशल और रणनीतिकार नेता हैं। वे आपके अच्छे स्वास्थ्य और जेपी नड्डा के लंबे जीवन की कामना करते हैं। इस पर बोलते हुए ब्रह्म ज्योत ने इस विशेष अवसर पर शुभकामनाएं दीं और कहा कि जेपी नड्डा ने भाजपा के प्रति अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से कई मील के पत्थर हासिल किए हैं। उन्होंने कहा कि जगत प्रकाश नड्डा (जन्म 2 दिसंबर 1960) एक भारतीय वकील और राजनेता हैं जो 20 जनवरी 2020 से भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष के रूप में सेवारत हैं। वह जून 2019 से जनवरी 2020 तक भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष थे। भाजपा के राष्ट्रीय पार्टी अध्यक्ष। अपने पहले कार्यकाल के दौरान, उन्होंने 1994 से 1998 तक हिमाचल प्रदेश विधान सभा में अपने पार्टी समूह के नेता के रूप में कार्य किया। वह अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और संसदीय मामलों के मंत्री थे।

पहले ही दिन हुआ 1.71 करोड़ का लेन-देन चार बैंकों में मिलेगी ई-रुपये की सुविधा

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक ने देश के चार प्रमुख शहरों दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और भुवनेश्वर में डिजिटल रुपये के पायलट परीक्षण की शुरुआत कर दी है। प्रोजेक्ट के लिए चुने गए बैंकों की ओर से 1.71 करोड़ रुपये डिजिटल रुपये की मांग की गई। जिसमें चार बैंकों भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, यस बैंक और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के साथ ग्राहक और व्यापारी इसका लेनदेन कर सकेंगे। बैंकों की मांग के अनुरुप केंद्रीय बैंक ने डिजिटल रुपया जारी कर दिया।

आरबीआई की ओर से जारी किया गया ई-रुपया डिजिटल टोकन पर आधारित है। इसे केंद्रीय बैंक ही जारी कर सकता है और इसका मूल्य बैंक नोटों के समान ही है। इसे पेपर नोटों की तरह 2000, 500, 200,100, 50 और अन्य वैध डोनोमिनेशन में जारी किया गया है। यह डिजिटल रुपया एक खास ई वॉलेट में सुरक्षित रहेगा, जिन्हें प्रोजेक्ट के लिए चुने गए बैंकों की ओर से उपलब्ध कराया जाएगा। यह वॉलेट बैंक की ओर से जारी किया जाएगा पर इसकी निगरानी का जिम्मा पूरी तरह से देश के केंद्रीय बैंक आरबीआई के पास होगा। ई-रुपये का इस्तेमाल पी2पी (पर्सन टू पर्सन) और पी2एम (पर्सन टू मर्चेंट) दोनों तरीके से किया जा सकेगा। इसके इस्तेमाल से यूपीआई और दूसरे ऑनलाइन माध्यम से होने वाले भुगतानों में लगने वाले अनावश्यक चार्जेज से भी छुटकारा मिलेगा। डिजिटल रुपये के बारे में पे-मी के सीईओ और संस्थापक महेश शुक्ला का मानना है कि डिजिटल रुपया, पारंपरिक मुद्रा का एक डिजिटल संस्करण है जिसका लोग रोजाना उपयोग करते हैं। इस तरीके से आप पैसे को डिजिटल फॉर्मेट में सुरक्षित रख सकते हैं। यह ब्लॉकचेन तकनीक पर आधारित है, जिसमें रुपये को एक क्रिप्टोकरेंसी की तरह माना जाता है, जो मुद्रा रखरखाव की लागत को कम करता है। इससे आपको सुरक्षा तो मिलेगी ही साथ ही सरकार को भविष्य में कम नोट बनाने की जरुरत पड़ेगी क्योंकि डिजिटल रुपये को नकद मुद्रा का ही रूप माना जाएगा। वहीं, फिनवे एफएससी के सीईओ रचित चावला के अनुसार, ई-रुपया, डिजिटल टोकन का एक नया रूप है। यह क्रिप्टोकरेंसी से अलग है क्योंकि इसे पारंपरिक मुद्रा वाले मूल्यवर्ग में ही जारी किया जाता है और क्रिप्टोकरेंसी का अपना मूल्यवर्ग है।

न्यूज ब्रीफ

ब्रेकआउट के बाद डूबे आईआरसीटीसी के शेयर, फिर भी निवेशक हुए मालामाल; 4 महीने में हुई इतनी कमाई

नई दिल्ली। जुलाई 2022 में एनएसई पर एक साल के निचले स्तर 557 रुपये पर पहुंचने के बाद इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन के शेयरों ने जोरदार वापसी की है। इंडियन रेलवे का यह स्टॉक पिछले चार से पांच महीनों से ऊपर की ओर चल रहा है और तकनीकी चार्ट पैटर्न पर इसने 720 प्रति शेयर का ब्रेकआउट दिया है। 750 रुपया प्रति शेयर पहुंचने के बाद आईआरसीटीसी के शेयर फिर से पीछे हट रहे हैं। जानकार मानते हैं कि आईआरसीटीसी के शेयर 770 रुपये से 780 के स्तर की तात्कालिक बाधा को जल्द पार कर सकते हैं। अगर बाजार में कोई तेज उथल-पुथल नहीं देखी गई तो यह 930 के स्तर तक जा सकते हैं। मुंबई में एक जानी-मानी शेयर ब्रोकेज फर्म से जुड़े बाजार विश्लेषक अमित प्रकाश कहते हैं कि आईआरसीटीसी के शेयरधारकों को मौजूदा स्तरों पर शेयरों को होल्ड करने की सलाह दी जाती है। नया शेयर खरीदने वाले 700 के स्तर पर स्टॉप लॉस के साथ स्टॉक खरीद सकते हैं। आईआरसीटीसी शेयरों की कीमत ने 720 के स्तर पर नया ब्रेकआउट दिया है और यही स्टॉक के लिए तत्काल समर्थन के रूप में काम कर रहा है। अमित प्रकाश का मानना है कि इनमें बहुत अधिक नीचे आने की गुंजाइश बची नहीं है। लेकिन अगर कोई निवेशक रिस्क लेने की क्षमता रखता है तो वह आईआरसीटीसी के शेयर खरीद सकता है। जिन लोगों के पोर्टफोलियो में यह स्टॉक है, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे 760 के स्तर के तत्काल लक्ष्य के लिए मौजूदा स्तर पर शेयरों को जमा करते रहें। आईआरसीटीसी के शेयर 840 तक जा सकते हैं, अगर इनमें जरा भी बेहतर कारोबार हुआ तो ये 930 का स्तर पार कर सकते हैं। अगले 8-9 महीनों में शेयर इस स्तर तक जा सकते हैं। आईआरसीटीसी के शेयर गिरावट पर खुले। बाजार खुलने के बाद इनकी कीमत एनएसई पर इनकी कीमत 728 निचले स्तर पर चली गई।

मजबूत मांग से नवंबर में वाहनों की रिकॉर्ड बिक्री, उद्योग के लिए अब तक का सबसे अच्छा महीना

नई दिल्ली। वाहन कंपनियों के लिए नवंबर अब तक का सबसे अच्छा महीना साबित हुआहै। मजबूत मांग से इस दौरान रिकॉर्ड वाहन बिके ।मारुति सुजुकी इंडिया, ह्यूंडई, टाटा मोटर्स और महिंद्रा की बिक्री दहाई अंकों में बढ़ी। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति की थोक बिक्री 14 फीसदी बढ़कर 1,59,044 इकाई पहुंच गई। घरेलू बाजार में कंपनी ने 1,39,306 वाहन बेचे, जो पिछले नवंबर में बिके 1,17,791 इकाइयों से 18 फीसदी ज्यादा है। ह्यूंडई मोटर इंडिया की कुल बिक्री इस दौरान 36 फीसदी बढ़कर 64,004 इकाई पहुंच गई। घरेलू बाजार में बिक्री 30 फीसदी बढ़कर 48,003 इकाई पहुंच गई। वहीं, टाटा मोटर्स के वाहनों की बिक्री 21 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 75,478 इकाई पहुंच गई। आंकड़ों के मुताबिक, त्योहारी सीजन के बावजूद दोपहिया वाहनों की बिक्री के लिहाज से पिछला महीना खास नहीं रहा। टीवीएस मोटर कंपनी की दोपहिया वाहनों की बिक्री नवंबर में 2 फीसदी बढ़कर 2,77,123 इकाई पहुंच गई। नवंबर, 2021 में बिक्री का आंकड़ा 2,72,693 रहा था। हालांकि, बजाज ऑटो की बिक्री 3,79,276 इकाई से 19 फीसदी घटकर 3,06,552 इकाई रह गई।

ग्लोबल मार्केट में मजबूती से सोना में 352 रुपये की तेजी, चांदी 1447 रुपये उछली

नई दिल्ली । मजबूत वैश्विक रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोना 352 रुपये बढ़कर 53,677 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबार में कीमती धातु 53,325 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। चांदी भी 1,447 रुपये की तेजी के साथ 65,003 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसंधान विश्लेषक दिलीप परमार के अनुसार मजबूत वैश्विक परिस्थितियों के बीच दिल्ली के बाजारों में सोने की हाजिर कीमतों में तेजी रही। परमार ने कहा, हमारा मानना है कि शादियों के सीजन के बीच 15 दिसंबर तक ज्वैलर्स के बीच सोने की अच्छी मांग रहेगी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना तेजी के साथ 1,778.6 डॉलर प्रति औंस पर चल रहा था जबकि चांदी की कीमत 22.25 डॉलर प्रति औंस थी। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के सीनियर वीपी कमोडिटी रिसर्च नवनीत दमानी ने कहा, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल के भाषण के बाद ऐसा लग रहा है । ब्याज दरों में वृद्धि में राहत दी जाएगी। इसके बाद सोने और चांदी की कीमतों में सबसे बड़ी मासिक बढ़त दर्ज की गई।

आईआईटी स्टूडेंट्स को मिले रिकॉर्ड पैकेज

जेन स्ट्रीट ने 3 छात्रों को 4-4 करोड़ सैलरी ऑफर की, 25 को 1 करोड़ रु से ज्यादा का पैकेज

नई दिल्ली ।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में प्लेसमेंट्स का सीजन शुरू हो गया है। इस दौरान गुरुवार को हाई-फ्रीक्वेंसी एंड क्वांटिटेटिव फर्म्स ने आईआईटी से कई टॉप टैलेंट्स हायर किए हैं। इस बीच जेन स्ट्रीट कैपिटल नाम की एक कंपनी ने कानपुर, दिल्ली और बॉम्बे कैंपस के 3 स्टूडेंट्स को 4-4 करोड़ रुपए से ज्यादा का रिकॉर्ड सैलरी पैकेज ऑफर किया है।

आईआईटी कानपुर, दिल्ली और बॉम्बे के प्लेसमेंट ऑफिसर्स ने कहा कि जेन स्ट्रीट के यह ऑफर्स अब तक के सबसे ज्यादा हैं। कानपुर कैंपस की प्लेसमेंट टीम स्टूडेंट मेंबर ने कहा, जेन स्ट्रीट ने हमारे एक स्टूडेंट को 4 करोड़ रुपए से ज्यादा का पैकेज ऑफर किया है। हालांकि, इस खबर को लेकर कानपुर और जेन स्ट्रीट की ओर से अब तक कोई जवाब सामने नहीं आया है।

ग्लोबल रिसेशन के बावजूद एचएफटी और क्वांट कंपनियों ने की हायरिंग - प्रोपराइटरी ट्रेडिंग फर्म जेन स्ट्रीट कैपिटल के इस नए रिकॉर्ड ऑफर के बीच कई ब्लूचिप कंपनियों ने आर्थिक मंदी के बीच हायरिंग से दूरी बनाई हुई है। वहीं हाई-फ्रीक्वेंसी ट्रेडिंग और क्वांट कंपनियां ऐसे कैंडिडेट्स को हायर कर रही हैं, जो मैथमेटिक्ल और स्टेटिस्क्ल मॉडल का यूज करके मार्केट्स को एनालाइज कर सकते हैं। ग्लोबल रिसेशन के बावजूद, यह सेगमेंट आईआईटी से एक करोड़ और उससे भी ज्यादा की सैलरी देकर स्टूडेंट्स को हायर करने में कामयाब रहा है। क्वांटबॉक्स रिसर्च के फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर प्रशांत सिंह ने कहा, एचएफटी फर्मों ने पिछले साल अच्छा रेवेन्यू जनरेट किया। हालांकि, 2023 में 2022 जितनी ग्रोथ नहीं हो सकती है। फिर भी 2023 में ग्रोथ अच्छी रहने की उम्मीद है। हम भारत, सिंगापुर, शिकागो और एम्स्टर्डम ऑफिसों के लिए हायरिंग कर रहे हैं।

एचएफटी कंपनियों ने ग्लोबल प्लेसमेंट के लिए 1.6-2.4 करोड़ रु ऑफर किए - प्रशांत सिंह ने कहा कि एचएफटी कंपनियों ने डोमेस्टिक पोस्टिंग्स के लिए 1.3 से 1.4 करोड़ रुपए और ग्लोबल प्लेसमेंट के लिए 1.6-2.4 करोड़ रुपए के ऑफर्स की पेशकश की। उन्होंने कहा, सैलरी में 80 लाख रुपए का बोनस शामिल है, लेकिन पिछले कुछ सालों में नई हायरिंग्स को 100प्रतिशत से ज्यादा बोनस मिला है। उन्होंने आगे कहा कि उनकी कंपनी इस साल 10-15 स्टूडेंट्स को पिछले साल की समान सैलरी पर हायर करेगी।

मद्रास के 25 स्टूडेंट्स को 1 करोड़ रु से ज्यादा का सैलरी पैकेज दिया - भारत के पुराने आईआईटी में से एक आईआईटी -मद्रास के एडवाइजर (प्लेसमेंट) सथ्यन सुब्बैया ने कहा, इन एचएफटी प्रोफाइल में एनालिटिकल स्किल्स और लॉजिक थिंकिंग की जरूरत है और इसलिए कंपनियां प्लेसमेंट के लिए आईआईटी आती हैं। प्लेसमेंट के पहले दिन प्री-प्लेसमेंट ऑफर सहित सालाना 1 करोड़ रुपए से ज्यादा के सैलरी पैकेज के साथ 25 ऑफर स्टूडेंट्स को दिए गए हैं। प्लेसमेंट टीमों के अनुसार, स्क्वायरपॉइंट, टिब्रा, क्राडेई, ग्रेविटॉन रिसर्च कैपिटल, जेपीएमसी क्वांट, मेवरिक डेरिवेटिव्स और दा विंसी कुछ ऐसी कंपनियां हैं, जिन्होंने सभी आईआईटी कैंपस को विजिट किया है। आईआईटी-कानपुर में एक प्लेसमेंट टीम के मेंबर ने कहा, मेवरिक डेरिवेटिव्स और दा विंसी ने 1.28 करोड़ रुपए के पैकेज ऑफर किए हैं। इंटरनेशनल रोल्स भी ऑफर किए गए हैं, जिसमें से कुछ प्रोफाइल के लिए 1 करोड़ रुपए से ज्यादा के पैकेज भी दिए गए हैं।

आईआईटी-मद्रास ने बताया कि हमारे यहां से टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स (14), बजाज ऑटो लिमिटेड और चेतक टेक्नोलॉजी लिमिटेड (10), क्वालकॉम (8) और जेपी मॉर्गन चेस एंड कंपनी (9) जैसी कंपनियों ने स्टूडेंट्स को हायर किया है।

हालांकि, कई आईआईटी में प्लेसमेंट टीमों के अनुसार, ग्लोबल ऑफर्स की संख्या में कमी आई है, क्योंकि कई कंपनियां हायरिंग फ्रीज पर हैं। पिछले साल राइड और फूड डिलीवरी फर्म उबर टॉप रिक्रूटर थी, जिसने सालाना 2.16 करोड़ रुपए की हाई सैलरी ऑफर की थी। इस साल प्री-प्लेसमेंट ऑफर उन कंपनियों के लिए पसंदीदा बन गया है, जिन्होंने अपनी इंटर्नशिप के आखिरी में स्टूडेंट्स को ऑफर दिए हैं। मंदी का तत्काल प्रभाव माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियों में देखा गया, जो ग्लोबल रोल्स की पेशकश नहीं कर रही हैं।

टेस्ला का पहला इलेक्ट्रिक ट्रक: डीजल ट्रक से 3 गुना ज्यादा शक्तिशाली, फुल चार्जिंग के बाद 805 केएम चलेगा

नेवादा।

टेस्ला ने अपने इलेक्ट्रिक सेमी ट्रक की डिलीवरी शुरू कर दी है। कंपनी का दावा है कि ये ट्रक सड़क पर मौजूद किसी भी डीजल ट्रक की तुलना में 3 गुना ज्यादा शक्तिशाली है। इसकी बैटरी रेंज 500 मील (करीब 805 किलोमीटर) है। कीमत 150,000 (करीब 1.21 करोड़ रुपए) से शुरू हो सकती है।

पेप्सी को पहला ट्रक डिलीवर किया - कंपनी के सीईओ एलन मस्क ने नेवादा के स्पार्क्स में कंपनी की गीगाफैक्ट्री में आयोजित एक कार्यक्रम में सॉफ्ट-ड्रिंक कंपनी पेप्सी को पहला ट्रक डिलीवर किया। पेप्सी ने दिसंबर 2017 में 100 ट्रकों का ऑर्डर दिया था, जब पहली बार टेस्ला सेमी को एक इवेंट में रिवील किया गया था। अन्य हाई-प्रोफाइल ग्राहक-इन-वेटिंग में वॉलमार्ट और यूपीएस शामिल हैं।2019 में ट्रक की डिलीवरी होनी थी, लेकिन कोरोना के कारण देरी हुई।

टेस्ला ने सेमी को फ्यूचर ऑफ ट्रकिंग बताया है। मस्क ने इवेंट में कहा, आप उसे चलाना चाहते हैं। मेरा मतलब है, ऐसा लगता है कि यह चीज भविष्य से आई है। ये एक बीस्ट की तरह है। यह वास्तव में एक सामान्य कार चलाने जैसा है, ट्रक चलाने जैसा नहीं। इस ट्रक में बेहतर विजिबिलिटी के लिए यूनीक सेंट्रल सिटिंग दी गई है। दोनों तरफ एक बड़ी स्क्रीन के साथ, कपहोल्डर्स और एक वायरलेस फोन चार्जर के साथ दाईं ओर एक कंसोल दिया गया है। इसके अलावा कंपनी का दावा है कि दुर्घटना के मामले में ऑल-इलेक्ट्रिक आर्किटेक्चर रोलओवर रिस्क और केबिन इंट्रूशन दोनों को कम करता है।

सेमी ट्रक में जैकनाइफिंग (दो भागों में बंटे बड़े ट्रक का नियंत्रण से बाहर हो जाना और अचानक खतरनाक रूप से एक ओर झुक जाना) को रोकने के लिए ट्रैक्शन कंट्रोल, बैटरी एफिशिएंसी को बढ़ाने के लिए रिजनरेटिव ब्रेकिंग (ब्रेकिंग का एक मेथड जिसमें ब्रेक लगाने पर निकली एनर्जी को स्टोर किया जाता है। यानी इससे बैटरी चार्ज होती है) और सीमलेस हाईवे ड्राइविंग के लिए एक ऑटोमेटिक क्लच है। मस्क ने बताया कि 8 सेमी-ट्रकों में से एक ने 81,000 पाउंड (36.74 टन) कार्गो के साथ 500 मील की यात्रा पूरी की थी। यह यात्रा राज्य के दक्षिणी सिरे पर कैलिफोर्निया के फ्रेमोंट में टेस्ला फैक्ट्री से सैन डिएगो तक हुई।

भेल ने सौदे के लिए लगाई बोली, दो सौ वंदे भारत ट्रेनों के रखरखाव व विनिर्माण की है योजना

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) उन पांच बोलीदाताओं में शामिल है, जिन्होंने 200 वंदे भारत रेलगाड़ियों के विनिर्माण और अगले 35 वर्षों तक उनके रखरखाव के लिए बोली लगाई है। पूरा सौदा 58,000 करोड़ रुपये का है। भेल ने इसके लिए टीटागढ़ वैगन्स के साथ एक गठजोड़ बनाया है। इस सौदे के लिए बोली लगाने वालों में फ्रांसीसी रेलवे कंपनी एल्सटॉम, स्विटजरलैंड की रेलवे रोलिंग स्टॉक विनिर्माता स्टैडलर रेल और हैदराबाद स्थित मीडिया सर्वो ड्राइव्स का गठजोड़ मेधा-स्टैडलर, बीईएमएल और सीमेंस का गठजोड़ और एक भारतीय फर्म के साथ रूसी रोलिंग स्टॉक विनिर्माता ट्रांसमाशहोल्डिंग (टीएमएच) का गठजोड़ शामिल हैं। अधिकारियों ने कहा कि सौदे के तहत 26,000 करोड़ रुपये रेलगाड़ियों की आपूर्ति के लिए अग्रिम दिए जाएंगे, जबकि इनके रखरखाव के लिए 35 साल की अवधि में 32,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा। भारतीय रेलवे अब अनुबंध के लिए तकनीकी बोलियों का मूल्यांकन कर रहा है। वित्तीय बोलियां अगले 45 दिनों में खोली जाएंगी।

निविदा दस्तावेज के मुताबिक सफल बोली लगाने वाले को 24 महीने के भीतर वंदे भारत रेलगाड़ियों के लिए शयनयान श्रेणी का प्रोटोटाइप तैयार करना होगा। भारतीय रेलवे 2024 की पहली तिमाही तक वंदे भारत रेलगाड़ी के शयनयान श्रेणी वाले संस्करण को शुरू करने की योजना बना रहा है।

नवंबर में रेलवे की माल ढुलाई एफवाय22 के स्तर से आगे निकली, कमाई में 16 फीसदी की बढ़ोतरी

चालू वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों में भारतीय रेलवे की माल ढुलाई और कमाई पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के दौरान हासिल किए गए स्तर को पार कर गई है। रेलवे ने एक बयान में कहा, अप्रैल नवंबर 2022 के दौरान संचयी आधार पर, पिछले साल की समान अवधि के दौरान 903.16 मीट्रिक टन की लोडिंग के मुकाबले 978.72 मीट्रिक टन की माल ढुलाई की गई, जिसमें 8 प्रतिशत का सुधार दर्ज किया गया। इस अवधि के दौरान रेलवे ने 1,05,905 करोड़ रुपये कमाए, जो पिछले साल अर्जित 91,127 करोड़ रुपये के मुकाबले 16 प्रतिशत अधिक है। नवंबर 2022 में, एक साल पहले इसी महीने में 116.96 मीट्रिक टन के मुकाबले 123.9 मीट्रिक टन की प्रारंभिक माल ढुलाई की गई है, जो 5 प्रतिशत अधिक है।

आरआरपीआर से इस्तीफे के बाद भी रॉय दंपती एनडीटीवी बोर्ड में, इन्हें भी किया गया शामिल

नई दिल्ली ।

प्रणय रॉय और उनकी पत्नी राधिका रॉय भले ही एनडीटीवी की प्रमोटर फर्म आरआरपीआर होल्डिंग से बाहर हो गए हों, लेकिन वे अब भी मीडिया समूह का हिस्सा हैं। आगे भी वे एनडीटीवी के बोर्ड में बने रह सकते हैं। दोनों के पास 32 फीसदी से थोड़ा अधिक की हिस्सेदारी है। स्टॉक एक्सचेंजों के अनुसार, प्रणय के पास 15.94 फीसदी शेयर हैं, जबकि उनकी पत्नी राधिका के पास 16.32 फीसदी है। यह स्थिति मीडिया कंपनी के नए मालिकों के लिए एक दिलचस्प चुनौती पैदा कर सकती है। हालांकि अदाणी समूह के संस्थापक गौतम अदाणी ने हाल ही में बातचीत में कहा था कि वह

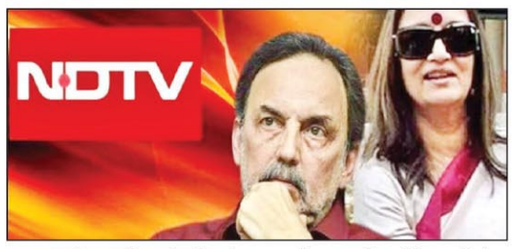

प्रणय रॉय को कंपनी के चेयरमैन के रूप में जारी रखना चाहते हैं। एनडीटीवी के मालिक और संस्थापक पति-पत्नी टीम प्रणय रॉय और राधिका रॉय ने मंगलवार को आरआरपीआर होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड (आरआरपीआरएच) के निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया था।नियामक को दी गई जानकारी में एनडीटीवी ने कहा कि सुदीप्त भट्टाचार्य, संजय पुगलिया और सेंथिल सिन्नैया चेंगलवारायण को तत्काल प्रभाव से आरआरपीआरएच के बोर्ड में निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया। अदाणी समूह ने समाचार मीडिया कंपनी नई दिल्ली टेलीविज़न लिमिटेड (एनडीटीवी) के प्रमोटर समूह वाहन आरआरपीआर होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड में 99.5 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर ली है।दरअसल, अदाणी ग्रुप ने अगस्त महीने में विश्वप्रधान कमर्शियल प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण करने का ऐलान किया था, जिसने 2009 और 2010 में एनडीटीवी के बिजनेस प्रमोटर आरआरपीआर होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड को 403.85 करोड़ रुपये उधार दिए थे। इसके एवज में कर्जदाता से किसी भी समय एनडीटीवी में 29.18 प्रतिशत हिस्सेदारी लेने का प्रावधान रखा गया था। अब अदाणी ग्रुप कंपनी में अतिरिक्त 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए खुली पेशकश लाया है। एनडीटीवी के अदाणी ग्रुप की ओर से अधिग्रहण के ओपन ऑफर के बीच संस्थापक प्रणय रॉय और राधिका रॉय का इस्तीफा मंजूर भी कर लिया गया।

इंसानों में ब्रेन चिप का टेस्ट करेंगे मस्क: बोले- सोचने भर से मोबाइल चलेगा, ब्लाइंड देख सकेंगे

कैलिफोर्निया।

आने वाले दिनों में एक चिप के जरिए ब्लाइंड इंसान भी देख सकेंगे, पैरालिसिस से पीड़ित इंसान केवल दिमाग में सोचकर मोबाइल और कंप्यूटर ऑपरेट कर सकेंगे। ये दावा है दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी और न्यूरालिंक के फाउंडर एलन मस्क का। उन्होंने न्यूरालिंक के कैलिफोर्निया हेडक्वार्टर में शो एंड टेल इवेंट किया और अपने इस डिवाइस की प्रोग्रेस की जानकारी दी। मस्क ने बताया कि उनके ब्रेन चिप इंटरफेस स्टार्टअप का डेवलप वायरलेस डिवाइस 6 महीने में ह्यूमन ट्रायल के लिए तैयार हो जाएगा। इसके लिए फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन को पेपर जमा कर दिए गए हैं। मस्क ने 6 साल पहले ब्रेन कंट्रोल इंटरफेसेस स्टार्टअप की स्थापना की थी और 2 साल पहले अपने इम्प्लांटेशन रोबोट को दिखाया था।

टेलीपेथी के जरिए बंदर ने टायपिंग की - इवेंट में मस्क ने जॉयस्टिक का इस्तेमाल किए बिना एक बंदर का पिनबॉल खेलते हुए वीडियो भी दिखाया। टेलीपेथी के जरिए बंदर ने टाइपिंग भी की। न्यूरालिंक टीम ने उसके सर्जिकल रोबोट को भी डेमोन्स्ट्रेट किया। इसमें दिखाया गया कि कैसे रोबोट पूरी सर्जरी को अंजाम देता है।

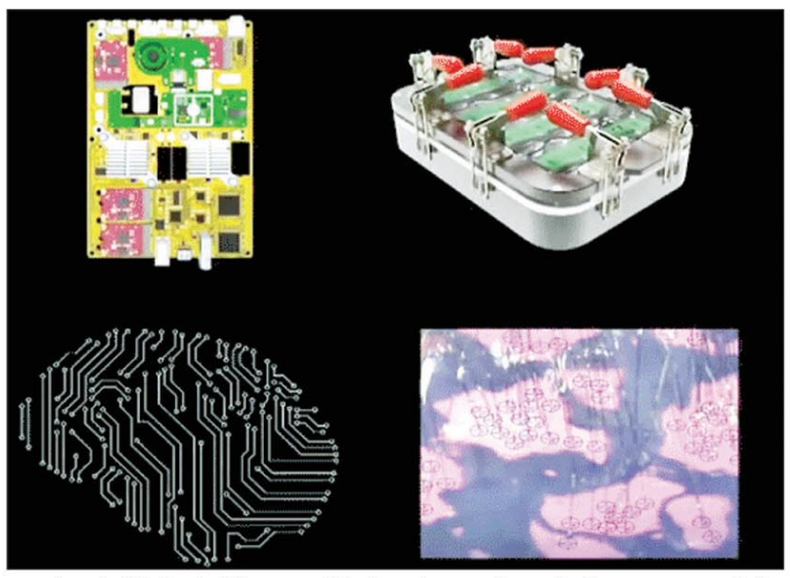

फोन को सीधे ब्रेन से जोड़ेगा - न्यूरालिंक ने सिक्के के आकार का एक डिवाइस बनाया है जिसे लिंक नाम दिया गया है। ये डिवाइस कंप्यूटर, मोबाइल फोन या किसी अन्य उपकरण को ब्रेन एक्टिविटी (न्यूरल इम्पल्स) से सीधे कंट्रोल करने में सक्षम करता है। उदाहरण के लिए, पैरालिसिस से पीड़ित व्यक्ति मस्तिष्क में चिप के प्रत्यारोपित होने के बाद केवल यह सोचकर माउस का कर्सर मूव कर सकेंगे कि वे इसे कैसे मूव करना चाहते हैं।

कॉस्मैटिक रूप से अदृश्य चिप - न्यूरालिंक ने कहा, हम पूरी तरह से इम्प्लांटेबल, कॉस्मैटिक रूप से अदृश्य ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस डिजाइन कर रहे हैं, ताकि आप कहीं भी जाने पर कंप्यूटर या मोबाइल डिवाइस को कंट्रोल कर सकें। माइक्रोन-स्केल थ्रेड्स को ब्रेन के उन क्षेत्रों में डाला जाएगा जो मूवमेंट को कंट्रोल करते हैं। हर एक थ्रेड में कई इलेक्ट्रोड होते हैं और उन्हें लिंक नामक इम्प्लांट से जोड़ता है।

रोबोटिक प्रणाली डिजाइन की - कंपनी ने बताया कि लिंक पर थ्रेड इतने महीन और लचीले होते हैं कि उन्हें मानव हाथ से नहीं डाला जा सकता। इसके लिए कंपनी ने एक रोबोटिक प्रणाली डिजाइन की है जिससे थ्रेड को मज़बूती से और कुशलता से इम्प्लांट किया जा सकता है। इसके साथ ही न्यूरालिंक ऐप भी डिजाइन किया गया है ताकि ब्रेन एक्टिविटी से सीधे अपने कीबोर्ड और माउस को बस इसके बारे में सोच कर कंट्रोल कर सकते हैं। डिवाइस को चार्ज करने की भी जरूरत होगी। इसके लिए कॉम्पैक्ट इंडक्टिव चार्जर डिजाइन किया गया है जो बैटरी को बाहर से चार्ज करने के लिए वायरलेस तरीके से इम्प्लांट से जुड़ता है।

एक चिप लाएगी क्रांति - न्यूरालिंक ने कहा, हमारी तकनीक का प्रारंभिक लक्ष्य पैरालिसिस वाले लोगों को कंप्यूटर और मोबाइल डिवाइसेस का नियंत्रण देना है। हम उन्हें इंडिपेंडेंट बनाना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि एक दिन हमारे डिवाइस के जरिए ऐसे लोग फोटोग्राफी जैसी अपनी क्रिएटिविटी भी दिखा सके। हमारा मानना है कि इस तकनीक में कई सारे न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर का इलाज करने की क्षमता है।

क्या इसे लगाना सेफ होगा - चिप इम्प्लांट करने में हमेशा जनरल एनेस्थेसिया से जुड़ा रिस्क होता है। ऐसे में प्रोसेस टाइम को कम करके रिस्क कम किया जा सकता है। कंपनी ने इसके लिए न्यूरोसर्जिकल रोबोट डिजाइन किया है, ताकि यह बेहतर तरीके से इलेक्ट्रोड को इम्प्लांट कर सकें। इसके अलावा, रोबोट को स्कल (खोपड़ी) में 25 मिमी डायामीटर के एक छेद के जरिए थ्रेड डालने के लिए डिजाइन किया गया है। ब्रेन में एक डिवाइस डालने से ब्लीडिंग का भी रिस्क है। कंपनी इसे कम करने के लिए माइक्रो-स्केल थ्रेड्स का उपयोग कर रही है।

मैं स्कूल के समय से ज्यादा डांस नहीं करती थी

-बड़े अच्छे लगते हैं की एक्ट्रेस चाहत खन्ना ने कहा

मुंबई (ईएमएस)। छोटे परदे की अभिनेत्री चाहत खन्ना का कहना है कि उन्हें अपनी फिल्म धूप छांव के गाने फुरसत से तू नाच बेबी के लिए डांस स्टेप्स सीखने में काफी मेहनत करनी पड़ी है। बड़े अच्छे लगते हैं की एक्ट्रेस साझा करती हैं जब मैं धूप छांव की शूटिंग कर रही थी तो यह मेरा पहला डांस नंबर था। मैं स्कूल के समय से ज्यादा डांस नहीं करती थी और इसलिए यह मेरे लिए एक मुश्किल काम था। मेरे दोस्त मुझे चिढ़ाते थे और मुझे लगता था जैसे मुझे आगे बढ़ने की जरूरत थी इसलिए लगभग एक साल तक मैंने डांस सीखा। वह आगे कहती हैं और उस अवधि के अंत में लगभग एक चमत्कार या इनाम की तरह मुझे फुर्सत से तू नाच बेबी का प्रस्ताव मिला। वह कहती हैं कि उन्होंने अपने नृत्य कौशल को पूरा करने में घंटों बिताए और बीमार भी पड़ गईं। हमने इसके लिए कठिन प्रशिक्षण और शूटिंग के घंटे बिताए हैं। वास्तव में 3 दिनों के लिए हमने हर दिन 12 घंटे बिना रुके प्रशिक्षण लिया और मैं अंत में बीमार पड़ गयी। इसलिए हमें शूटंग स्थगित करनी पड़ी और जब हम इसमें वापस आए तो हम इसे सीधे 8 घंटे में शूट किया। लेकिन कुल मिलाकर यह एक खूबसूरत अनुभव था और मेरे दिल में हमेशा एक खास जगह रहेगी। मालूम हो कि एक्ट्रेस चाहत खन्ना कुमकुम काज्जल कुबूल है और कई अन्य फिल्मों के लिए जानी जाती है। इन सीरीयलों में उनके काम को बेहद पसंद किया गया।

फिल्म ब्लर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर हो रही रिलीज

-सस्पेंस से भरा है तापसी पन्नू की ब्लर का ट्रेलर

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू की फिल्म ब्लर सिनेमाघरों के सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया गया। ब्लर जी5 पर दिसम्बर में स्ट्रीम की जा रही है। यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि गायत्री की जुड़वां बहन गौतमी की डेड बॉडी फंदे से लटकी मिलती है। कोई सुसाइड नोट नहीं मिलता। सब इसे आत्महत्या ही मानते हैं। मगर गायत्री को यकीन नहीं कि गौतमी ने सुसाइड की है। इसलिए वो इसकी जांच में जुट जाती है। गायत्री के साथ दिक्कत यह है कि उसकी आंखों की रोशनी धीरे-धीरे जा रही है। बहन की मौत की वजह का पता लगाने के साथ उसे इस चुनौती से भी निपटना है। गायत्री के पति के रोल में गुलशन देवैया हैं जो उसे इस पागलपन से रोकना चाहता है। इस बीच कुछ घटनाएं होती हैं जो फिल्म सस्पेंस को बढ़ाती हैं। फिल्म जी5 पर 9 दिसम्बर को स्ट्रीम की जा रही है। ओटीटी पर पहुंचने वाली तापसी की इस साल छठी फिल्म है। 2022 में तापसी की पहली ओटीटी रिलीज लूपलपेटा थी जो जर्मन फिल्म रन लोला रन का आधिकारिक रीमेक है। इस फिल्म में तापसी के साथ ताहिर राज भसीन थे। लूपलपेटा नेटफ्लिक्स पर आयी थी। तेलुगु फिल्म मिशन इम्पोसिबिल सिनेमाघरों के बाद नेटफ्लिक्स पर आयी थी। भारतीय महिला क्रिकेटर मिताली राज की बायोपिक शाबाश मिथु को सिनेमाघरों में आयी थी जिसके बाद फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम की जा चुकी है। अनुराग कश्यप निर्देशित दोबारा भी सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह स्पेनिश फिल्म मिराज का रीमेक है। थिएटर्स के बाद फिल्म ओटीटी पर आ चुकी है और नेटफ्लिक्स पर देखी जा सकती है। इसके बाद सीधे जी5 पर आयी तड़का जो एक रोमांटिक ड्रामा कॉमेडी है। इस फिल्म का निर्देशन प्रकाश राज ने किया है। हालांकि यह पुरानी फिल्म है जो किसी वजह से रिलीज नहीं हो सकी थी। फिल्म में नाना पाटेकर भी लीड स्टार कास्ट का हिस्सा हैं। बता दें कि ब्लर का निर्माण तापसी पन्नू ने ही किया है जबकि निर्देशक अजय बहल हैं। तापसी इस फिल्म के साथ एक्ट्रेस ने बतौर प्रोड्यूसर अपनी पारी शुरू की है। ब्लर का निर्माण तापसी की होम प्रोडक्शन कम्पनी आउटसाइडर्स फिल्म्स ने किया है। फिल्म का एलान पिछले साल जुलाई में किया था। इसकी शूटिंग नैनीताल में हुई है जहां 40 दिनों का शेड्यूल चला था। ब्लर स्पेनिश फिल्म जूलियाज आइज का अडेप्टेशन है।

मौनी का म्यूजिक वीडियो फकीरन रिलीज

- दिलकश अदाओं से जीता फैंस का दिल

मुंबई (ईएमएस)। नागिन फेम एक्ट्रेस मौनी रॉय का म्यूजिक वीडियो फकीरन रिलीज हुआ है। इस गाने में मौनी अपने सिजलिंग डांस मूव्स से फैंस को हैरान करती नजर आ रही हैं। इस गाने को आवाज जहरा एस खान ने दी है। इसे तनिष्क बागची ने कंपोज किया है। टी-सीरीज द्वारा निर्मित इस वीडियो सॉन्ग में मौनी का बेहद ग्लैमरस अंदाज नजर आ रहा है। स्टाइलिश आउटफिट में मौनी की दिलकश अदाओं को देखकर दर्शक हैरान हो रहे हैं। सामने आने के कुछ समय बाद ही गाना वायरल हो गया और उस पर ताबड़तोड़ व्यूज आ रहे हैं। इस मोस्ट अवेटेड म्यूजिक वीडियो सॉन्ग फकीरन में मौनी की अदाएं फैंस को हैरान कर रही हैं। मौनी के सिजलिंग डांस मूव्स देख उनके फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं है। जहरा एस खान की आवाज में इस खूबसूरत गाने में मौनी ने अपने डांस का जलवा दिखाया है। अपने डांस मूव्स से मौनी दर्शकों को अपना दीवाना बना रही हैं। एक्ट्रेस के इस सॉन्ग पर यूजर्स के रिएक्शन भी सामने आ रहे हैं। फैंस उनके इस वीडियो पर कमेंट के जरिए अपना प्यार बरसा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा आग लगा दिया। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा मौनी रॉय के डांसिंग टैलेंट देख विश्वास नहीं होता।

ये गाना सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। गाने की सिंगर जहरा एस खान के बारे में बात करते हुए मौनी कहती हैं मैंने अब तक जहरा के जितने भी गाने सुने हैं सभी कमाल के हैं। उनकी आवाज से सजा हर गाना मुझे अच्छा लगता है। एक ताजगी और एक अनूठी बनावट है। जब मुझे पता चला कि मैं भी उनके गाने में नजर आने वाली हूं तो मेरा एक्साइटमेंट लेवल इतना बढ़ गया था कि मैं बता नहीं सकती। जानकारी के लिए बता दें कि सोशल मीडिया पर मौनी रॉय काफी एक्टिव हैं। वह अक्सर अपनी तस्वीर और वीडियोज के जरिए फैंस को एंटरटेन करती रहती हैं। मौनी की तस्वीरें अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होती हैं। अपने फैंस के साथ वह अपडेट शेयर करती हैं। बीते दिनों मौनी रॉय फिल्म ब्रह्मास्त्रः पार्ट वन शिव में नजर आई थीं फिल्म में उनके किरदार को काफी पसंद किया गया था।बता दें कि मौनी रॉय का नाम आज फिल्म इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार हैं। उनकी फोटोज और वीडियो सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो जाते हैं। यही वजह है कि एक्ट्रेस हमेशा चर्चा में बनी रहती हैं।

कॉमेडी फिल्म है सर्कस

रोहित शेट्टी बॉलीवुड के उन चंद निर्देशकों में हैं जिन्हें बॉक्स ऑफिस पर सफलता की गारंटी माना जाता है। उनकी फिल्में टिकट विंडो पर रिकॉर्ड कायम करती हैं और अब रोहित क्रिसमस पर सर्कस लेकर आ रहे हैं। यह कॉमेडी फिल्म है जिसमें रणवीर सिंह डबल रोल में दिखेंगे। फिल्म की रिलीज में एक महीने से भी कम का समय बचा है। इन दिनों सर्कस का जोर-शोर से प्रचार किया जा रहा है। पोस्टर-टीजर के बाद अब ट्रेलर की बारी है जो जल्द रिलीज होने वाला है। सर्कस 23 दिसम्बर को रिलीज होने वाली है। टीजर में फिल्म की पूरी स्टार कास्ट को शामिल किया गया है और बातचीत के अंदाज में ट्रेलर की तारीख बतायी गई है। इस टीजर से सर्कस के मिजाज का अंदाजा भी होता है। टीजर की शुरूआत संजय मिश्रा से होती है जो बताते हैं कि सर्कस साठ के दशक की कहानी है। इसके बाद सभी किरदार उन दिनों को याद करते हुए इसकी तुलना आज हुए बदलावों करते हैं जब बच्चे गूगल करने के बजाए दादा-दादी से सवाल करते थे। सोशल मीडिया नहीं था। बच्चे लोरी सुनकर सोते थे स्टोरी देखकर नहीं। टीजर में रणवीर और वरुण शर्मा डबल रोल में हैं। उनके अलावा जैकलीन फर्नांडिज पूजा हेगड़े वरुण शर्मा मुकेश तिवारी अश्विनी कालसेकर जॉनी लीवर सिद्धार्थ जाधव व्रजेश हिरजे टीकू तलसानिया भी नजर आते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सर्कस शेक्सपियर के नाटक कॉमेडी ऑफ एर्रस का एडाप्टेशन है जिस पर 1982 में गुलजार ने अंगूर बनायी थी। अंगूर में संजीव कुमार और देवेन वर्मा ने डबल रोल निभाये थे। सर्कस का निर्माण टी-सीरीज और रिलायंस एंटरटेनमेंट के साथ रोहित शेट्टी ने किया है। रोहित की पिछली रिलीज कॉप ड्रामा सूर्यवंशी है जो 2021 में दिवाली पर रिलीज हुई थी और काफी सफल रही थी। अक्षय कुमार और कटरीना कैफ स्टारर फिल्म पैनडेमिक के बाद पहली बड़ी सफलता थी। फिल्म ने 195 करोड़ का नेट कलेक्शन किया था। फिल्म में अजय देवगन और रणवीर सिंह ने भी कैमियो किए थे। सिम्बा के बाद रणवीर के साथ रोहित की सर्कस दूसरी फिल्म है। सिम्बा रोहित के कॉप यूनिवर्स में दूसरी फिल्म है।

आयुष्मान ने लाजवाब तरीके से दिए जवाब

-शहनाज के सवालों से हंस-हंस कर हुआ बुरा हाल

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना अपनी फिल्म का प्रमोशन करने एक्टर शहनाज गिल के चैट शो पर पहुंचे। इस चैट शो में जहां शहनाज गिल अपने बिंदास अंदाज में नजर आईं वहीं आयुष्मान ने भी एक्ट्रेस के कई सवालों के जवाब बेहद लाजवाब तरीके से दिए। इस दौरान दोनों ने अपनी बातचीत से फैंस को खूब हंसाया। दोनों ने चैट शो को दौरान ढेर सारी बातें कीं। इस एपिसोड का एक छोटा सा क्लिप शहनाज ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फैंस के साथ शेयर किया है। शेयर करने के कुछ समय बाद ही फैंस ने शहनाज के इस वीडियो पर दिल खोलकर कमेंट किए। इस वीडियो में शहनाज एक्टर आयुष्मान खुराना से कहती हैं कि आप पहले बंदे हो जो अपनी फिल्म का प्रमोशन ही नहीं कर रहे। इस पर जवाब देते हुए आयुष्मान कहते हैं कि मुझे ये प्रमोशन करना नहीं आता। मार्केटिंग में मेरा हाथ तंग है। हालांकि ये सुनकर शहनाज आयुष्मान से कहती हैं कि अच्छी फिल्मों को प्रमोशन की जरूरत नहीं होती। आयुष्मान खुराना इस दौरान शहनाज की माउथ ऑफ वर्ड्स वाली बात पर हंसी से लोटपोट हो जाते हैं। शहनाज भी मासूमियत से कहती हैं हां वहीं वर्ड ऑफ माउथ से चल जाती है फिल्म। शहनाज तुरन्त आयुष्मान से कहती है कि आपकी इन हरकतों से ही फिल्म चल जाएगी। हालांकि ये सुनकर आयुष्मान खूब हंसते हैं। बातचीत के दौरान शहनाज गिल आयुष्मान से कहती हैं कि आप इतने नैचुरल हो ना ऐसे लोग मिल ही नहीं पाते। इस पर आयुष्मान खुराना कहते हैं कि ऐसे इंटरव्यू भी तो नहीं होते। बल्कि मैंने कभी ऐसी बातें किसी से नहीं की। बीतचीत के बीच में ही आयुष्मान खुराना ने शहनाज गिल को अपनी फिल्म की स्क्रीनिंग के लिए इनवाइट भी कर लिया। इसके बाद शहनाज एक्टर से पूछती हैं कि स्क्रीनिंग में वह कौन ड्रेस पहने और हेयर स्टाइल कर्ली रखें या स्ट्रेट। हालांकि एक्ट्रेस की बातों पर आयुष्मान खूब हंसते नजर आते हैं। बता दें कि बॉलीवुड के टैलेंटेड एक्टर आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म एक्शन हीरो को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म 2 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है। फिल्म की टीम इन दिनों फिल्म के प्रमोशन में काफी बिजी हैं।

हिंदी सिनेमा में डेब्यू के लिए तैयार नहीं कांतारा फिल्म के ऋषभ शेट्टी

हिंदी सहित देश की तमाम क्षेत्रीय भाषाओं में दक्षिण की फिल्म कांतारा ने छप्पर फाड़ कमाई की है। अब ऋषभ शेट्टी ने अपनी हिंदी सिनेमा में डेब्यू को लेकर बड़ी बात बोली है। उन्होंने बताया है कि वो सिर्फ कन्नड़ फिल्में ही करना चाहते हैं। कन्नड़ अभिनेता ने कहा कि मैं कन्नड़ फिल्में करना चाहता हूं क्योंकि उन्होंने ही मुझे अभिनेता निर्देशक और लेखक बनने का मंच दिया है। कांतारा की इस अपार सफलता की वजह कन्नड़ उद्योग और वहां के लोग हैं। मैं उनकी वजह से आज यहां हूं। इसी वजह से मैं केवल कन्नड़ फिल्में बनाना चाहता हूं लेकिन अगर मुझे मेरी फिल्मों से रीच मिलती है तो फिल्मों के हिंदी और अन्य भाषाओं में डब करके रिलीज किया जा सकता है आज के दौर में भाषा कोई बाधा नहीं है। मैं इस जगह (कर्नाटक) से आया हूं जो मेरी कर्मभूमि है। वहीं जब ऋषभ शेट्टी से कांतारा की शूटिंग के दौरान आई परेशानियों के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा फिल्म को बनाते वक्त बहुत सारी परेशानियों का सामना करना पड़ा लेकिन अब में शूटिंग के दौरान आने वाली बाधाओं के बारे में बता करता हूं। इस फिल्म को हमने एक साल के अंदर ही तैयार कर लिया। हमने फिल्म को लगभग 96 दिनों में शूट कर लिया जिसमें लगभग 55 दिनों तक 18-18 घंटे काम किया और कई बार तो पूरी-पूरी रात हमने शूट किया।इस दौरान कन्नड़ अभिनेता ने खुलासा किया कि शूटिंग के दौरान कई क्रू मेंबर्स फिल्म छोड़-छोड़ कर जा रहे थे क्योंकि हम फिल्म को जंगल में शूट कर रहे थे और हर शेड्यूल के बाद कुछ लोग हमारे प्रोजेक्ट को छोड़ देते थे। इसी समिट में जब अभिनेता से कांतारा के दूसरे पार्ट के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कांतारा पर काम खत्म नहीं हुआ है अभी फिल्म के पहले भाग पर ही काम चल रहा है और अभी मैं कांतारा 2 के बारे में नहीं सोचना चाहता। मालूम हो कि ऋषभ शेट्टी द्वारा अभिनीत और निर्देशित फिल्म कांतारा ने अपनी कहानी और बॉक्स ऑफिस कलेक्शन ने देशभर में लोगों का ध्यान आकर्षित किया है।

इरफान खान के बड़े बेटे बाबिल कला के बाद द रेलवे मेन में नजर आयेंगे

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता स्वर्गीय इरफान खान के बड़े बेटे बाबिल खान नेटफ्लिक्स की फिल्म कला से बाबिल इंडस्ट्री में एंट्री ले रहे हैं। बाबिल वेब सीरीज द रेलवे मेन में भी नजर आने वाले हैं। इसमें उनके साथ के के मेनन आर माधवन और दिव्येंदु होंगे। इस बीच बाबिल खान ने खुद को इंडस्ट्री की फालतू की बातों से बचाया हुआ है। इस बात का श्रेय अपने नए इंटरव्यू में बाबिल ने अपने बाबा इरफान को दिया है। बाबिल खान ने कहा कि ये उनके बाबा की विश्वसनीयता और लोगों से उनके कनेक्शन की वजह से हुआ है। फिल्मों में एंट्री करने को लेकर बाबिल खान कहते हैं मैं उनकी लेगसी से खुद को लगातार तोलता रहता हूं। भार है (कंधों पर)। मैं उन लोगों में से हूं जो जब भी कुछ करते हैं अपना बेस्ट देना चाहते हैं। हमने इस फिल्म (कला) को दो साल पहले शूट किया था। मैं बतौर एक्टर अब आगे बढ़ गया हूं। तो मैं हमेशा सोचता हूं कि काश मैंने ये ऐसे किया होता वो वैसे किया होता। मैं इस बात में भी भरोसा करता हूं कि जो भी आप करते हो उसका अपना सफर होता है और आप अपना ईगो उसमें नहीं ला सकते।पिता इरफान की लेगसी को आगे बढ़ाने पर बाबिल खान ने बात की। उन्होंने कहा बाबा का सारा काम लोगों से जुड़ने के लिए था। उन्हें अवॉर्ड की परवाह नहीं थी ना उन्होंने कभी ये सोची कि फिल्म को कौन प्रोड्यूस कर रहा है और कौन डायरेक्टर है। उन्हें बस पता था कि मुझे ये किरदार निभाना है और वो लोगों से उसे जोड़ ही लेते थे। यही चीज मुझमें भी आ गई है।हालांकि एक चीज जिसमें इरफान का बेटा होना उनके काम नहीं आया वो है प्रोजेक्ट्स पाने में। बाबिल ने बताया मुझे नहीं लगता मेरी मां कभी उठाकर किसी से फेवर मांग सकती हैं। मुझे ऑडिशन देने ही पड़ेंगे नहीं तो ऐसी मार पड़ेगी घर पर। ये हमारे संस्कार हैं। इसे तोड़ने की कोई गुंजाइश नहीं है। अभी भी मैं बहुत से ऑडिशन दे रहा हूं और कई में रिजेक्ट हुआ हूं। आज भी अगर मैं कोई ऑडिशन देता हूं जिसमें मैं पास होना चाहता हूं और नहीं हो पाता तो मेरी मां मुझसे गुस्सा हो जाती है। लेकिन वो कभी फोन उठाकर ये नहीं बोलेगी करा दो इसको। ये हमारे संस्कार के खिलाफ है। मुझे लगता है कि लोग भी इस बात को समझते हैं।

सूडोकु नवताल- 6270

सरल

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6269 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

शब्दजाल - 7017

गं	रा	जें	द्र	कु	मा	मो.	वा	ज	के.	यी	
द	कि	ल	प्रे	व	जी	र	द	ह	ए	रा	
वि	स	शो	म	त	ह	फी	म	ल	ल.	म	
मि	स	स	र	दि	ल	ज	ध	क	स	दु	
म	आ	चि	ग	कु	ज	त	तू	प	ह	प	
हें	ल	न	र	दि	मा	उ	म	व	ग	मु	
द्र	व	दे	फ्यू	जी	प	र	ज	ह	ल	के	
क	एं	व	ई	द	ब	र्ड	डू	ए	मू	श	
पू	ड	ब	फू	आ	शा	भो	स	ले	शी	द	
र	गॉ	र्म	प	ल	ता	मं	गे	श	क	र	
वि	ज	न	म	न्ना	डे	डि	त	ब	प	म	

शब्दजाल में दस गायक एवं गायिकाओं के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

मो.रफी, किशोर कुमार, मुकेश, महेंद्र कपूर, मन्ना डे, तलत महमूद, सचिनदेव बर्मन, लता मंगेशकर, आशा भोसले, के.एल.सहगल

शब्दजाल - 7016 का हल

रा	क	ल	ड्री	म	बि	हा	र	सी	ल	ज	
र	ज	ल	दे	क्रां	हि	ड	इं	म	ट	वा	
त	स	स्था	ल	र्म	मा	रा	रा	हा	ख	द	
म	ज	ज	न	पु	च	रा	प	रा	ली	ब	
मे	ध्य	दो	ग	त्ता	ल	क	तू	ष्ट्र	झ	उ	
स	क	प्र	प	ह	प्र	र्ना	ना	ता	घ	त्त	
गु	अ	स	दे	या	दे	ट	श	ज	ला	र	
पे	ज	दा	ई	श	श	क	फ	रा	श	प्र	
स	बा	रा	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	दे	
त्ता	पा	ला	त	शो	पं	जा	ब	ल	स्त्री	श	
ह	रा	जी	व	गां	धी	उ	ड्री	सा	म	त	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5970

	7				4	5
	33	1	23	6	33	
5		2	4			3
	28		27	4	36	
1	2			5		7
6	37	7	38		33	2
		5		3		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5969 का हल

1	5	4	3	2	7	6
2	30	7	31	4	34	2
6	3	2	4	5	7	1
5	37	6	33	6	29	3
7	5	3	6	1	2	4
3	30	5	32	7	34	5
4	2	1	6	3	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

राउंड ऑफ-16 में ब्राजील से भिड़ने से बचना चाहेगा पुर्तगाल, रोनाल्डो के खेलने पर संशय

दोहा।

पहले ही नॉकआउट में पहुंच चुकी पुर्तगाल की टीम शुक्रवार को फीफा विश्व कप के ग्रुप-एच में दक्षिण कोरिया का सामना करेगी। पुर्तगाली टीम की निगाहें एक अंक हासिल करने पर लगी है, ताकि वह अंतिम-16 में ब्राजील से भिड़ने से बच सके। मौजूदा तालिका में पुर्तगाल छह अंकों के साथ शीर्ष पर है, जबकि ब्राजील भी ग्रुप-जी में छह अंक लेकर शीर्ष पर कायम है। ऐसे में अंतिम-16 में ग्रुप-एच में शीर्ष पर रहने वाली टीम और ग्रुप-जी के दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम आमने-सामने होगी। ग्रुप-जी और एच की टीमें ग्रुप स्टेज के अपने आखिरी मैच खेलेंगी। भारतीय समयानुसार रात साढ़े आठ बजे से ग्रुप-एच के दो मैच होंगे। पुर्तगाल का सामना कोरिया रिपब्लिक और घाना का मुकाबला उरुग्वे से होगा। वहीं, भारतीय समयानुसार रात साढ़े 12 बजे (तीन दिसंबर) ग्रुप-जी के मैच होंगे। ब्राजील का सामना कैमरून और सर्बिया का सामना स्विटजरलैंड से होगा। रविवार को उरुग्वे पर जीत के बाद सांतोस ने कहा था कि वह कोरिया रिपब्लिक के खिलाफ कई अहम खिलाड़ियों को आराम देने की योजना बना रहे हैं, इसमें रोनाल्डो भी हो सकते हैं। 37 साल के रोनाल्डो के लिए नौ दिन में तीन मैच अधिक हो सकते हैं। रोनाल्डो बुधवार को टीम के ट्रेनिंग सत्र में नहीं दिखे, जबकि वह जिम में अभ्यास कर रहे थे। हो सकता है कि वह अंतिम-16 मुकाबले में ही खेलें। इससे गोंकालो रामोस या आंद्रे सिल्वा को शुरुआत करने का मौका मिल सकता है। सेंटर बैक दानिलो परेरा के भी मैच में नहीं खेलने की उम्मीद है जो पिछले हफ्ते ट्रेनिंग के दौरान पसली में चोट लगा बैठे थे। अगर पुर्तगाल के ब्रूनो फर्नांडिस चुने जाते हैं तो वह अपनी शानदार फॉर्म जारी रखना चाहेंगे। वह अभी तक दो गोल कर चुके हैं और दो गोल करने में मदद कर चुके हैं। वहीं, कोरिया को भी जीत दर्ज करने के अलावा उसी समय घाना और उरुग्वे के बीच हो रहे मुकाबले का नतीजा अपने हक में आने की दरकार होगी ताकि वह ग्रुप से पुर्तगाल के साथ अगले दौर में पहुंच सके। अगर घाना जीतती है तो दक्षिण कोरिया क्वालिफाई नहीं कर पाएगा, भले ही पुर्तगाल के खिलाफ नतीजा कुछ भी रहे। स्टार नेमार की अनुपस्थिति के बावजूद अंतिम-16 टीमों में प्रवेश कर चुकी ब्राजील की टीम कैमरून के खिलाफ अपने रिजर्व खिलाड़ियों को आजमाना चाहेगी।

न्यूज ब्रीफ

रिकी पोंटिंग अस्पताल में भर्ती: ऑस्ट्रेलिया-वेस्टइंडीज टेस्ट मैच के लिए कमेंट्री पैनल में शामिल थे

पर्थ। पूर्व दिग्गज क्रिकेटर रिकी पोंटिंग पर्थ में ऑस्ट्रेलिया-वेस्टइंडीज टेस्ट मैच के तीसरे दिन बीमार पड़ गए। इसके बाद उन्हें पर्थ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पोंटिंग इस मैच के लिए कमेंटेटर्स पैनल में शामिल हैं। हालांकि, जब वे बीमार पड़े तब कमेंट्री नहीं कर रहे थे। पोंटिंग तीसरे दिन के खेल के लंच टाइम से आसपास असहज महसूस करने लगे। फिर उन्होंने चैनल 7 के क्रू मेंबर्स को इसके बारे में बताया। इसके बाद उन्हें निजी वाहन से रॉयल पर्थ अस्पताल ले जाया गया। पोंटिंग इस समय भी डॉक्टर्स की निगरानी में बताए जा रहे हैं। पोंटिंग ने अस्पताल जाते वक्त साथी कमेंटर्स से कहा कि वे ठीक महसूस कर रहे हैं और एहतियात के लिए अस्पताल जाकर चेकअप करवाना चाहते हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वे शनिवार को कमेंट्री के लिए वापस लौटेंगे या नहीं। ऑस्ट्रेलिया ने पिछले साल पूर्व दिग्गज लेग स्पिनर शेन वार्न को खो दिया था। वार्न का थाईलैंड में दिल का दौरा पड़ने के कारण निधन हो गया था। वार्न और पोंटिंग दोनों एक साथ ऑस्ट्रेलिया के लिए खेले हैं। पिछले साल मार्च में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज रोडनी मार्श का भी निधन हुआ था। जिस टेस्ट मैच के दौरान पोंटिंग को अस्पताल ले जाया गया। उस टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 344 रन की बढ़त मिल चुकी है। ऑस्ट्रेलिया ने 4 विकेट पर 598 रन के स्कोर पर पहली पारी डिक्लेयर की। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 283 रन पर ऑलआउट हो गई। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने एक विकेट के नुकसान पर 29 रन बना लिए हैं। चौथे दिन का खेल भारतीय समय अनुसार सुबह 7.30 बजे से शुरू होगा।

गायकवाड का विजय हजारे में 12वां शतक: सौराष्ट्र के खिलाफ फाइनल में 108 रन की पारी खेली

पुणे। विजय हजारे ट्रॉफी सीजन 2022-23 का फाइनल मुकाबला अहमदाबाद में महाराष्ट्र और सौराष्ट्र के बीच खेला जा रहा है। कप्तान ऋतुराज गायकवाड के शतक की बदौलत महाराष्ट्र ने 50 ओवर में नौ विकेट पर 248 रन बनाए। जवाब में सौराष्ट्र ने 25 ओवर में बिना विकेट खोए 119 रन बना लिए हैं। गायकवाड ने 131 गेंदों का सामना करते हुए 7 चौके और 4 छक्के की मदद से 108 रन बनाए। हालांकि, महाराष्ट्र की ओर से कोई दूसरा बल्लेबाज हाफ सेंचुरी भी नहीं जमा सका। 37 रन बनाने वाले अजीम काजी दूसरे टॉप स्कोरर रहे। विजय हजारे ट्रॉफी में यह गायकवाड का अब तक का 12वां शतक है। वे इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा शतक जमाने वाले बल्लेबाज बन चुके हैं। उन्होंने रॉबिन उथप्पा और अंकित बावने का रिकॉर्ड तोड़ा है। उथप्पा और बावने ने इस टूर्नामेंट में 11-11 शतक जमाए हैं। गायकवाड ने इस सीजन में 5 मैचों में 220 की औसत से 660 रन बनाए। इसमें चार शतक शामिल हैं। उन्होंने सीजन के अपने पहले मैच में रेलवे के खिलाफ नाबाद 124 रन की पारी खेली। उसके बाद बंगाल के के खिलाफ 40 रन बनाए। यूपी के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में नाबाद 220 रन बनाए। सेमीफाइनल में गायकवाड ने असम के खिलाफ 168 रन की पारी खेली।

पूजा वस्त्राकार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज से बाहर: भारतीय महिला टीम की घोषणा, 9 दिसंबर से शुरू होंगे मुकाबले

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम की घोषणा कर दी गई है। पूजा वस्त्राकार चोट की वजह से सीरीज से बाहर हैं। ऑस्ट्रेलिया विमेंस टीम भारतीय दौरे पर आ रही है। टीम को यहां 5 टी-20 मैचों की सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला मुकाबला 9 दिसंबर से खेला जाना है। सीरीज के लिए हरमनप्रीत कौर को टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी दी गई है। स्मृति मंधाना को वाइस कैप्टन बनाया गया है। बीसीसीआई की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि चोटिल पूजा वस्त्राकार के नाम पर विचार नहीं किया गया है। वह सीरीज में टीम इंडिया की हिस्सा नहीं होंगी। उनकी इंजरी पर मेडिकल टीम नजर बनाए हुए है। ऑस्ट्रेलिया के साथ पांच मैचों की सीरीज के सभी मुकाबले मुंबई में खेले जाएंगे। पहल मुकाबला 9 दिसंबर को और दूसरा 11 दिसंबर को डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला जाएगा। बाकी के तीन मुकाबले (क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया) में खेले जाएंगे।

वर्ल्ड कप से पहले 18 वनडे खेलेगा भारत : पाकिस्तान में एशिया कप भी

मुंबई।

वनडे वर्ल्ड कप 2023 से पहले टीम इंडिया 18 वनडे, 9 टी-20 और 8 टेस्ट मैच खेलेगी। इस दौरान भारत को पाकिस्तान में 50 ओवर का एशिया कप भी खेलना है। टीम इंडिया पिछले दिनों न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज हार गई। सीरीज के 2 मैच बारिश में धुल गए, लेकिन टीम की खराब गेंदबाजी एक बार फिर उजागर हो गई। गेंदबाजी के अलावा टीम इंडिया के सामने और भी कई चुनौतियां हैं। जिन्हें हम इस खबर में बताएंगे, साथ ही बताएंगे कि टीम इंडिया किस तरह अपनी इन चुनौतियों से पार पा सकती है।

राउंड रॉबिन फॉर्मेट में होगा 2023 का वर्ल्ड कप - वर्ल्ड कप में 15 प्लेयर्स का स्क्वॉड रहेगा। जिनमें से 11 प्लेयर्स खेलेंगे। 2023 का वर्ल्ड कप राउंड रॉबिन फॉर्मेट में होगा। यानी, 2019 में हुए वर्ल्ड कप की तरह सभी 10 टीमें एक-दूसरे 9 मैच खेलेंगी। फिर टॉप-4 पोजिशन पर रहने वाली टीम सेमीफाइनल खेलेंगी। सेमीफाइनल की विजेता टीमें फाइनल खेलेंगी और फाइनल से विश्व विजेता का फैसला होगा।

कौन होंगे भारत के टॉप-15 - वर्ल्ड कप से पहले टीम सिलेक्शन टीम इंडिया के गले की हड्डी बना हुआ है। बल्लेबाज लगभग तय हैं, लेकिन ऑलराउंडर्स और गेंदबाज का सिलेक्शन भारत के लिए सिरदर्द बना हुआ है। जिनसे टीम इंडिया को पार पाना है।

टॉप ऑर्डर लगभग तय - टॉप ऑर्डर में कप्तान रोहित शर्मा के साथ शिखर धवन ओपनिंग करेंगे। विराट कोहली नंबर-3, श्रेयस अय्यर नंबर-4, लोकेश राहुल या ऋषभ पंत नंबर-5 पर रहेंगे। इन 6 प्लेयर्स के अलावा टीम इंडिया शुभमन गिल, संजू सैमसन, सूर्यकुमार यादव और दीपक हुड्डा को भी ट्राय कर रही है। बचे हुए 18 वनडे में प्रदर्शन के आधार पर इनमें से किसी एक प्लेयर को स्क्वॉड में जगह मिल सकती है।

ऑलराउंडर्स कौन होंगे - 6 और 7 नंबर पर टीम इंडिया हार्दिक पंड्या और रवींद्र जडेजा पर फिर एक बार भरोसा दिखा रही है। वहीं, इन पोजिशन के लिए वॉशिंगटन सुंदर, शार्दूल ठाकुर, दीपक चाहर को भी ट्राय किया जा रहा है। परफॉर्मेंस के आधार पर इन तीनों में से भी किसी एक प्लेयर को स्टैंडबाय के रूप में टॉप-15 में जगह मिल सकती है।

गेंदबाज सबसे बड़ी समस्या - 50 ओवर का टूर्नामेंट जीतने के लिए भारत को कम से कम 8 नंबर तक अच्छी बैटिंग करने वाले गेंदबाजों की जरूरत है। जिनमें सुंदर, शार्दूल और दीपक चाहर का नाम सबसे ऊपर है। 9, 10 और 11 नंबर पर प्रॉपर बॉलर हो तो भी काम चलाया जा सकता है। टीम के पास जसप्रीत बुमराह के रूप में एक नॉन-बैटिंग बॉलर अवेलेबल है। लेकिन, कुलदीप यादव, भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज और युजवेंद्र चहल में से किन्हीं 2 नॉन-बैटिंग बॉलर्स का चुनाव करना सबसे कठिन होगा। भारत उमरान मलिक, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप सेन, यश दयाल, अर्शदीप सिंह जैसे बॉलर्स को भी इन दिनों ट्राय कर रहा है। ऐसे में बचे हुए 18 वनडे से बेस्ट बॉलर्स को चुनना सबसे मुश्किल लग रहा है। इसी समस्या को टीम इंडिया को इन 18 वनडे में टैकल करना होगा।

विदेश में 2 सीरीज खेलेगा भारत - दिसंबर 2022 से लेकर सितंबर 2023 तक टीम इंडिया विदेश में 2 और अपने घर पर 4 सीरीज खेलेगी। इसके अलावा हमें सितंबर 2023 के दौरान पाकिस्तान में एशिया कप भी खेलना है। जो वनडे वर्ल्ड कप के चलते इस बार 50 ओवर का होगा। विदेश में भारत की पहली सीरीज 4 दिसंबर से बांग्लादेश के खिलाफ शुरू हो रही है। भारत यहां 3 वनडे खेलेगा। बांग्लादेश के बाद अलावा जुलाई 2023 के दौरान वेस्टइंडीज में भी हम 3 वनडे की सीरीज खेलेंगे।

ऑस्ट्रेलिया से 2 बार घर पर खेलेंगे - जनवरी 2023 में श्रीलंका, फरवरी में न्यूजीलैंड, मार्च में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम इंडिया घर पर 3 वनडे की 3 सीरीज खेलगा। सितंबर में एशिया कप के बाद उसी महीने ऑस्ट्रेलियन टीम 3 वनडे की सीरीज के लिए फिर भारत आएगी। इस सीरीज के बाद वर्ल्ड कप शुरू होगा। इस तरह भारत वर्ल्ड कप से पहले अपने घर पर 12 और विदेश में कम से कम 6 वनडे खेलेगा।

9 टी-20 और 8 टेस्ट भी खेलेंगे हम - भारतीय टीम 18 वनडे मैचों के अलावा 9 टी-20 और 8 टेस्ट मैच भी खेलेगी। 3-3 टी-20 की 2 सीरीज श्रीलंका और न्यूजीलैंड के खिलाफ घर में होंगी। वहीं, 3 मैचों की एक सीरीज वेस्टइंडीज में भी होगी।

इंग्लैंड ने 101 ओवर में बना दिए 657 रन: दूसरे दिन 151 रन बनाने में 6 बल्लेबाज आउट, जाहिद को 4 विकेट

रावलपिंडी।

पाकिस्तान के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 657 पर ऑलआउट हुई। इंग्लिश टीम ने सिर्फ 101 ओवर में इतना बड़ा स्कोर बना दिया। हैरी ब्रूक ने सबसे ज्यादा 153 रन की पारी खेली। पहले दिन के स्कोर 4 विकेट पर 506 रन से आगे खेलते हुए इंग्लैंड ने दूसरे दिन 151 रन बनाने में 6 विकेट गंवाए। पाकिस्तान की ओर से पहला टेस्ट मैच खेल रहे लेग स्पिनर जाहिद महमूद ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। नसीम शाह को 3 और मोहम्मद अली को 2 विकेट मिले। 1 कामयाबी हारिस रउफ को मिली। जवाब में पाकिस्तान ने लंच तक अपनी पहली पारी में बिना विकेट खोए 17 रन बनाए हैं। इमाम उल हक और अब्दुल्ला शफीक नाबाद हैं। दूसरे दिन के खेल में इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पहले ही ओवर में नसीम शाह ने बेन स्टोक्स को बोल्ड कर पवेलियन भेजा। स्टोक्स ने 18 गेंदों पर 41 रन बनाए। बोल्ड होने से पहले स्टोक्स ने नसीम की गेंद पर छक्का भी जड़ा था। स्टोक्स के आउट होने के बाद लियाम लिविंगस्टोन (9) भी नसीम शाह का शिकार बने।

ब्रूक ने दूसरे दिन अपने स्कोर में 52 रन का इजाफा किया। उनका विकेट भी नसीम ने लिया। इसके बाद आने वाले बल्लेबाजों में विल जैक्स ने 30 और ओली रॉबिनसन ने 37 रन बनाए। जैक लीच 6 रन बनाकर नाबाद रहे।

6.50 रहा इंग्लैंड का रन रेट

इंग्लैंड ने अपनी पारी में 6.50 रन प्रति ओवर की रफ्तार से बल्लेबाजी की। पाकिस्तान की ओर से बॉलिंग करने वाले 6 में से 4 गेंदबाजों की इकोनॉमी 6 से ज्यादा रही। हारिस रउफ ने 13 ओवर में 78 रन खर्च किए। जाहिद महमूद ने 33 ओवर में 235 रन दिए। आगा सलमान ने 5 ओवर में 38 और सउद शकील ने 2 ओवर में 30 रन लुटाए।

पाकिस्तान के दो स्ट्राइक गेंदबाजों की स्थिति कुछ बेहतर रही। नसीम शाह ने 24 ओवर में 140 रन खर्च किए। उनकी इकोनॉमी 5.83 की रही। वहीं, मोहम्मद अली ने 24 ओवर में 124 रन दिए। उनकी इकोनॉमी 5.16 की रही।

आईपीएल ऑक्शन 2023: 23 दिसंबर को होगी 991 खिलाड़ियों की नीलामी, ऑक्शन में शामिल होंगे 14 देशों के क्रिकेटर

मुंबई।

इंडियन प्रीमियर लीग 2023 की तैयारियां जोरों पर हैं। आईपीएल 2023 की शुरुआत से पहले मिनी ऑक्शन के लिए 714 भारतीयों सहित कुल 991 क्रिकेटर्स ने रजिस्ट्रेशन कराया है। ये नीलामी कोच्चि में 23 दिसंबर को आयोजित होगी। अगले आईपीएल में खेलने के लिए भारत के साथ-साथ 14 देशों के खिलाड़ी शामिल होंगे। इस बात की जानकारी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड बीसीसीआई ने दी है। इस जानकारी में सचिव जय शाह ने यह बताया है कि इस बार मिनी ऑक्शन में 87 खिलाड़ियों की बोली लग सकती है। इनमें विदेशी प्लेयर्स की संख्या 30 रहेगी। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने जारी बयान में कहा कि यदि अगले सीजन में फ्रेंचाइजी को अपनी स्क्वॉड में अधिकतम 25 खिलाड़ियों को ही रखने की अनुमति ही रहती है, तो फिर मिनी ऑक्शन में 87 खिलाड़ियों पर बोली लगाई जाएगी। इनमें 30 विदेशी प्लेयर शामिल रहेंगे। बता दें कि अब तक हर एक टीम में अधिकतम 25 प्लेयर रखने की ही अनुमति है। इसमें अधिकतम 8 विदेशी रह सकते हैं। इस मिनी ऑक्शन में 277 विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे। इन सभी खिलाड़ियों की लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा 57 क्रिकेटर शामिल होंगे। इसके बाद साउथ अफ्रीका के 52 खिलाड़ी

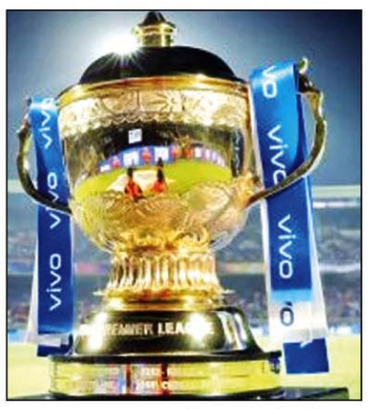

रहेंगे। वहीं वेस्टइंडीज के 33, इंग्लैंड के 31, न्यूजीलैंड के 27, श्रीलंका के 23, अफगानिस्तान के 14, आयरलैंड के 8, नीदरलैंड के 7, बांग्लादेश के 6, यूएई के 6, जिम्बाब्वे के 6, नामीबिया के 5 और स्कॉटलैंड के 2 खिलाड़ी शामिल हैं। मिनी ऑक्शन में शामिल कुल खिलाड़ियों में 185 कैप्ड और 786 अनकैप्ड प्लेयर रहेंगे। वहीं एसोसिएट देशों के 20 खिलाड़ी हैं। इस लिस्ट में 604 अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी हैं। जिसमें से 91 इससे पहले भी आईपीएल का हिस्सा रह चुके हैं।

मेसी की पेनाल्टी पर उठे विरोध के सुर, ग्रीजमैन का गोल खारिज करने पर फ्रांस करेगा फीफा से शिकायत

दोहा।

फीफा विश्व कप में वीडियो असिस्टेंट रेफरी के फैसलों पर विरोध के सुर उठने लगे हैं। ट्यूनीशिया के खिलाफ अंतिम कुछ सेकंड में फ्रांस के एंटोनी ग्रीजमैन का गोल खारिज करने के वार के फैसले के खिलाफ फ्रेंच फुटबाल फेडरेशन ने फीफा से आधिकारिक शिकायत करने का फैसला लिया है। एक ही दिन में वार के दो फैसलों पर जमकर बवाल मचा और यह तकनीकि अचानक आलोचनाओं के घेरे में आ गई। ज्यादातर विशेषज्ञों ने अर्जेंटीना को पोलैंड के खिलाफ वार की ओर से दी गई पेनाल्टी के फैसले को भी गलत ठहराया। सोशल मीडिया पर तो यहां तक लिखा गया, आखिर कर्म सामने आया, मेसी उस पेनाल्टी पर गोल नहीं कर पाए जो नहीं दी जानी चाहिए थी। फ्रेंच फुटबाल की ओर से जारी बयान में कहा गया कि उनकी ओर से ग्रीजमैन के गोल को गलत तरीके से खारिज किए जाने के खिलाफ फीफा को शिकायत की जा रही है। दरअसल ग्रीजमैन ने जब गोल किया तो गेंद ट्यूनीशियाई रक्षक से टकराते हुए गोल में गई। गोल करने के बाद रेफरी ने खेल को जारी रखा और मैच समाप्ति की सीटी भी बजा दी। मुकाबला 1-1 की बराबरी पर था। नियम कहते हैं कि रेफरी के खेल जारी रखने के बाद वार किसी फैसले में हस्तक्षेप

नहीं कर सकता है। लेकिन उसने ऐसा किया और रेफरी ने गोल को न सिर्फ खारिज किया बल्कि खेल को भी शुरू करा दिया। इसके बाद 40 सेकंड तक खेल हुआ, जबकि वह मैच समाप्ति की सीटी पहले ही बजा चुके थे। नतीजन फ्रांस यह मुकाबला 1-0 से हार गया। फ्रेंच फुटबाल मैच के फैसले को भी बदलने की मांग करेगा। इसी तरह अर्जेंटीना और पोलैंड के मैच के 36वें मिनट में जब गोलकीपर वोज्शिएक का हाथ मेसी के चेहरे पर लगा तब तब तक गेंद उनके सिर को पार कर चुकी थी। मेसी को हाथ जरूर लगा, लेकिन हाथ लगने के दौरान वह गोल करने की स्थिति में नहीं थे। बावजूद इसके रेफरी ने इसे वोज्शिएक का फाउल माना को अर्जेंटीना को पेनाल्टी दे दी। सोशल मीडिया पर वार के इस फैसले के विरोध में आलोचनाओं की बाढ़ सी आ गई। रीप्ले में साफ दिखाई दे रहा था कि यह फैसला संदेहास्पद है। हालांकि वोज्शिएक ने इस फैसले के बावजूद मेसी के लेफ्ट फुटर को शानदार ढंग से रोककर न सिर्फ उन्हें गोल करने से रोका बल्कि जमकर वाहवाही भी लूटी।

स्पेन के खिलाफ जापान का विवादित गोल, चार बार के चैंपियन जर्मनी को किया बाहर

दोहा।

कतर में खेला जा रहा फीफा वर्ल्ड कप ग्रुप स्टेज से आगे बढ़कर नॉकआउट स्टेज में पहुंचने की ओर है। ग्रुप स्टेज के आखिरी मुकाबले खेले जाएंगे। ग्रुप-ई के मुकाबलों में भारी ड्रामा देखने को मिला। स्पेन का मुकाबला जापान से और चार बार की चैंपियन जर्मनी का मुकाबला कोस्टा रिका से था।

विवादित गोल से मचा तहलका - जापान को राउंड ऑफ-16 में पहुंचने के लिए स्पेन के खिलाफ जीतना जरूरी था। वहीं, जर्मनी को भी कोस्टा रिका के खिलाफ जीत जरूरी थी, लेकिन साथ ही यह भी मनना था कि जापान स्पेन के खिलाफ हार जाए। हालांकि, ऐसा नहीं हो सका और एशियाई टीम ने 2010 की चैंपियन स्पेन को 2-1 से हरा दिया। इस मैच में जापान का एक विवादित गोल सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। इसी गोल ने जर्मनी को विश्व कप से बाहर किया।

जापान की जीत में वीएआर का योगदान - जर्मनी की टीम ने तो कोस्टा रिका के खिलाफ 4-2 से जीत दर्ज की, लेकिन स्पेन जापान को जीतने से नहीं रोक सका। स्पेन गोल डिफ्रेंस में जर्मनी से आगे निकल गया और विश्व कप के अगले राउंड में जगह बनाने में कामयाब रहा। जापान की जीत में वीडियो असिस्टेंट रेफरी यानी वीएआर का अहम योगदान रहा। स्पेन ने मैच में शानदार शुरुआत की और 12वें मिनट में अल्वारो मोराटा ने बेहतरीन गोल दागा। हाफ टाइम तक यही स्कोर रहा, लेकिन हाफ टाइम के बाद यानी दूसरे हाफ में जापान ने काउंटर अटैक करना शुरू किया।

मितोमा का पास पर हुआ विवाद - सब्सटिट्यूट के रूप में मैदान पर आए रित्सू दोआन ने 48वें मिनट पर बराबरी

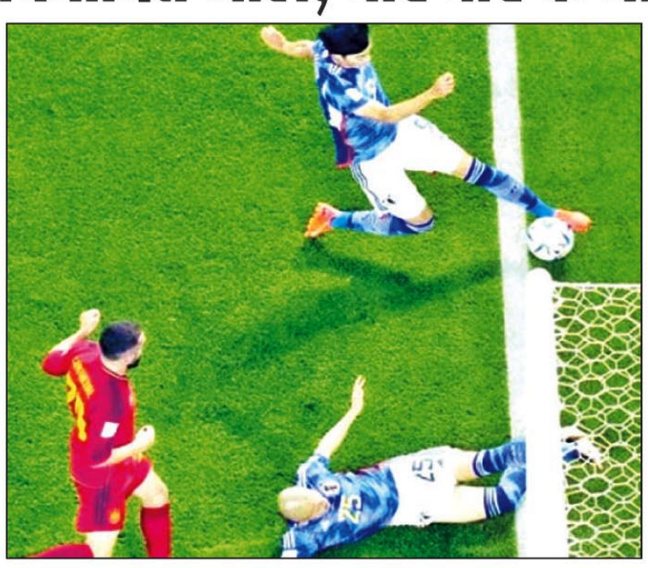

का गोल दागा। इसके बाद एओ तनाका ने 51वें मिनट में गोल दाग जापान को 2-1 से आगे कर दिया। इसके बाद दोनों टीमें कोई गोल करने में असमर्थ रहीं। तनाका द्वारा किया गया जापान का दूसरा गोल विवाद का विषय बन गया। सोशल मीडिया पर इसको लेकर खूब चर्चा हो रही है। दरअसल, तनाका ने यह गोल काओरू मितोमा के पास पर किया था।

मैच में क्या हुआ था - मितोमा ने गोल पोस्ट के बगल से लाइन के बाहर जा चुकी गेंद को किक कर पास दिया था। इस पर तनाका ने गोल किया। हालांकि, गोल के बाद स्पेन ने वीएआर की मांग की। रेफरी और टेक्निकल असिस्टेंट ने काफी देर तक वीएआर तकनीक से मितोमा के पास की जांच करने के बाद इसे गोल करार दिया। इस पर स्पेन के खिलाड़ी और फैन्स यकीन नहीं कर सके। वीएआर के बाद अधिकारियों का मानना था कि गेंद तब तक मैच में बनी हुई थी। यानी उस क्रॉस से गोल किया जा सकता था। इसलिए यह गोल दिया गया।

हालांकि, इस गोल ने जर्मनी को वर्ल्ड कप से बाहर कर दिया। जापान ने ग्रुप-ई में टॉप पर रहकर अगले राउंड के लिए क्वालिफाई किया। वहीं, स्पेन की टीम दूसरे स्थान पर रही। जर्मनी तीसरे और कोस्टा रिका की टीम चौथे स्थान पर रही। राउंड ऑफ-16 में जापान का सामना 2018 की रनर अप टीम क्रोएशिया से होगा। वहीं, स्पेन की टीम मोरक्को से भिड़ेगी। 2014 की चैंपियन जर्मनी की टीम 2018 के बाद लगातार दूसरी बार ग्रुप स्टेज से बाहर हुई है। यह समझना होगा कि भले ही गेंद जमीन पर टचलाइन के बाहर जा रही थी, लेकिन इसका टैंजेंट पर्मिशेबल लिमिट के अंदर था। इसलिए गेंद का एक हिस्सा टचलाइन के साथ लाइन में था।

डैकोरेशन टिप्स

पार्टी के लिए करें इनोवेटिव डैकोरेशन

आप भी अपनी शादी की पार्टी की डैकोरेशन को यादगार बनाना चाहते हैं, लेकिन आप का बजट इतना नहीं है और न ही आप के यहां पर्याप्त जगह है तो निराश न हों. कुछ इनोवेटिव आइडियाज और ऐक्सपर्ट्स की मदद से आप पार्टी डैकोरेशन को शानदार बना सकती हैं.

एक ही शहर में एक ही कंपनी में काम करने वाले अनिकेत और अंकिता एकदूसरे को इस कदर भाए कि दोनों ने वैवाहिक बंधन में बंधने का फैसला कर लिया. चूंकि दोनों की नौकरी भी नईनई थी और वे अपने पेरैंट्स पर भी आर्थिक बोझ नहीं डालना चाहते थे, इसलिए दोनों ने शादी के आयोजन पर बहुत अधिक खर्च करने के बजाय पहले कोर्ट मैरिज की और बाद में घर पर ही एक पार्टी के आयोजन का निर्णय लिया.

इस पार्टी में वे अपने पेरैंट्स, नजदीकी रिश्तेदारों व खास दोस्तों को शामिल करना चाहते थे लेकिन अनिकेत और अंकिता के सामने सब से बड़ी समस्या यह थी कि छोटी जगह में घर पर ही कम बजट में पार्टी की डैकोरेशन बेहतर ढंग से कैसे करें.

वैडिंग प्लानर नीता सोनी का. नीता सोनी ने बताया कि घर में पार्टी की डैकोरेशन से पहले कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए.

- पार्टी छत पर करना चाहते हैं या घर के अंदर
- पार्टी में आने वाले मेहमानों की संख्या कितनी है
- पार्टी दिन में करना चाहते हैं या रात में
- पार्टी डैकोरेशन का बजट कितना है
- बजट तय करने के बाद यह निर्धारित कर लें कि किन चीजों पर कम और किन पर अधिक खर्च करना है. मसलन, फूलों पर अधिक और लाइट्स पर कम, अपहोलस्ट्री पर अधिक और डैकोरेटिव आइटम्स पर कम खर्च करेंगे.
- पार्टी की तैयारी के लिए आप दोस्तों व रिश्तेदारों की मदद लेंगे या प्रोफैशनल मदद लेंगे. यह आप के बजट पर निर्भर करेगा. अगर बजट कम है तो दोस्तों, रिश्तेदारों की मदद लें और बजट थोड़ा अधिक है तो आसपास के लोकल डैकोरेटर की भी मदद ले सकते हैं.

डैकोरेशन के शानदार आइडियाज

- कलरफुल दुपट्टों, नैट व सिल्क की साड़ियों से घर की दीवारों और खिड़कियों को इंद्रधनुषी लुक दें.
- परंपरागत तरीके से घर की डैकोरेशन करना चाहते हैं तो गेंदे, गुलाब व रजनीगंधा के फूलों से घर को सजाएं. अगर आधुनिक तरीके से सजावट करना चाहते हैं तो एक्जोटिक और्किड, लिली व कारनेशन के फूलों का चयन करें.
- फ्रैश फ्लावर न मिलें तो ड्राइफ्लावर और ट्विस्टेड स्ट्रिक्स को भी लें. कांच या मिट्टी के वास में सजा कर डैकोरेशन को डिफरैंट लुक दें.
- फूलों के बुके को रिबन व नैट फैब्रिक से बांध कर साइड टेबल और डाइनिंग टेबल पर रख कर भी आप घर की शोभा बढ़ा सकते हैं.
- फूलों की लड़ियां बना कर प्रवेश द्वार पर बंदनवार की तरह लगा सकते हैं.
- कमरे में अगर जगह कम हो और आप कुरसियों के खर्च को बचाना चाहते हैं, तो कमरे में लोअर सीटिंग अरेंजमैंट करें. लोअर सीटिंग को और आकर्षक बनाने के लिए टाई ऐंड डाई, बीड्स, जरदोजी वर्क, सिल्क, वैल्वेट या टिश्यू वाले कुशन व मसनद का प्रयोग करें.
- पार्टी के स्थान पर इनडोर बोनसाई प्लांट्स रखें. यह आप की डैकोरेशन को इकोफ्रैंडली लुक देगा.
- पार्टी सजावट में सैंटेड कैंडल्स व फ्लोटिंग कैंडल्स को भी स्थान दें. यह पार्टी के माहौल को कूल व फ्रैश इफैक्ट देगा.
- मिट्टी के बड़े से वास पर ब्रौंज, सिल्वर, गोल्डन व कौपर कलर कर के आर्टिफिशियल फ्लावर स्ट्रिक्स लगाएं. यह आप की डैकोरेशन को कलात्मक रूप देगा.

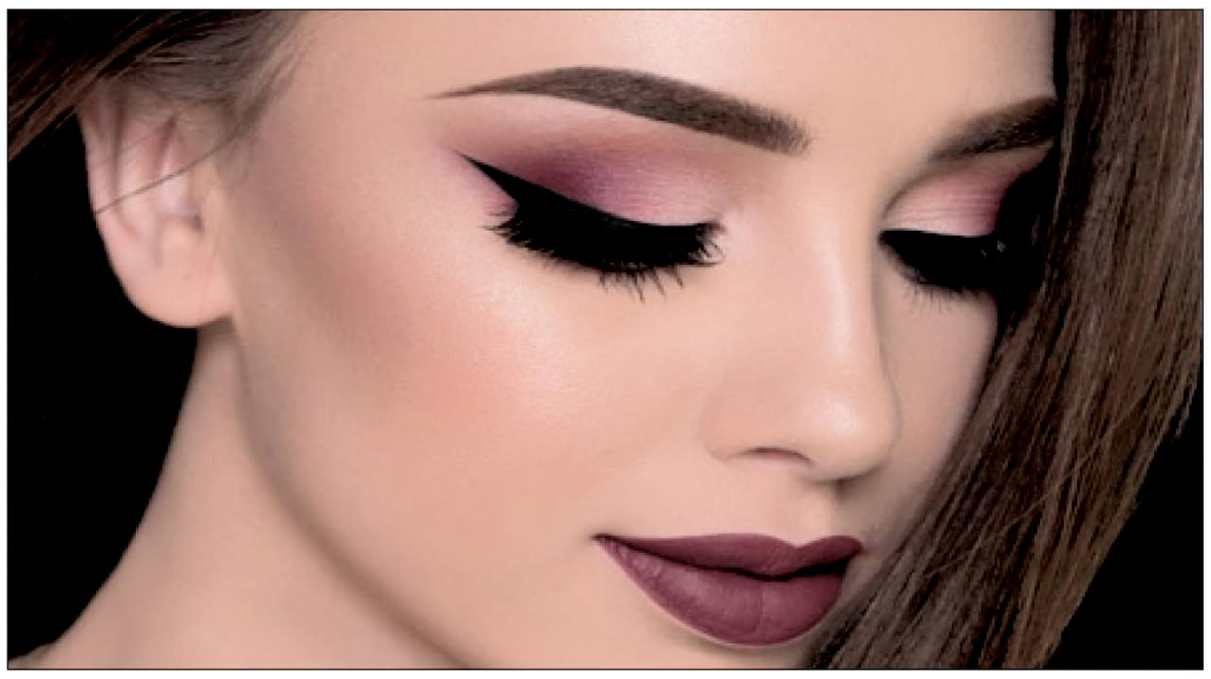

सर्दियों में इस तरह करें मेकअप

मौसम के साथ साथ त्वचा की आवश्यकताएं भी बदल जाती है. सर्दियों के मौसम में हमारें त्वचा को खास देखभाल की जरूरत होती है, क्योंकि इस मौसम में हमारी त्वचा रूखी और बेजान हो जाती है. खुश्की त्वचा पर मेकअप कर पाना थोड़ा मुश्किल होता है. सर्दियों के कुछ महीने अपने मेकअप के साथ कुछ नया करने के महीने होते हैं. जो मेकअप गर्मियों में आपके चेहरे पर अच्छे नहीं लगते, हो सकता है वही ठण्ड में आपको एक नया लुक दें. यहां कुछ आसान से नुस्खे दिए जा रहे हैं जो कंपकंपाती ठंड में भी आपको खूबसूरत और रूप की मालिका बनाये रखेंगी.

चेहरें का मेकअप

सर्दियों में साबुन से चेहरा न धोएं. इससे चेहरे पर रूखापन बड़ जाएगा. दिन में दो बार क्लीजिंग मिल्क से त्वचा की सफाई करे, इसके बाद किसी अच्छे माइस्चराइजिंग साबुन या फेस वाश से चेहरे को धोएं, चेहरे का मेकअप करते समय ये ध्यान रखें कि बाहर चाहे कितनी भी ठण्ड हो, सिर्फ उसी फाउंडेशन या माइस्चराइसर का प्रयोग करें जिसमें spf की अधिक मात्रा हो.

आंखो का मेकअप

अगर आप अपने चेहरे के किसी भाग को अलग से आकर्षक लुक देने की सोच रही हैं तो आंखों की और ध्यान दें.

मस्कारा

सर्दियों के मौसम में नीले और जामुनी जैसे अलग रंग आपकी आंखो पर काफी खिलेंगे. इस तरह के डार्क रंगो का इस्तेमाल कर अपनी आंखों को मस्करा लगाएं. इस तरह का प्रयोग करके आप अपनी आखों को और भी खूबसूरत रूप दें सकेंगी.

आई लाइनर

मेकअप गुरु हमेशा ठण्ड में आंखों के सजावट पर ध्यान देने की सलाह देते हैं. पलकों के ऊपर चारकोल लाइनर या चाकलेट ब्राउन आई पेंसिल का प्रयोग करने से आपकी आँखें भीड़ से अलग दिखेंगी. ठण्ड के मौसम में काले रंग को छोड़कर चाकलेट ब्राउन, जंगल ग्रीन या नेवी ब्लू को अपना आई लाइनर चुनें. इस लुक को और आकर्षक बनाने के लिए बिलकुल हल्के रंग के लिपस्टिक का प्रयोग करें.

आई शैडो

ठण्ड के मौसम में आमतौर पर चमकीले कलर का आई शैडो प्रयोग करना अच्छा रहता है ये आपकी खुबसुरती को और बढ़ाता है. भूरे रंग का आई शैडो एक अलग तरह के आकर्षक लुक को बनाए रखने में मदद करता है. इसके आलावा हल्के काले आई लाइनर के साथ अगर सुनहरे और सफेद रंग के मिश्रण वाला आई लाइनर प्रयोग किया जाए तो यह आपकी आंखो पर और भी ज्यादा शानदार दिखाई पड़ेगा.

खूबसूरत होठों के टिप्स

सर्दियों में जिस रंग के साथ आप सबसे ज्यादा प्रयोग कर सकते हैं वो है लाल. आपकी स्किन टोन जो भी हो,लाल हर तरह के चेहरे पर अच्छा लगता है. होंठों पर लिपस्टिक लगाने के पहले कोई क्रीम या लिपलास लगा लें जिससे होंठों की नमी बरकरार रहे. अब आप 5 मिनट बाद अपने पसंद की लिपस्टिक लगाये और इसके बाद सही प्रकार के लिप लाइनर का इस्तेमाल करें.

पक्षियों के साथ लें छुट्टियों का मजा

प्रकृति प्रेमी ज्यादातर अपना समय प्रकृति के बीच में बिताना पसंद करते हैं और यही वजह है कि ऐसे लोगों की वजह से दुनिया की कुछ जगह पर्यटन स्थल बन गई हैं. आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पक्षियों को तथा अनेकों प्रकार के जीवों को आप देख सकती हैं और वहां जाकर रोमांच का भी भरपूर मजा ले सकती हैं.

भरतपुर पक्षी अभयारण्य: पक्षी प्रेमियों के लिए राजस्थान भरतपुर में बना केवलादेव घाना राष्ट्रीय उद्यान भी एक बेहतर स्थान साबित हो सकता है. सर्दियों के मौसम में अक्टूबर से फरवरी तक घूमने का एक अलग ही मजा है, क्योंकि इन महीनों में यहां दुर्लभ और लुप्तप्राय पक्षी बड़ी संख्या में आते हैं. पक्षी प्रेमी यहां क्रेन, पेलिकन, गुई, बतख, ईगल्स, वाग्टेल्स और वौर्बलर्स जैसे पक्षियों को आसानी से देख सकते हैं. इस सीजन में स्थानीय पक्षियों के अलावा बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी भी होते हैं, जिनमें ज्यादातर पक्षी मध्य एशिया के होते हैं.

सुल्तानपुर पक्षी अभयारण्य: हरियाणा में स्थित सुल्तानपुर पक्षी अभयारण्य पक्षी प्रेमियों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है. यहां पर पक्षी देखने के लिए सर्दी का समय काफी अच्छा माना जाता है. इसलिए पक्षी प्रेमी यहां पर अक्टूबर से लेकर फरवरी के महीने में घूम सकते हैं. यहां उत्तरी पिंटेल, ग्रेटर फ्लेमिंगो, एशियाई कोयल, पीला वाग्टेल, रोज़ी पेलिकन, यूरेशियन विजेन, कौमन टील और साइबेरियन क्रेन जैसी पक्षी बहुत प्यारे लगते हैं. सर्दियों में बड़ी संख्या में वदिशी पयर्टक भी घूमने आते हैं और कैमरों में पक्षियों को कैद करते हैं.

चिल्का झील पक्षी अभयारण्य: ओडिशा का चिल्का झील भी पक्षी प्रेमियों के लिए एक शानदार स्थान है. सर्दियों में घूमने का एक अलग ही मजा है. पिअर-आकार में बनी चिल्का झील घूमने का अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक का है. यहां पर समुद्री ईगल्स, ग्रेलेग गुइज और बैगनी मूरिन जैसी अनोखी प्रजातियों के पक्षियों का जमावड़ा रहता है. इस झील में कई छोटे द्वीप हैं, जिनमें रंग-बिरंगे पंखों वाले पक्षियों को उड़ते हुए कैमरे में कैद करना काफी अच्छा लगता है।

जानकारी

आयरन की कमी को न करें नजरअंदाज

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कामकाजी महिलाएं हों या गृहिणियां हमेशा अपने स्वास्थ्य को इग्नोर करती हैं. वे दिन भर इतनी व्यस्त रहती हैं कि उन्हें खुद पर ध्यान देने का मौका ही नहीं मिलता. कई बार उन्हें थकान महसूस होती है, मगर ज्यादा काम का बहाना बना कर वे उसे नजरअंदाज कर देती हैं. जबकि अकसर थकान का आभास होना शरीर में आयरन की कमी होने का संकेत होता है.

यदि ज्यादा समय तक इस स्थिति को नजरअंदाज किया जाए तो धीरे धीरे शरीर में खून की कमी होने लगती है और महिलाएं ऐनीमिया से ग्रस्त हो जाती हैं. उन के हीमोग्लोबिन का स्तर नीचे चला जाता है. ऐसे में छोटी से छोटी बीमारी से भी उन्हें बचाना मुश्किल हो जाता है. शरीर को चुस्त दुरुस्त रखने में आयरन की खास भूमिका है. असल में हीमोग्लोबिन के सबसे जरूरी घटक के रूप में आयरन पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है. शरीर के हर सेल को एनर्जी पाने के लिए ऑक्सीजन की जरुरत होती है और सेल्स की यह जरुरत पूरी करने में आयरन मदद करता है. आयरन के बिना शरीर थका और सुस्त सा रहता है। आयरन महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह हीमोग्लोबिन बनाने के लिए जरूरी है. आहार से पर्याप्त आयरन न मिलने से ऐनीमिया हो सकता है. इसे आयरन की कमी वाला ऐनीमिया कहा जाता है. इसलिये शरीर में आयरन की कमी का पूर्वानुमान व निदान आवश्यक होता है.

अगर महिलाएं अपनी जीवनशैली में ये बदलाव करें तो यकीन मानिए उनके शरीर में आयरन की कमी कभी नहीं होगी।

- यदि आप शाकाहारी हैं, तो अपने भोजन में मसूर की दाल, फलियां, चना, सेम, छोला और पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक और फूलगोभी का प्रयोग करें. इन सभी में आयरन की पर्याप्त मात्रा होती है.
- यदि आप मांसाहारी हैं, तो ऑयस्टर, बीफ लीवर, चिकन और लीन बीफ जैसे कई विकल्प आपके लिए हैं. ये सभी आपके भोजन में आयरन की कमी को पूरा करते हैं.
- अगर आपको रोज सुबह कौलेज या औफिस के लिए निकलना हो और आपके पास नाश्ता बनाने का समय न हो, तो अपनी सुबह की दिनचर्या में रोटी और ब्रेड को शामिल करें. इन दोनों में आयरन की अतिरिक्त मात्रा होती है जो आपके लिए फायदेमंद है.
- क्या आपको मीठा पसंद है? अगर हां तो डार्क चौकलेट आपके लिए ही है. ये न केवल आपकी भूख मिटाएगी बल्कि आपके शरीर में आयरन की कमी को भी पूरा करेगी.
- आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थों के अतिरिक्त आपको विटामिन सी की भी आवश्यकता होती है. इसके लिए आप ब्रोकोली और स्ट्रॉबेरी का सेवन करना चाहिए और साथ में संतरे का जूस भी हो तो मजा आ जाएगा.
- अगर आपको चाय या कॉफी पसंद है तो ध्यान रखें की कभी भी इन्हें अपने भोजन के साथ न लें. खाने के साथ या उसके बाद चाय या कॉफी पीने से इसमें मौजूद टैनिन खाने में पाए जाने वाले आयरन के अब्जॉर्बशन को कम करता है.
- अपनी जीवनशैली में इन सभी परिवर्तनों के अलावा आप डॉक्टर की सिफारिश पर अपनी दिनचर्या में लिवोजिन जैसा बेहतरीन आयरन सप्लीमेंट भी जोड़ सकते हैं. यह आसानी से उपलब्ध है और आपकी आयरन की कमी से लड़ने में सहायता करेगा.

बच्चों में डालें पढ़ने की आदत

आजकल सभी मातापिता यह शिकायत करते हैं कि बच्चे स्मार्टफोन, टैबलेट, टीवी या फिर मोबाइल पर गेम्स खेलने में लगे रहते हैं. मंजीत कहते हैं, ''एक हमारा जमाना था जब हम पढ़ते हुए कभी नहीं थकते थे.'' साथ में बैठी उन की पत्नी फौरन बोल उठीं, ''मुझे तो मीकू, चीकू बहुत पसंद थे.'' बालपुस्तकों की कमी आज भी नहीं, किंतु आज की पीढ़ी पढ़ने का खास शौक नहीं रखती है. कहीं इस के जिम्मेदार हम ही तो नहीं? पहले इतनी तकनीक हर हाथ में उपलब्ध नहीं होती थी कि बच्चे किताबों के अलावा मन लगा पाते. आजकल गैजेट्स हर छोटेबड़े हाथ को आसानी से प्राप्त हैं.

अपने नन्हे को पढ़ कर सुनाएं

अपने नन्हेमुन्ने का अपने जीवन में स्वागत करने के कुछ वर्षों बाद ही आप उसे कहानी पढ़ कर सुनाने की प्रक्रिया आरंभ कर दें. इस से न केवल आप का अपने बच्चे से बंधन मजबूत होगा बल्कि स्वाभाविक तौर पर उसे पुस्तकों से प्यार होने लगेगा. उम्र के छोटे पड़ाव से ही किताबों के साथ से बच्चों में पढ़ने की अच्छी आदत विकसित होती है. प्रयास करें कि प्रतिदिन कम से कम 20 मिनट आप अपने बच्चों के साथ मिल कर बैठें और पढ़ें. पुस्तकों में कोई रोक न रखें, जो आप के बच्चे को पसंद आए, उसे वह पढ़ने दें.

पढ़ने के साथ समझना भी जरूरी

बच्चा तेजी के साथ किताब पढ़ पाए, यह हमारा लक्ष्य नहीं है, बल्कि जो कुछ वह पढ़ रहा है, उसे समझ भी सके. इस के लिए आप को बीचबीच में कहानी से संबंधित प्रश्न करना चाहिए. इस से बच्चा न केवल पढ़ता जाएगा, बल्कि उसे समझने की कोशिश भी करेगा. आप ऐसे प्रश्न पूछें, जैसे अब आगे क्या होना चाहिए, क्या फलां चरित्र ठीक कर रहा है, यदि तुम इस की जगह होते तो क्या करते. ऐसे प्रश्नों से आप का बच्चा कहानी में पूरी तरह भागीदार बन सकेगा तथा उस की अपनी कल्पनाशक्ति भी विकसित होगी.

बच्चे के रोलमॉडल बनें

यदि आप का बच्चा बचपन से पढ़ने का शौकीन है तब भी घर में किसी रोलमौडल की अनुपस्थिति उसे इधरउधर भटकने पर मजबूर कर सकती है. आप स्वयं अपने बच्चे के रोलमौडल बनें और उस की उपस्थिति में अवश्य पढ़े. चाहे आप को स्वयं पढ़ना बहुत अधिक पसंद न भी हो तब भी आप को प्रयास करना होगा कि बच्चे के सामने आप पढ़ते नजर आएं. क्या पढ़ते हैं, यह आप की इच्छा है, लेकिन आप के पढ़ने से आप का बच्चा यह सीखेगा कि पढ़ना उम्र का मुहताज नहीं होता और हर उम्र में इंसान सीखता रह सकता है.

आसपास देख कर सिखाइए

छोटे बच्चे बिना पढ़े ही क्रीम की बोतल के नाम, शैंपू के नाम, उन के पसंदीदा रैस्तरां, जैसे डोमिनोज का नाम आदि जान जाते हैं. कैसे? चिह्नों द्वारा. मीनल बताती हैं कि उन की डेढ़ वर्षीय बिटिया ढेर सारे चिह्न (कंपनियों के लोगो) पहचानती है और उन की कंपनियों के नाम बता देती है तो जब उन के दूसरा बच्चा होने का समय निकट आया, उन्होंने नवजात शिशु की कौट के ऊपर उस के नाम के अक्षर टांग दिए. इस का असर यह हुआ कि न केवल उन की बड़ी बिटिया नाम की स्पैलिंग सीख गई, बल्कि छोटी भी बहुत जल्दी वर्णमाला सीख गई. तकनीकी भाषा में इसे 'एनवायरनमैंटल प्रिंट' कहते हैं अर्थात चिह्नों की सहायता से बच्चे, बिना पढ़े ही, भिन्न रैस्तरां, सौंदर्य प्रसाधन, ट्रैफिक सिग्नल, कपड़े, पुस्तकें आदि पहचानने लगते हैं और उन में भेद कर सकते हैं. नन्हे बच्चों की उत्सुक प्रवृत्ति का लाभ उठाते हुए आप उन्हें न केवल किसी चीज का शाब्दिक अर्थ बल्कि सामाजिक महत्त्व तथा उपयोग भी बता सकते हैं. अपने आसपास की चीजें देख वे प्रश्न करेंगे और आप उत्तर के द्वारा उन्हें कई चीजें सिखा सकते हैं.

भिन्न प्रकार की पुस्तकों को बनाएं मित्र

जब आप का बच्चा पढ़ने लगे, तब आप उसे भिन्न प्रकार की पुस्तकें पढ़ने को दें, जैसे अक्षर ज्ञान वाली पुस्तकें, बाल कहानियां, कविताओं की पुस्तकें आदि. साथ ही, वह एक प्रकार की कहानियों को दूसरी से अलग करने में अपने दिमाग में विचारों को बनाना व संभालना सीखेगा.

खेलखेल में

कई खेलों द्वारा आप अपने छोटे बच्चे को पढ़ने की ओर आकर्षित कर सकती हैं. दिल्ली की प्रेरणा सिंह कहती हैं, ''हर शुक्रवार वे अपनी सोसाइटी में 5 से 7 साल के बच्चों के लिए 'फन फ्राइडे' मनाती हैं. यहां वे बच्चों की टोली को अलगअलग टीम में विभाजित कर खेलों द्वारा पढ़ने की ओर उन का रुझान पैदा करती हैं. इस के लिए वे कई खेलों का सहारा लेती हैं. वे कहती हैं, ''केवल स्कूली पढ़ाई ही जीवन में काम नहीं आती. जो कुछ हम अपने वातावरण से सीखते हैं, वही हमारा व्यक्तित्व बनता है और जिंदगी में हमारे काम आता है.''

डिजिटल बनाम प्रिंट

वर्ष 2013 से 2015 तक नाओमि बैरोन द्वारा किए गए शोध में 5 देशों-भारत, जापान, अमेरिका, जरमनी व स्लोवेनिया के 429 विश्वविद्यालयों के छात्रों से जब डिजिटल बनाम कागज की किताबों की तुलना करने को कहा गया तो छात्रों की प्रतिक्रिया थी कि उन्हें कागज की खुशबू भाती है. उन्हें कागज को छूने, देखने, पकड़ने से आभास होता है कि वे पढ़ रहे हैं. प्रिंट उन्हें बेहतर समझ में आता है और अधिक याद रहता है.

सोशल मीडिया का असर

सोशल मीडिया पर ज्ञान तो बहुत है पर सही या गलत, इस का कोई प्रमाण नहीं है. जिस के जो दिल में आता है, वह उस का औडियो या वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर अपलोड कर देता है।

रेसिपी

मैगी पकौड़ा

सामग्री

300 मिली पानी, 2 पैकेट मैगी, 2 पैकेट मैगी मसाला, 70 ग्राम पत्तागोभी, 70 ग्राम प्याज, 70 ग्राम शिमला मिर्च, 25 ग्राम धनिया, 1 टीस्पून नमक , 2 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, 45 ग्राम सूजी, 35 ग्राम बेसन, 2 टेबलस्पून पानी

विधि

एक पैन में पानी डालकर उबालें. अब इसमें मैगी और मैगी मसाला डालकर अच्छे से मिक्स करें और पकाएं. बाद में बाउल में निकाल लें. अब इसमें पत्तागोभी, प्याज, शिमला मिर्च, धनिया, नमक, लाल मिर्च पाउडर, सूजी, बेसन और पानी डालकर अच्छे से मिक्स कर लें. थोड़ा-सा मिक्सचर लेकर छोटी-छोटी बाल्स बना लें और साइड रख दें. अब एक पैन में तेल गर्म कर इन्हें अच्छे से फाई करें. इन्हें तब तक फाई करें जब तक इनका रंग हल्का गोल्डन ब्राउन न हो जाएं. मैगी पकौड़े तैयार हैं. इन्हें गर्मा-गर्म सर्व करें.

स्पाइसी पनीर काठी रोल्स

सामग्री

1 कप प्याज बारीक कटा हुआ, 1 कप बींस बारीक कटी हुई, 1 कप गाजर बारीक कटी हुई, 1 कप बंदगोभी बारीक कटी हुई, 1 छोटा चम्मच अदरक कसा हुआ, 1 छोटा चम्मच लहसुन कसा हुआ, 250 ग्राम पनीर के टुकड़े, 1 कप टोमैटो कैचप, नमक , काली मिर्च स्वादानुसार

सामग्री रोटी के लिए: 500 ग्राम मैदा, 1/2 छोटा चम्मच नमक , 1/2 छोटा चम्मच अजवाइन, 1/2 कप पिघला मक्खन , पानी मैदा गूंधने के लिए

विधि

रोटी की सामग्री गूंध कर लोइयां बना लें और बड़े आकार की चपातियां बना कर एक तरफ रख लें. अब कड़ाही में तेल गरम कर, अदरक, लहसुन, वैजिटेबल्स, नमक व कालीमिर्च मिला कर 5-7 मिनट पकाएं. इस के बाद पनीर व टोमैटो कैचप मिला कर भरावन के लिए सामग्री तैयार कर लें. रोल बनाने के लिए हरेक चपाती के बीच में भरावन रखें. फिर उन के ऊपर पुदीना चटनी और प्याज के टुकड़े रख कर रोल बना लें. परोसने से पहले, रोल्स को ओवन में गरम कर लें और गरम गरम प्याज और पुदीना चटनी के साथ परोसें.

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**